THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 199 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.7 2080 शुक्रवार, 6 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'जितना कमल खिलेगा उतना राजस्थान भी'

जोधपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जोधपुर में एक विशाल रैली की। पीएम मोदी ने इस मौके पर कई बड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में बीजेपी आएगी तो महिला सुरक्षा लाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था का क्या हाल है ये किसी से छिपा नहीं है। 9

ऐसे में अगर महिलाओं को सुरक्षा का एहसास कराना है तो राज्य में बीजेपी की सरकार को लानी होगी। पीएम मोदी ने इस मौके पर राजस्थान को 5000 करोड़ रुपये के विभिन्न परियोजनाओं की सौगात भी दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रैली के दौरान आम जनता से अपील की कि राजस्थान में हर बूथ पर कमल खिलाना है, जितना कमल खिलेगा उतना राजस्थान भी खिलेगा। उन्होंने कहा, मैं गरीबी से जिया हूं उसका दर्द मैं समझ सकता हूं। गरीब भाइयों का दर्द कैसे दूर हो उसके लिए मैं दिन-रात जुटा हूं।

इस मौके पर पीएम मोदी ने राज्य के सीएम अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यक्रम से आ रहा हूं, करीब 5 हजार करोड़ रुपये का शिलान्यास कार्यक्रम किया लेकिन मुख्यमंत्री जी नहीं आए, वह इसलिए नहीं आए क्योंकि उन्हें भरोसा है कि मोदी आएगा तो सब ठीक हो जाएगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान लाल डायरी की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लाल डायरी में कांग्रेस के हर करप्शन की काली करतूत है। पीएम ने जनता से पूछा, लाल डायरी के काले राज खुलने चाहिए की नहीं खुलना चाहिए।

* पूरी दुनिया में बज रहा भारत का डंका

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है, लेकिन ये कांग्रेस को अच्छा नहीं लग रहा। हमारी सरकार ने भारत को दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बना दिया है। अब हम शीर्ष तीन में जगह बनाएंगे।

इसलिए ही मैं कहता हूं कि मेरा देश बदल रहा है :

पीएम मोदी ने कहा कि हम आत्मनिर्भर बनने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वोकल फॉर लोकल सभी के जीवन का हिस्सा बन रहा है। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को दिल्ली के एक खादी सेंटर से 1.5 करोड़ की बिक्री हुई। इससे लाखों गरीबों को फायदा हुआ। इसलिए ही मैं कहता हूं कि मेरा देश बदल रहा है।

* मोदी के भाषण में कांग्रेस पर निशाना

कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने वन रैंक वन पेंशन के साथ ही फौजियों की आंखों में धूल झोंकने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी का वादा किया और उनके हजारों करोड़ की जमीनों को नीलाम कर दिया।

संजय सिंह को 5 दिन की रिमांड

> *सिसोदिया की जमानत पर 12 अक्टूबर को सुनवाई*

> *सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कहा, आपकी दलीलें सिर्फ अनुमान*

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आप सांसद संजय सिंह को ईडी की 5 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। हालांकि ईडी ने कोर्ट से 10 दिन की रिमांड मांगी थी। एजेंसी ने कहा कि हमें डिजिटल डेटा निकालना है। संजय को दूसरे लोगों के साथ बिठाकर पूछताछ करनी है। संजय सिंह को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में 4 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था।

उधर, सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 12 अक्टूबर तय की गई है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने ईडी से पूछा- सबूतों की कड़ी एक-दूसरे से नहीं जुड़ रही है। आपकी दलीलें अनुमान पर आधारित हैं, जबकि यह सबूतों पर आधारित होनी चाहिए।

बेंच ने ईडी से सवाल किया कि सरकारी गवाह बने कारोबारी दिनेश अरोड़ा के बयान के अलावा सिसोदिया के खिलाफ सबूत कहां हैं। सिसोदिया को अगर पैसे मिले तो किसने दिया और यह उन तक कैसे पहुंचा? पैसे देने वाले बहुत सारे लोग हो सकते हैं। जरूरी नहीं कि यह शराब से जुड़ा हो। 5 अक्टूबर को आप नेता संजय सिंह को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। यहां उन्होंने मीडिया से कहा कि मोदी जी, चुनाव हारेंगे।

संजय की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन :

सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया के बाद संजय सिंह आप के तीसरे बड़े नेता हैं, जिन्हें केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार किया है। संजय सिंह की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने गुरुवार सुबह 11 बजे से भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में ले लिया है।

विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट से चंद्रबाबू नायुडू को झटका रिमांड 19 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

विजयवाड़ा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट से टीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू को राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने कथित कौशल विकास घोटाले के मामले में उनकी रिमांड 19 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। इसके साथ हीकोर्ट ने नायुडू की जमानत याचिका और आंध्र प्रदेश पुलिस सीआईडी की उनकी हिरासत की मांग वाली याचिका पर सुनवाई भी शुक्रवार के लिए टाल दी। सीआईडी की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता पी सुधाकर रेड्डी ने पैरवी की। पूर्व मुख्यमंत्री का पक्ष सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रमोद दुबे ने रखा। सीआईडी ने चंद्रबाबू नायुडू से आगे की पूछताछ के लिए पांच दिन की पुलिस हिरासत मांगी थी। पुलिस की दलील थी कि 23 और 24 सितंबर को पहले दो दिन की हिरासत में पूछताछ के दौरान उन्होंने जांचकर्ताओं के साथ कथित तौर पर सहयोग नहीं किया। चंद्रबाबू नायुडू को कौशल विकास निगम के धन में अनियमितता करने और राजकोष को करीब 300 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप गिरफ्तार किया गया था। नायुडू को नौ सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

बंगाल, तमिलनाडु और तेलंगाना में छापे

ममता के मंत्री के घर ईडी की रेड, डीएमके सांसद और बीआरएस विधायक के ठिकानों पर आईटी की कार्रवाई

कोलकाता/चेन्नई/हैदराबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार से जुड़े अलग-अलग मामलों में सेंट्रल एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और इनकम टैक्स ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और तेलंगाना में सत्ताधारी पार्टियों के सांसद और विधायकों के कई ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी की जद में आने वाले नेताओं में ममता सरकार में मंत्री रथिन घोष, तमिलनाडु के डीएमके सांसद एस जगतरक्षकन और तेलंगाना में बीआरएस विधायक मागन्ती गोपीनाथ शामिल हैं। इसके अलावा बंगाल के ही एक नगर पालिका के पूर्व अधिकारी के घर पर भी रेड डाली जा रही है। पश्चिम बंगाल : मंत्री रथिन घोष के आवास सहित कोलकाता और नॉर्थ 24 परगना जिले में उनसे जुड़े 12 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) ने दबिश दी है। वहीं टीटागढ़ नगर पालिका में भर्ती घोटाला मामले को लेकर नॉर्थ 24 परगना जिले में टीटागढ़ नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन प्रशांत चौधरी के आवास पर ईडी की छापेमारी चल रही है।

तेलंगाना : हैदराबाद में इनकम टैक्स ने सत्ताधारी पार्टी बीआरएस के विधायक मागन्ती गोपीनाथ के खिलाफ कार्रवाई की है। हैदराबाद के जुबली हिल्स, कुकटपल्ली, गाचीबोवली समेत बीआरएस विधायक के आवास और कार्यालय पर इनकम टैक्स के अधिकारियों की टीम तलाशी ले रही है। यूपी के कानपुर की बड़ी वनस्पति तेल कंपनी मयूर ग्रुप पर आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक, कानपुर समेत यूपी में करीब 20 और मध्य प्रदेश के 15 ठिकानों पर कार्रवाई जारी है। इसमें 150 से अधिक अफसर कार्रवाई में शामिल हैं।

नांदेड़ अस्पताल की भयावहता पर राहुल ने पीएम मोदी से कहा, माताओं की चीखें सुनें

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में कई लोगों की मौत पर गुरुवार को भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब मां की इन दिल दहला देने वाली चीखों को सुनें। और पूछा कि आप हमेशा अपने अपराध की सजा गरीबों को ही क्यों देते हो।

एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री जी, नांदेड़ की इस गरीब मां की दिल दहला देने वाली चीखें सुनिए। आप हमेशा अपने अपराधों की सज़ा गरीबों को ही क्यों देते हैं? उन्होंने इस सप्ताह की शुरूआत में नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में अपने बच्चे की मौत के बाद चिल्लाती हुई एक बच्चे की मां का वीडियो भी संलग्न किया।

उनकी यह टिप्पणी नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में मंगलवार तक कई शिशुओं सहित 31 लोगों की मौत के बाद आई है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी बुधवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर जिलों में सरकारी अस्पतालों में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में मौतों का संज्ञान लिया। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय व जस्टिस आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ और ने मोहित खन्ना नाम के वकील द्वारा लिखे गए पत्र पर संज्ञान लेते हुए कहा कि स्टाफ या दवाओं की कमी के कारण मौतें नहीं हो सकतीं।

चुनावों में मनी पावर हमारे रडार पर : ईसी

अगर प्रवर्तन एजेंसी कोई एक्शन नहीं लेंगी, तो हम उनसे कार्रवाई कराएंगे

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने गुरुवार को हैदराबाद में कहा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने के लिए तैयार है। आने वाले विधानसभा चुनावों में मनी पावर हमारे रडार पर रहेगा। इसके लिए प्रवर्तन एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है। अगर वे कार्रवाई नहीं करेंगी तो हम उनसे चुनाव धन बल का प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई कराएंगे।

सीईसी की अध्यक्षता वाली 17 सदस्यों की टीम तेलंगाना में चुनाव तैयारियों का आकलन करने के लिए शहर में है। इस दौरान राजीव कुमार ने राजनीतिक दलों, राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर मीटिंग की।

ऑनलाइन लेनदेन पर भी नजर रखी जाएगी

चुनाव आयुक्त ने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान अकेले तेलंगाना में ही 148 चेकपोस्ट बनाए जाएंगे। इनमें तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर 35 चेकपोस्ट, तेलंगाना-कर्नाटक बॉर्डर पर 26 चेकपोस्ट, तेलंगाना-महाराष्ट्र बॉर्डर पर 24 चेकपोस्ट और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर 4 चेकपोस्ट

बनाए जाएंगे। इस दौरान हर तरह के ऑनलाइन लेन-देन पर भी नजर रखी जाएगी। इतना ही नहीं एमसीएमसी पेड न्यूज और सोशल मीडिया पर नियमों के उल्लंघन पर निगरानी रखेगा। वहीं आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट सीविजिल मोबाइल ऐप पर की जा सकेगी, जिस पर 100 मिनट में रिस्पॉन्स दिया जाएगा।

80 साल से ज्यादा उम्र के लोग और दिव्यांग घर से वोटिंग करेंगे :

विधानसभा चुनावों में तेलंगाना के मतदाताओं की कुल संख्या 3.17 करोड़ है। इनमें पुरुष और महिलाएं समान संख्या में हैं। 5 राज्यों में पहली बार 80 साल से ज्यादा उम्र के लोग यदि चाहें तो अपने घर से वोटिंग कर सकेंगे। इसी तरह दिव्यांग व्यक्ति जो 40 प्रतिशत या उससे ज्यादा विकलांग हैं, वे भी घर से मतदान कर सकते हैं।

राजस्थान में पहली बार बुजुर्ग-दिव्यांग घर से डाल सकेंगे वोट :

इस बार चुनाव आयोग राजस्थान में पहली बार सीनियर सिटीजन वोटर्स को घर से वोट डालने की सुविधा भी देगा। राजनीति में अपराधियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक नया कदम उठाया गया है। इसके तहत राजनीतिक दलों को अखबार में स्पष्टीकरण देना होगा कि उन्होंने क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले व्यक्ति को टिकट क्यों दिया?

छत्तीसगढ़ में संविदा कर्मियों की नहीं लगेगी चुनावी ड्यूटी :

छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव में संविदा और अनियमित कर्मचारियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। साथ ही नई बहुओं को वोटिंग के लिए जागरूक करने नव वधु सम्मान समारोह भी चलाया गया है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 61,683 ऐसी नई दुल्हनें है जो इस विधानसभा चुनाव में वोटिंग करेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 'वोट के बदले नोट' मामले में पुनर्विचार के बाद फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वोट के बदले नोट मामले में दिए अपने फैसले पर पुनर्विचार के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि अदालत इस मामले पर विचार कर रही है कि सांसदों-विधायकों को सदन में दिए भाषण और वोट के बदले रिश्वत लेने के मामले में मुकदमे से छूट देना सही है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने साल 1998 के अपने एक फैसले में सांसदों-विधायकों को यह छूट दी थी। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर मामले से आपराधिकता जुड़ी होगी तो अदालत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर विचार कर रही है।

संविधान पीठ ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित कई वरिष्ठ वकीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। तुषार मेहता ने सुनवाई के दौरान कहा कि अदालत से संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत छूट के पहलू पर नहीं जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रिश्वतखोरी का अपराध तब पूरा होता है जब रिश्वत दी जाती है और दूसरे पक्ष द्वारा उसे स्वीकार किया जाता है। इससे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से निपटा जा सकता है। वोट के बदले नोट मामले में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने सुनवाई पूरी की। बुधवार को सुनवाई के दौरान पीठ में शामिल मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि किसी सांसद-विधायक के आपराधिक कृत्य में भी क्या सदन में मिला विशेषाधिकार उन्हें मुकदमे से बचा सकता है? क्या कानून के दुरूपयोग की आशंका पर राजनीतिक भ्रष्टाचार को छूट देनी चाहिए? बता दें कि झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन और उनकी पार्टी के चार सांसदों पर आरोप लगा था कि 2012 के राज्यसभा चुनाव के दौरान उन्होंने विशेष उम्मीदवार को वोट देने के बदले रिश्वत ली थी।

पवन कल्याण ने टीडीपी का समर्थन करने के लिए एनडीए से नाता तोड़ा

मछलीपट्टनम, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिनेता राजनेता पवन कल्याण ने कहा है कि उनकी जन सेना पार्टी (जेएसपी) 2024 विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी (टीडीपी) तेलुगु देशम के साथ हाथ मिलाने के लिए बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए से बाहर आ गई है। कृष्णा जिले के पेडाना में अपनी वाराही यात्रा के हिस्से के रूप में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह कठिन समय में टीडीपी का समर्थन करने के लिए एनडीए से बाहर आए हैं।

उन्होंने कथित कौशल विकास घोटाले में टीडीपी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा, मुश्किलों के बावजूद हम एनडीए में शामिल हुए थे। अब हम सामने आए हैं और टीडीपी को 100 प्रतिशत समर्थन दिया है क्योंकि यह कठिन समय से गुजर रही है।

पवन कल्याण, जिन्होंने पिछले महीने राजमंड्री जेल में नायुडू से मुलाकात की थी, ने कहा कि आंध्र प्रदेश को लड़ने के लिए टीडीपी के चार दशकों के अनुभव और जन सेना की युवा ताकत की जरूरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि टीडीपी-जेएसपी गठबंधन 2024 में सत्ता में आएगा। यह पहली बार है कि पवन कल्याण ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की कि जन सेना एनडीए से बाहर आ गई है। वह 18 जुलाई को दिल्ली में हुई एनडीए की बैठक में शामिल हुए थे। बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि जन सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का समर्थन करेगी। पवन कल्याण ने पहले कहा था कि वह जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बाहर करने के लिए बीजेपी के रोड मैप का इंतजार कर रहे हैं। जाहिर तौर पर यह महसूस करते हुए कि बीजेपी दोबारा टीडीपी से हाथ मिलाने को तैयार नहीं है, पवन कल्याण ने टीडीपी के साथ जाने का फैसला लिया।

अभिनेता ने कहा कि 2021 में उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए वोटों के विभाजन से बचने के लिए समान विचारधारा वाले दलों के साथ आने का फैसला लिया। जन सेना नेता ने याद किया कि 2014 में उन्होंने आंध्र प्रदेश के सुनहरे भविष्य के लिए नरेंद्र मोदी और चंद्रबाबू नायुडू को समर्थन दिया था। लगभग 10 वर्ष बीत गये लेकिन दुर्भाग्यवश यह लक्ष्य हासिल नहीं हो सका। अतीत में जो हुआ उस पर पछतावा करने से कोई फायदा नहीं है।

न्यूजक्लिक केस : अभिसार शर्मा से दूसरी बार पूछताछ

आरोपियों के वकील ने गिरफ्तारी के दस्तावेज मांगे, प्रॉसिक्यूशन बोले-एक कदम आगे ना कूदें

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजक्लिक मामले में गुरुवार 5 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने पत्रकार अभिसार शर्मा को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया। इससे पहले अभिसार से मंगलवार 3 अक्टूबर को पूछताछ हुई थी। वहीं, कोर्ट में न्यूजक्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ और और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती के वकील ने उनकी गिरफ्तारी के लिखित दस्तावेज मांगे। इस पर प्रॉसिक्यूशन ने कहा कि आप प्रोसेस फॉलो करें, एक कदम आगे ना कूदें।

सेशंस कोर्ट में सुनवाई के दौरान क्या हुआ :

सेशंस कोर्ट में दोनों आरोपियों की तरफ से दायर उस एप्लीकेशन का विरोध किया, जिसमें एफआईआर की कॉपी देने की बात कही गई थी। अमित चक्रवर्ती के वकील ने कहा कि मेरे मुवक्किल को किस आधार पर गिरफ्तार किया गया, इसके लिखित दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। पुरकायस्थ के वकील ने भी कहा कि एफआईआर की कॉपी लेना आरोपी का हक है। इस पर स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि आरोपियों को पुलिस कमिश्नर को अप्रोच करना चाहिए। इसके बाद पुलिस कमिश्नर मामले में एक कमेटी बनाएंगे। जिस आधार पर गिरफ्तारी हुई है और जिस आधार पर रिमांड ली गई है, वो हम पहले ही बता चुके हैं। आरोपी चरणबद्ध तरीके से प्रक्रिया का पालन करें। आरोपियों की तरफ से जो एप्लीकेशन फाइल की गई है, वो प्रीमैच्योर है। आप आगे ना चलें।

95 लोकेशंस पर छापा मारा गया था :

न्यूजक्लिक मामले में दिल्ली में 88 स्थानों और 7 अन्य यानी कुल 95 लोकेशंस पर छापा मारा गया। स्पेशल सेल के ऑफिस में 37 पुरुषों, जबकि 9 महिलाओं से उनके घर में से पूछताछ की गई।

चीन की आक्रामकता पर सीडीएस चौहान का बड़ा बयान

देश के लिए इस पर ध्यान बनाए रखने की बात कही

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांचवें जनरल केवी कृष्ण राव मेमोरियल व्याख्यान में वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवस्था में आने वाली दिक्कतों पर चर्चा करते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारत के रणनीतिक स्वायत्तता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, गुटनिरपेक्षता के अपने दृष्टिकोण से विश्व मित्र के दौर में आगे बढ़े।

चीन के साथ उत्तरी सीमाओं पर विवाद को लेकर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा कि नई दिल्ली को रणनीतिक स्वायत्तताकार्ड खेलना होगा। साथ ही उन्होंने कहा, रणनीतिक स्वायत्तता अवसरों का फायदा उठाने के लिए प्रासंगिक हो सकती है। हमें अवसरों के बारे में अधिक सोचना चाहिए। चीन की बढ़ती आक्रामकता साफ दिखाई दे रही है। भारत का चीन के साथ अपनी उत्तरी सीमाओं पर एक बड़ा विवाद है। जनरल चौहान ने वैश्विक भू-राजनीति के आर्थिक पहलुओं के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र के रूप में हमने एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए जी-20 मंच का प्रयोग किया है। इसलिए ये भी खास तथ्य हैं, जिन्हें हमें रणनीतिक निर्णय लेते समय ध्यान में रखना चाहिए कि कैसे करना है? साथ ही उन्होंने कहा, अगर मुझे गुटनिरपेक्षता से लेकर रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने तक की भारत की यात्रा का सार देना हो, तो मैं जो कह सकता हूं वह तीन एस पर आधारित हो सकता है। पहला भारत को सुरक्षित करना है। दूसरा आत्मनिर्भरता, अंत में पर्यावरण को आकार देना है।

महिला पर हमला करने वाले आरोपियों को 20 साल सश्रम कारावास

उज्जैन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उज्जैन जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा वर्ष 2021 में परिवार के आधा दर्जन लोगों द्वारा एक महिला के नाक, कान काटकर उसे गंभीर रूप से चोट पहुंचाने के मामले में आरोपियों को 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। बताया जा रहा है कि नागदा के बिरलाग्राम थाना क्षेत्र में 12 जनवरी 2021को पीड़िता के साथ पति राजेश चंद्रवंशी, ससुर सीताराम, सास गेंदाबाई, मौसी सास कलाबाई, राधेश्याम, मनोहर ने एकमत होकर घर के अंदर तलवार से हमलाकर जीभ, नाक, जबड़ा आदि काटकर महिला के मुंह में बेलन तक डाल दिया था। घायल अवस्था में महिला को घर के बाहर फेंक दिया था।

लगातार धरती की ओर बढ़ रहा खतरा

इस साल हो सकती है भीषण टक्कर, नासा ने जताया अनुमान

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नासाः इस बड़े से ब्रह्माण्ड में हमारे सौरमंडल के अलावा हजारों सौरमंडल हैं। इन हजारों सौरमंडल में लाखों गृह हैं। हालांकि इनके बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है। इसके साथ ही हमारे ही सौरमंडल में लाखों एस्टेरॉयड हवा में मंडरा रहे हैं। इन्हीं में से एक एस्टेरॉयड धरती के लिए खतरा बन रहा है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने बताया है कि एक विशाल एस्टेरॉयड धरती से टकरा सकता है, जिससे पृथ्वी को बड़ा नुकसान हो सकता है। एजेंसी ने बताया है कि यह एस्टेरॉयड 4 करोड़ साल से भी ज्यादा पुराना है। इसके साथ ही इससे हमारे गृह पर जीवन से जुड़ा हुआ एक

ख़ास कनेक्शन भी है।

एस्टेरॉयड की असली पहचान 1999 आरक्यू36

नासा के अनुसार, इस एस्टेरॉयड की असली पहचान 1999 आरक्यू36 है। इसकी खोज साल 1999 में की गई थी। जिसके बाद इस एस्टेरॉयड को बेनू नाम दिया गया, जोकि नार्थ कैरोलाइना के एक 9 साल के बच्चे ने दिया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि यह एस्टेरॉयड 24 सितंबर 2182 को धरती से टकरा सकता है। इस एस्टेरॉयड के टकराने की वजह से धरती पर बड़ा विनाश हो सकता है। एजेंसी ने बताया है कि बेनू हर 6 साल में धरती के पास से गुजरता है। यह साल 1999, 2005 और 2011 में धरती के बेहद ही करीब से गुजर चुका है।

धरती से टकराने की संभावनाएं केवल 0.037 प्रतिशत

वैज्ञानिकों ने बताया है कि बेनू के धरती से टकराने की संभावनाएं केवल 0.037 प्रतिशत ही हैं लेकिन इसके बाद भी यह खतरा बहुत ही बड़ा है। उन्होंने बताया कि अगर बेनू धरती से टकराता है तो यह 1200 मेगाटन की एनर्जी छोड़ सकता है। यह एनर्जी अब तक के किसी भी परमाणु हथियार से 24 गुना ज्यादा घातक होगा। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि इसका आकर न्यूयॉर्क के एम्पयार स्टेट बिल्डिंग से भी बड़ा है। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि बेनू में कुछ ऐसे आर्गोनिक मालेक्युलास के होने की भी संभावना है, जिससे धरती पर जीवन की शुरुआत हुई थी।

एमपी में फिर हुआ शर्मनाक कृत्य

9 वर्षीय मासूम के साथ आरोपी ने रातभर की दरिंदगी, सुबह रास्ते में छोड़कर हुआ फरार

खंडवा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा से फिर एक शर्मनाक घटना सामने आई है यहाँ एक 9 वर्षीय नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। इस घटना के पश्चात स्थानीय लोगों में गुस्से का माहौल है। कहा जा रहा है कि बच्ची के पिता की मौत हो चुकी है तथा मां मानसिक रूप से कमजोर है। जो भीख मांगकर अपना गुजारा करती है। कहा जा रहा है कि अपराधी ऑटो में बैठाकर बच्ची को अपने साथ ले गया। फिर रातभर उसके साथ गलत काम किया। फिर सुबह रास्ते में कहीं छोड़कर फरार हो गया। अपराधी की पहचान 40 वर्षीय जावेद के तौर पर हुई है।

महाराष्ट्र में हवाई एंबुलेंस सेवा शुरू करने के लिए एमएडीसी नोडल एजेंसी होगी

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य द्वारा संचालित महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमएडीसी) अब हवाई पट्टी तैयार करने के साथ-साथ हवाई एंबुलेंस सेवा शुरू करने के लिए भी नोडल एजेंसी के रूप में काम करेगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने क्या खास जानकारी दी?

हवाई एंबुलेंस सेवा को लेकर खबर?

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एमएडीसी के अध्यक्ष शिंदे ने बुधवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद यह घोषणा की। इसमें कहा गया है कि अमरावती जिले के बेलोरा के पास एक विमानन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है और टाटा समूह की 'विस्तार एयरलाइन' यह केंद्र स्थापित कर सकती है। शिंदे ने पुलिस आवासीय कॉलोनियों के पास हवाई पट्टी तैयार करने के भी निर्देश दिये। बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लातूर, नांदेड़, बारामती, धाराशिव (उस्मानाबाद) और यवतमाल में हवाई अड्डों के संचालन से संबंधित कार्य निजी कंपनी से वापस लेने के लिए कानूनी प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया है।

फारुक अब्दुल्ला ने संजय सिंह की गिरफ्तारी का किया विरोध

कहा- लंबे समय से सरकार की आंख में खटक रहे थे

श्रीनगर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी का विरोध किया है। सांसद अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें लगता है सरकार ने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी असल में दोबारा चुनाव आने से पहले अपनी ताकत दिखाने के लिए करवाई है। वह लंबे समय से भाजपा सरकार की आंखों में खटक रहे थे। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसे जन प्रतिनिधि को गिरफ्तार करना बिल्कुल गलत है जो बेदाग हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने जो सुना है उसके अनुसार संजय सिंह ने कुछ सवालों के जवाब नहीं दिए। इसके लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। किसी व्यक्ति को गिरफ्तार

नहीं किया जा सकता अगर उसने कुछ सवालों का जवाब नहीं दिए हों। अगर आपके (ईडी) पास उनके खिलाफ कुछ है तो उन्हें अदालत में ले जाएं।'

सब सामान्य है तो फिर चुनाव से क्यों किया जा रहा इंकार

वहीं, फारूक अब्दुल्ला ने जी20 बैठक और जम्मू कश्मीर के मौजूदा हालातों के लेकर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि यहां जी-20 बैठक कर बताया गया कि कश्मीर में पूरी तरह से शांति है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हर समय कहते हैं कि कश्मीर में पूरी तरह बदलाव आ गया है। सब सामान्य है। पर्यटन बढ़ रहा है तो फिर चुनाव से इंकार क्यों किया जा रहा है। बता दें कि दिल्ली में कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार शाम आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद आप में खलबली मच गई है। महबूबा, फारूक समेत कई अन्य विपक्षी पार्टियों ने उनकी गिरफ्तारी का विरोध किया है। आज संजय सिंह को कोर्ट में पेश किया जाएगा। गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी भाजपा मुख्यालय का घेराव किया है।

कुरुक्षेत्र में 'अवैध नशा मुक्ति' केंद्र का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

गुरुग्राम, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के शीतला माता मंदिर के पास न्यू अमनपुरा कॉलोनी में अवैध नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र चलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। झज्जर जिले के निवासी विनय राठी के रूप में पहचाने गए संदिग्ध के खिलाफ सेक्टर-5 पुलिस स्टेशन, गुरुग्राम में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह गिरफ्तारी तब हुई, जब हरियाणा के मुख्यमंत्री की फ्लाइंग विंग ने स्वास्थ्य विभाग की एक टीम के साथ गुरुवार को केंद्र पर छापा मारा और अवैध नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र का भंडाफोड़ किया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में बांकेबिहारी मंदिर कारिडोर का मामला

सेवायत अपने रुख पर कायम, आज भी होगी सुनवाई

प्रयागराज, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा स्थित बांके बिहारी मंदिर में दर्शनार्थियों की सुविधा व सुरक्षा के लिए पांच एकड़ रकबे में प्रस्तावित कोरिडोर (गलियारा) निर्माण मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर तथा न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने अनंत शर्मा व अन्य की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई की। प्रदेश सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने पक्ष रखा। शुक्रवार को भी सुनवाई होगी। मंदिर के चढ़ावे के इस्तेमाल पर गोस्वामियों (सेवायतों) की आपत्ति हल नहीं निकल सका। सेवायतों का कहना है कि प्रस्तावित योजना के नाम पर मंदिर के चढ़ावे से किए जाने वाले खर्च का औचित्य नहीं है। सरकार विकास करना चाहती है तो अपने पैसे से करें। कोरिडोर बनाने पर आपत्ति नहीं है किंतु मथुरा की पौराणिक धार्मिक स्वरूप से छेड़छाड़ न की जाए। गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर का चढ़ावा चाहे कैश में हो अथवा सोना-चांदी के रूप में, सभी प्रकार का चढ़ावा भगवान के नाम पर खुले बैंक अकाउंट में जमा होता है। प्रशासन को उन पैसों का खर्च उनकी निगरानी में वहां के विकास के लिए करने की वे अनुमति नहीं देना चाहते। राज्य सरकार का कहना है कि वह मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के लिए विकास करना चाहती है। मंदिर के लिए सुविधाएं मंदिर के धन से करना चाहती है। यह जनहित में है।

कागज लेकर तामिली करने गए होमगार्ड सैनिक ने जहर खाकर की आत्महत्या, दमोह के हटा थाने में था पदस्थ

दमोह, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दमोह जिले के हटा पुलिस थाना में पदस्थ होमगार्ड सैनिक मदन डिम्हा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। गंभीर हालत में उसे हटा से रात जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार झामर निवासी मदन पिता दामोदर डिम्हा 42 हटा थाना में सेवाएं दे रहा था जिसने शाम के समय जहर का सेवन कर लिया। जानकारी लगने पर परिजन हटा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से हटा पुलिस के साथ जिला अस्पताल लाया गया। हटा थाना टीआई मनीष मिश्रा ने बताया कि सैनिक कुछ कागज लेकर तामीली के लिए निकला था जो घर पर भी नहीं पहुंचा था,

गुरमिंदर सिंह पंजाब के नए महाधिवक्ता नियुक्त

चंडीगढ़, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ वकील गुरमिंदर सिंह को गुरुवार को विनोद घई की जगह पंजाब का नया एडवोकेट जनरल (एजी) नियुक्त किया गया। 13,000 से अधिक पंचायतों को भंग करने से संबंधित अधिसूचनाओं को वापस लेने के साथ पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में सरकार की शर्मिंदगी के मद्देनजर घई का इस्तीफा तय था। घई ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। गुरमिंदर सिंह, जिनके नाम को कैबिनेट की मंजूरी मिली, संवैधानिक, सेवा और आपराधिक कानून में अपनी व्यापक विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं। राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) के सत्ता में आने के बाद से वह इस पद पर नियुक्त होने वाले तीसरे वरिष्ठ वकील हैं। सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर के मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है। मान ने प्रमुख सचिव डी.के. तिवारी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत निदेशक गुरप्रीत खैरा को निलंबित करने का आदेश दिया था।

एनसीपी का असली बॉस कौन? आज चुनाव आयोग करेगा सुनवाई

शरद पवार और अजित गुट की होगी अग्नि परीक्षा

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी संकट को लेकर चुनाव आयोग में 6 अक्टूबर को सुनवाई होगी। शरद पवार गुट की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी बहस करेंगे। जानकारी सामने आई है कि शरद पवार गुट की ओर से करीब आठ से नौ हजार लफनामे दाखिल किए गए हैं। शिवसेना का विवाद पूरे महाराष्ट्र ने देखा है और इसके बाद कल से एक और लड़ाई शुरू होने जा रही है।

शरद पवार गुट ने बुलाई बैठक

एनसीपी के चुनाव चिन्ह पर चुनाव आयोग कल दोपहर तीन बजे पहली सुनवाई करेगा। इस संबंध में शरद पवार गुट ने तैयारी कर ली है। शरद पवार गुट की ओर से आज दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में

कार्यसमिति की बैठक भी बुलाई गई है। यदि चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया जाता है या इसके विरुद्ध निर्णय ले लिया जाता है तो इसके क्या प्रतिकूल प्रभाव होंगे? इस बैठक का एजेंडा यही होगा कि आगे क्या कदम उठाया जाए।

शरद पवार गुट के पास अजित पवार गुट से ज्यादा हलफनामे

इस बीच शरद पवार गुट की ओर से करीब आठ से नौ हजार दस्तावेज यानी हलफनामे दाखिल किये गये हैं। शरद पवार गुट का दावा है कि दस्तावेजों की संख्या अजित पवार गुट से ज्यादा है। अजित पवार गुट की ओर से दाखिल किए गए दस्तावेज। वे अजीत पवार समूह द्वारा चुनाव आयोग को सौंपे गए दस्तावेजों में कुछ खामियां भी दिखाने जा रहे हैं। अजित पवार गुट के दस्तावेजों में कुछ मृत व्यक्तियों के नाम पर ये हलफनामे दाखिल किए गए हैं। शरद पवार गुट की ओर से दावा किया गया है कि शैक्षणिक संस्थानों के कुछ कर्मचारियों या जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, उनके भी हलफनामे दाखिल किए गए हैं।

नेताओं को सुनवाई में शामिल होने की जरूरत नहीं है

आज दोपहर 3 बजे चुनाव आयोग के सामने सुनवाई होगी। सुनवाई के लिए नेताओं को स्वयं उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि मुख्य नेता मौजूद नहीं रहेंगे, लेकिन संभावना है कि दूसरे स्तर के नेता मौजूद रहेंगे। चुनाव आयोग में आज से शुरू होने वाली लड़ाई में पहला फैसला क्या होगा, यह देखना अहम होगा।

सुप्रीम कोर्ट का श्रवण-बाधित वकील के लिए साइन लैंग्वेज दुभाषिया नियुक्त करने का निर्देश

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अपनी तरह के पहले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपनी रजिस्ट्री को अदालती कार्यवाही में भाग लेने में विशेष रूप से सक्षम वकील की सहायता के लिए एक सांकेतिक भाषा दुभाषिया नियुक्त करने का निर्देश दिया। रजिस्ट्रार विवेक सक्सेना ने आदेश में कहा, एक साइन लैंग्वेज दुभाषिया की नियुक्ति के लिए एक अनुरोध है। अपीलकर्ताओं के वकील के अनुरोध के अनुसार, रजिस्ट्री एक दुभाषिया नियुक्त करने के लिए कदम उठाएगी।' एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड संचिता ऐन ने शीर्ष अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर कर अपनी श्रवण-बाधित सहकर्मी के लिए एक सांकेतिक भाषा दुभाषिया की मांग की, जो बेंगलुरु से वस्तुतः कार्यवाही में शामिल होंगी। उन्होंने अनुरोध किया कि जब भी मामला सुनवाई के लिए उठाया जाए तो सांकेतिक भाषा दुभाषिया भी कार्यवाही में शामिल हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने कहा, रजिस्ट्री कार्रवाई करेगी और इसे 6 अक्टूबर को माननीय न्यायालय के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले सितंबर में भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई। चंद्रचूड़ ने उसी विशेष रूप से सक्षम वकील को अपने स्वयं के सांकेतिक भाषा दुभाषिया की सहायता से मुख्य न्यायाधीश की अदालत में सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी थी।

'हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व का नया आर्थिक और रणनीतिक केन्द्र', एयर फोर्स चीफ का एलएसी पर टकराव वाली जगहों को लेकर दो टूक जवाब

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। एयर चीफ मार्शल वी। आर। चौधरी ने कहा कि वायुसेना की अभियानगत योजनाएं बहुत ही मजबूत हैं और एलएसी पर जहां भी ये ''दुश्मन की संख्या या शक्ति'' का मुकाबला नहीं कर सकती वहां बेहतर तरकीबों, शिक्षण के जरिये और पर्वतीय रडार जैसे स्वदेश निर्मित सैन्य उपकरण, लंबी दूरी की मिसाइलें तथा 'अपग्रेडेड' लड़ाकू विमानों को तैनात कर चुनौतियों से निपेटेगी। वायुसेना प्रमुख ने 8 अक्टूबर को मनाये जाने वाले वायुसेना दिवस से ठीक पहले

मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी सीमा विवाद पर कहा कि टकराव वाले शेष स्थानों से (दोनों देशों के) सैनिकों को पीछे हटाये जाने तक क्षेत्र में सीमा पर वायुसेना की तैनाती बनी रहेगी। वायुसेना की अभियानगत शक्ति को मजबूत करने के लिए उठाये गए कदमों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि करीब 1.15 लाख करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस मार्क 1ए विमान खरीदने के अनुबंध को जल्द पूरा किया जाएगा। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने इस तरह के 83 विमानों की खरीद के लिए हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था।

मॉडर्नाइजेशन पर जोर

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 84 सुखोई-30एमकेआई विमनों को 60,000 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत करने की एक अन्य परियोजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि वायुसेना अगले 7-8 साल में ढाई-तीन लाख करोड़ रुपये के मिलिट्री प्लेटफॉर्म, उपकरण एवं हार्डवेयर शामिल करने पर विचार कर रही है। सैन्य बुनियादी ढांचे में चीन के तेजी से विस्तार करने और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हवाई साजो-सामान की तैनाती किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वायुसेना सीमा पार स्थिति पर आईएसआर (खुफिया, निगरानी, और टोह) तंत्र के जरिये निरंतर नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा, ''हम सीमा पर एकत्र किये गये संसाधनों और क्षमताओं का संज्ञान लेंगे। हमारी अभियानगत योजनाएं बहुत मजबूत हैं और स्थिति के आधार पर बदलती रहती हैं।' एयर फोर्स चीफ ने कहा, ''इसलिए उन स्थानों पर, जहां हम शत्रु की संख्या या शक्ति का असल में मुकाबला नहीं कर सकते, हम बेहतर तरकीबों और बेहतर प्रशिक्षण से इसका मुकाबला करेंगे।'' एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वायुसेना की एलएसी पर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साजो-सामान की तैनाती के संदर्भ में कोई एक तय सोच नहीं है। उन्होंने कहा, " हमारा ध्यान हर समय गतिशील रहेगा और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साजो-सामान की तैनाती के मामले में एक तय मानसिकता नहीं रहेगी।'

उन्होंने कहा कि वायुसेना सीमाओं पर निगरानी बेहतर करने के लिए पर्वतीय रडार तैनात करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। चीन ने समूची उत्तरी सीमा पर रडार तैनात किए हैं और भारतीय वायुसेना को शत्रु की निगरानी क्षमता के बारे में पता है। वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'हमारा जवाब हमारी पर्वतीय रडार परियोजना के माध्यम से है। इसके अलावा, हमारे पास हल्के राडार हैं जिन्हें हम सीमाओं के पार होने वाले घटनाक्रमों के आधार पर लगातार तैनात और पुनः तैनात करते रहते हैं।' एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने कहा, 'लंबे समय में, हम इन सामरिक स्थानों पर पर्वतीय राडार तैनात करने पर विचार कर रहे हैं ताकि शत्रु के क्षेत्र में समान रूप से देखने में सक्षम हो सकें।' उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना अपनी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों, रडार और अन्य निगरानी उपकरणों जैसी विभिन्न हथियार प्रणालियों की खरीद कर रही है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र नया आर्थिक व रणनीतिक केन्द्र

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''हमारा जोर हर वक्त बदलाव करने पर बना रहेगा और खास इलाकों में साजो-सामान की तैनाती के संदर्भ में तय सोच नहीं होगी। लेकिन हम बहुत ही लचीली और मजबूत युद्ध नीति रखेंगे, जिसकी हर वक्त समीक्षा की जाती रहेगी और फिर यह हमें प्राप्त खुफिया सूचनाओं पर आधारित होगी।'

उत्तर बंगाल में बाढ़ की स्थिति खराब

कोलकाता, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिक्किम के अलावा, पश्चिम बंगाल के उत्तरी क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति खराब होने लगी है, इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिले हैं। क्षेत्र में तराई और डुआर्स क्षेत्रों के मैदानी इलाकों में पहाड़ियां और लपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जिले और उत्तर बंगाल के तीन अन्य जिलों उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर और कूच बिहार जिलों में स्थिति गंभीर बताई गई है। पड़ोसी राज्य सिक्किम की पहाड़ियों में अचानक आई बाढ़ के बाद तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ने से स्थिति और

खराब हो गई है। गुरुवार सुबह पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी।वी। आनंद बोस बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए उत्तरी बंगाल पहुंचे। राज्य के बाहर अपने कार्यक्रमों को संक्षिप्त करते हुए वह उत्तर बंगाल में सिलीगुड़ी के पास बागडोगरा हवाईअड्डे पहुंचे और हवाईअड्डे से सीधे विभिन्न बाढ़ प्रभावित स्थानों पर चले गये। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, राज्यपाल ने राज्य के सिंचाई मंत्री पार्थ भौमिक की टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जहां पार्थ भौमिक ने राज्यपाल को उत्तर बंगाल के लिए पर्यटक बताया था। उन्होंने कहा, हां, वह सही कह रहे हैं कि मैं एक पर्यटक हूं। मैं चाहता हूं कि राज्य मंत्रिमंडल में नियुक्त मेरे कुछ कनिष्ठ सदस्य यहां पर्यटकों के रूप में मेरे साथ आ सकें।'

' तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने यह भी दावा किया है कि राज्यपाल का गुरुवार को उत्तर बंगाल का दौरा संयोग नहीं है, क्योंकि पार्टी कृषि भवन में तृणमूल कांग्रेस के निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ कोलकाता में राजभवन तक मार्च आंदोलन का आयोजन कर रही है। इस बीच, बुधवार रात से जलपाईगुड़ी जिले के गाजाडोबा इलाके में एक महिला सहित तीन के शव बरामद किए गए हैं।

लूटे गए मोबाइल फोन खरीदने के मामले में दो बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लूटे गए मोबाइल फोन खरीदने के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार है. उनके उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और छह मोबाइल बरामद किए गए हैं. नई दिल्ली: क्राइम ब्रांच की नॉर्दन रेंज-I पुलिस टीम ने लूटे गए मोबाइल खरीदने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की पहचान दानिश और सादिल के रूप में हुई है. ये दोनों बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी के रहने वाले हैं. उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल और छह मोबाइल बरामद किए गए हैं.

मणिपुर के इंफाल में ताजा हिंसा, 2 घर जलाए गए

इंफाल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में ताजा हिंसा भड़क उठी है। जानकारी के मुताबिक, यहां कम से कम दो घरों में आग लगा दी गई। आगजनी के दौरान कई राउंट गोलियां चलने की भी सूचना है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से कहा गया है कि यह वारदात बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात को हुई। पुलिस के मुताबिक उस समय रात के करीब 10 बजे रहे होंगे जब पाटसोई पुलिस थाना क्षेत्र के न्यू कीथेल्मनबी में इस वारदात को अंजाम दिया गया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद आरोपी मौके से भाग गए। जिससे इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों और अग्निशमन सेवा कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद इलाके में जमा हुई मैतेई महिलाओं की भीड़ को सुरक्षा बलों ने आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस ने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बतायी जा रही है। अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए जाने के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़पें शुरू हो गई थी। अबतक इस हिंसा में 180 से अधिक लोगों की जान चली गई। जबकि सैंकड़ों लोग घायल हो गए। मणिपुर की आबादी में मैतई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी - नागा और कुकी 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं। ये लोग पहाड़ी इलाकों में रहते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 6 अक्टूबर, 2023 3

सुविचार: सरलता के बिना कोई भी व्यक्ति अन्य आत्माओं का सच्चा स्नेह नहीं पा सकता

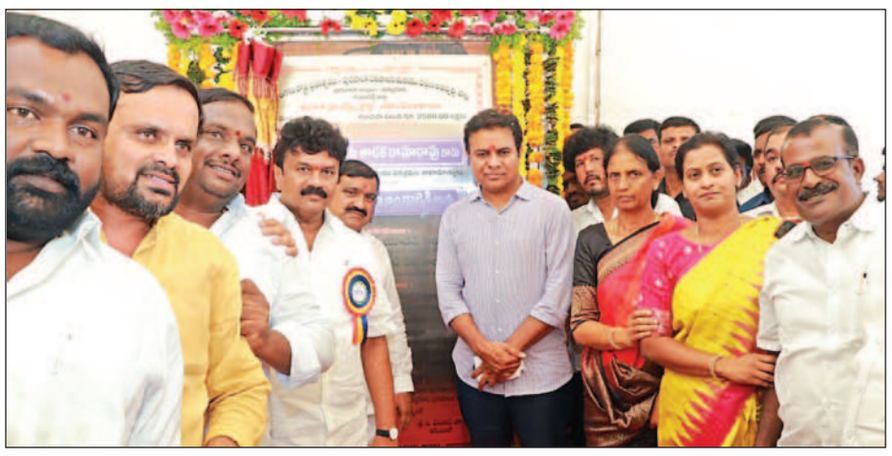

तेलंगाना में डेयरी, मत्स्य पालन और भेड़ पालन में बड़ी वृद्धि देखी गई : केटीआर

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने गुरुवार को कहा कि चाहे कृषि क्षेत्र की किस्मत को पुनर्जीवित करने का मामला हो या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की किस्मत का, तेलंगाना वहां जबरदस्त रूप से सफल हुआ है जहां केंद्र विफल रहा।

रंगारेड्डी जिले के राविरयाल में तेलंगाना विजया डेयरी के एक मेगा डेयरी प्लांट का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से वादा किया था कि उनकी आय 2022 तक दोगुनी हो जाएगी। कठोर वास्तविकता यह है कि भारत में कहीं भी किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई है। लेकिन राज्य सरकार के प्रयासों की बदौलत तेलंगाना एकमात्र अपवाद था। उन्होंने कहा कि जहां सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को केंद्र द्वारा बुरी तरह से निराश किया गया, वहीं राज्य सरकार हाथ पकड़कर उन्हें और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रही। विजया डेयरी, जिसे अतीत में पूर्ववर्ती शासकों द्वारा जानबूझकर उपेक्षित किया गया था, राज्य और डेयरी किसानों के समर्थन से एक बार फिर से फलने-फूलने लगी। राज्य सड़क परिवहन निगम सहित कई राज्य-स्वामित्व वाले उपक्रमों का भी यही हाल था, जिसका अंततः सरकार में विलय हो गया। राज्य में चल रही स्थिर श्वेत क्रांति का समर्थन करते हुए, विजया डेयरी तेलंगाना तेजी से अपना आधार बढ़ा रही थी।

इसका दूध संग्रह जो 2014 में 1.5 लाख लीटर के करीब था, अब 4 लाख लीटर से अधिक हो गया है। मेगा डेयरी की स्थापना 250 करोड़ रुपये की लागत से की गई थी। विजया डेयरी के विस्तार का मतलब डेयरी किसानों के लिए अधिक लाभ होगा। राज्य सरकार द्वारा दी गई प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए 4 रुपये प्रति लीटर का प्रोत्साहन लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिनी डेयरियों की अवधारणा भी तेजी से बढ़ रही है। राज्य में धान का उत्पादन, जो विभाजन के समय लगभग 68 लाख मीट्रिक टन था, में पिछले नौ वर्षों के दौरान अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। आज धान का वार्षिक उत्पादन 3.5 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक हुआ। इसी तरह राज्य सरकार के सहयोग से अंतर्देशीय मत्स्य पालन में भी क्रांति देखी गई। यह गतिविधि में शामिल समुदायों को काफी हद तक जोड़ रहा है। एक अन्य प्रमुख क्षेत्र जिसमें क्रांति देखी गई वह मांस उद्योग था। राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर 11,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके गोल्ला और कुरुमा समुदायों को शामिल करके भेड़ पालन का समर्थन किया था।

तेलंगाना में पीली क्रांति आने के लिए पूरी तरह तैयार थी और राज्य सरकार पाम तेल की खेती को भी बड़े पैमाने पर समर्थन दे रही थी। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और शिक्षा मंत्री पी सबिता इंद्रा रेड्डी भी शामिल हुए।

अब से किसी भी इलाज के लिए हैदराबाद जाने की जरूरत नहीं : हरीश राव

सिद्दीपेट, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त व स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा है कि 2016 में जिला बनने के बाद सरकारी अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 100 बिस्तरों से बढ़कर 1,000 बिस्तरों तक पहुंच गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेज सिद्दीपेट से जुड़े 1,000 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए गुरुवार को मंत्री ने कहा है कि इसका एहसास इसलिए हुआ क्योंकि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव मामलों के शीर्ष पर हैं। यह कहते हुए कि तेलंगाना बनने से पहले केवल डॉक्टरों और अमीर लोगों के बच्चे ही एमबीबीएस की पढ़ाई करते थे, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि दिहाड़ी मजदूरों के बच्चे भी तेलंगाना में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे थे क्योंकि राज्य ने मेडिकल कॉलेजों में कई गुना वृद्धि की है। चूंकि कॉलेज में 175 सीटें थीं, राव ने कहा है कि देश के विभिन्न हिस्सों से 25 छात्र यहां शामिल होंगे, जबकि बाकी सीटें केवल तेलंगाना के छात्रों के लिए सीमित हैं। उन्होंने कहा है कि दिल्ली के छात्रों के शामिल होने से यह पता चलेगा कि राज्य वास्तव में कितना बदल गया है। अब तक मरीजों को सुपर-स्पेशियलिटी इलाज के लिए गांधी और उस्मानिया अस्पताल जाना पड़ता था, हालांकि, राव ने कहा है कि इस तरह के इलाज के लिए हैदराबाद जाने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि सरकारी अस्पताल सिद्दीपेट में हर सुविधा होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि उन्होंने एक विशेष कैंसर ब्लॉक के निर्माण की नींव भी रखी है। अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए, राव ने कहा है कि अस्पताल में 40 बिस्तरों वाला डायलिसिस केंद्र, 15 ऑपरेशन थिएटर, 8 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, 100 आईसीयू बिस्तर, 30 बिस्तरों वाला आपातकालीन वार्ड और कई अन्य सुविधाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे जल्द ही 50 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी क्रिटिकल केयर ब्लॉक भी बनाएंगे।

तेलंगाना लोगों को डबल बेडरूम देने वाला एकमात्र राज्य : तलसानी

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि गरीब आदमी का अपना घर होने का सपना मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने पूरा किया है और तेलंगाना लोगों को डबल बेडरूम घर देने वाला एकमात्र राज्य है।

गुरुवार को मेडचल जिले के कोरेमुला में 720 लाभार्थियों को डबल बेडरूम घर वितरित करने के बाद बोलते हुए, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि पार्टियों की संबद्धता के बावजूद लोगों को घर वितरित किए जा रहे हैं और राज्य सरकार 10,000 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख डबल बेडरूम घर बना रही है। इससे पहले, तलसानी ने सिकंदराबाद छावनी निर्वाचन क्षेत्र में 200 लाभार्थियों को बीसी बंधु चेक सौंपे। मंत्री ने कहा कि केसीआर भारत में बीसी बंधु देने वाले एकमात्र मुख्यमंत्री हैं और उन्होंने बीसी समुदाय के लोगों से बीसी बंधु की सुविधा का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने लोगों से केसीआर सरकार का समर्थन करने को भी कहा जो हर तरह से बीसी के साथ खड़ी है।

भारतीय रेलवे में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में एससीआर शामिल : जीएम

महाप्रबंधक ने जेडआरयूसीसी बैठक में दी कई जानकारी

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 75वीं जोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) की बैठक रेलवे अधिकारी क्लब, सिकंदराबाद में दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। राज्य सरकारों द्वारा नामित सदस्यों सहित 31 जेडआरयूसीसी सदस्य, छह डिवीजनों के डीआरयूसीसी (डिविजनल रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति) से निर्वाचित सदस्य, उपभोक्ता संरक्षण संगठन, प्रधान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड ट्रेड एसोसिएशन, पंजीकृत यात्री संघ, पंजीकृत यात्री संघ, विशेष रुचि श्रेणी के अंतर्गत माननीय रेल मंत्री द्वारा नामित व्यक्तियों ने भी बैठक में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, अरुण कुमार जैन ने कहा कि एससीआर ने विभिन्न खंडों में असाधारण प्रदर्शन जारी रखा है, जिससे भारतीय रेलवे में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि जोन रेल यात्रियों की मांग के अनुसार अपनी रेल सेवाओं को लगातार दुरुस्त कर रहा है, जिससे एससीआर ने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 9,570 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अच्छा सकल मूल राजस्व दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान जहां 135 मिलियन मूल यात्रियों की परिवहन आवश्यकताओं को पूरा किया गया, वहीं 66.75 मिलियन टन मूल माल ढुलाई भी की गई। महाप्रबंधक ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि 9 महीने की छोटी अवधि के भीतर, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों को जोड़ने वाली 04 जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की गई। इन सभी ट्रेनों को रेल उपयोगकर्ताओं द्वारा 1007 से अधिक संरक्षण के साथ चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसी तरह, लोकप्रिय एमएमटीएस सेवाओं को सिकंदराबाद-मेडचल और फलकनुमा-उम्दानगर के नए खंडों तक विस्तारित किया गया है।

महाप्रबंधक ने यह भी बताया कि जोन बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पिछला साल इस बात का गवाह है कि जोन ने अपने रेल नेटवर्क में अब तक का सबसे अच्छा ट्रैक किलोमीटर जोड़ा है और एक वित्तीय वर्ष में अब तक का सबसे अधिक विद्युतीकरण भी दर्ज किया है। हाल ही में हमारे माननीय प्रधान मंत्री ने मनोहराबाद-सिद्दीपेट, जैकलेयर-कृष्णा के बीच नई रेलवे लाइनें और धर्माबाद-मनोहराबाद और महबूबनगर-कुर्नूल के बीच विद्युतीकरण को समर्पित किया। उन्होंने कहा, नए खंडों में नई रेल सेवाएं भी शुरू की गई हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि चालू वर्ष में, एससीआर के रेल नेटवर्क में 110 ट्रैक किलोमीटर जोड़े गए हैं। साथ ही, जोन अपने रेल नेटवर्क के 1007 विद्युतीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसके इस वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है।

अरुण कुमार जैन ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत एससीआर पर 106 स्टेशनों को पुनर्विकास के लिए लिया गया है।

उन्होंने कहा कि इन स्टेशनों को दीर्घकालिक दृष्टि से विकसित किया जा रहा है और इनमें विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एससीआर के नेटवर्क में कई यात्री सुविधाएं लगातार शुरू की जा रही हैं। अब तक, रेल यात्रियों के लाभ के लिए 57 स्टेशनों पर 142 लिफ्ट और 22 स्टेशनों पर 72 एस्केलेटर चालू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी रेलवे स्टेशनों (हॉल्ट को छोड़कर) पर मुफ्त वाई-फाई सुविधा, जोन पर कैशलेस भुगतान और टिकटिंग सुविधाओं के प्रावधान के साथ डिजिटल इंडिया मिशन को बड़ा बढ़ावा दिया गया है। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने कहा कि डिजिटल माध्यम से टिकट खरीदने वाले यात्रियों की संख्या के मामले में एससीआर भारतीय रेलवे में अग्रणी है। उन्होंने कहा, एससीआर ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने में अग्रणी रहा है, जिसके लिए राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर कई पुरस्कार लगातार जोन को प्रदान किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत निवारण तंत्र -"रेल मदद"-जोन पर सफलतापूर्वक काम कर रहा है, जिससे यात्रियों की शिकायतों को त्वरित, त्वरित और आसान तरीके से संबोधित करने में मदद मिल रही है, साथ ही यह यात्रियों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने का एक प्रभावी तरीका भी साबित हो रहा है।

श्री जैन ने जेडआरयूसीसी सदस्यों को आश्वासन दिया कि यात्री सुविधाओं और सेवाओं में सुधार के लिए नई योजनाओं और प्रस्ताव तैयार करते समय उनके द्वारा दिए गए सुझावों और चर्चाओं पर उचित ध्यान दिया जाएगा। सदस्यों ने एससीआर के प्रयासों और सदस्यों के अभ्यावेदन पर इसकी सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की।

हैदराबाद कस्टम ने तस्करी का 3.7 किलोग्राम सोना जब्त किया

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीमा शुल्क ने गुरुवार को कहा कि उसने यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 2.19 करोड़ रुपये मूल्य का 3.7 किलोग्राम से अधिक तस्करी का सोना और 16.46 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की है।

विशिष्ट इनपुट और प्रोफाइलिंग के आधार पर ऑपरेशन की एक श्रृंखला में, हवाई अड्डे पर हैदराबाद सीमा शुल्क अधिकारियों ने छह यात्रियों को रोका और सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत बुधवार और गुरुवार को कुल 3.734 किलोग्राम तस्करी का सोना और 16.46 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त की। सीमा शुल्क विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है। इसमें कहा गया है कि दुबई से यहां पहुंचे अलग-अलग यात्रियों से अलग-अलग मामलों में पतलून और अंडरगारमेंट्स में छिपाकर रखा गया पेस्ट के रूप में सोना और चेन के रूप में सोना बरामद किया गया। शारजाह से उड़ान की एक सीट का पिछला हिस्सा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक अन्य मामले में, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, एक यात्री, जो बहरीन की यात्रा करने वाला था, को बुधवार को रोक लिया गया और बिना घोषणा के 20,000 अमेरिकी डॉलर यानी 16.46 लाख रुपये जब्त कर लिए गए। इसमें कहा गया है कि आगे की जांच प्रगति पर है।

चोर बताए जाने पर किशोर ने आत्महत्या कर ली

मंचेरियल, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार शाम को नेन्नल मंडल के जोगापुर गांव में एक छात्रावास के निवासियों द्वारा कथित तौर पर मारपीट किए जाने और चोर बताए जाने के बाद एक 19 वर्षीय छात्र ने कीटनाशक खाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

नेनल सब-इंस्पेक्टर पी. श्याम पटेल ने कहा कि जोगापुर के निवासी कमेरा प्रभास ने के. अंजना, के. हरिकृष्णा, बैरी साई कुमार, बी. साई कुमार और नेरेला प्रणीत कुमार द्वारा पीटे जाने से निराश होकर यह कठोर कदम उठाया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

राज्यपाल ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजभवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने राज्य एमसी सदस्य, राजभवन तेलंगाना और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (तेलंगाना राज्य शाखा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित जिला अध्यक्षों के सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन के दौरान कई आवश्यक पहलों और प्राथमिकताओं पर जोर दिया गया।

डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने सीपीआर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रयासों की सराहना की और इस जीवन रक्षक तकनीक में जनता को प्रशिक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने संगठन को पूर्व छात्र संघों, उनके योगदान और शैक्षणिक संस्थानों पर इन निधियों के प्रभाव से संबंधित डेटा संकलित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। राज्यपाल के अनुसार, शिक्षा राज्य के भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश है, और उन्होंने बेहतर शैक्षिक अवसरों की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, डॉ. सुंदरराजन ने स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच में सुधार के लक्ष्य के साथ, पूरे तेलंगाना में हर 50 किलोमीटर पर ब्लड बैंकों की स्थापना की वकालत की। अपने भाषण में, उन्होंने सभी तेलंगाना निवासियों के लिए सीपीआर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और रेड क्रॉस सोसाइटी से स्थानीय संस्कृति के साथ जुड़ने और विरासत स्थलों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने संगठन के काम की सराहना की और इसे देश के बाकी हिस्सों के लिए एक रोल मॉडल के रूप में काम करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने अधिकांश तेलंगाना जिलों के अनुकरणीय कार्यों को स्वीकार किया और आशा व्यक्त की कि उन्हें भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा मान्यता दी जाएगी। उन्होंने आईआरसीएस सदस्यता, सीपीआर प्रशिक्षण और राज्य भर में जेनेरिक दवा की दुकानों की उपलब्धता में प्रगति पर भी ध्यान दिया।

सम्मेलन के दौरान मनदीप चैरिटेबल ट्रस्ट ने राज्यपाल के हाथों डिग्री छात्रों को तीन लैपटॉप वितरित किये। राज्य भर से जिला अध्यक्षों और राज्य एमसी सदस्यों ने सम्मेलन में भाग लिया और बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

प्रथम पुण्यतिथि
हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती अणसीबाई गेहलोत
धर्मपत्नी: स्व.श्री तुलसारामजी गेहलोत (मरुधर मे मुकनपूरा (राज.))
स्वर्गवास: 06.10.2022
हृदय की गहराईयों से श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम। आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम।।
: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : अचलाराम-अणसीबाई, खिमाराम-कंकूबाई (पुत्र-पुत्रवधु), पोनीबाई-वजारामजी परिहार, प्यारीबाई-स्व.सेरारामजी राठौड़, सोनीबाई-स्व.नगारामजी राठौड़ (पुत्री-दामाद), मुकेश-संजू (पौत्र-पौत्रवधु), सीमा-दिनेशजी सोलंकी, पिंकी-मोहनलालजी सोयल (पौत्री-दामाद), तरुण, वर्षा, भूमिका (पौत्र-पौत्री), विहान, स्नेहा (पड़पौत्र-पड़पौत्री)
एवं समस्त गेहलोत परिवार
: फर्म :
विजयलक्ष्मी किराणा स्टोर घटकेसर
9848206664, 9549209525
P.Solankey

शी टीमों ने गणेश पंडालों में महिलाओं को परेशान करने वाले 488 बदमाशों को पकड़ा

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस की एसएचई टीमों ने आज कहा कि गणेश पंडालों और अंतिम दिन विसर्जन के दौरान महिलाओं को छेड़ने और परेशान करते हुए 488 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया। हैदराबाद शहर की महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों के साथ-साथ पारगमन के दौरान सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए, शी टीमें मुफ्ती में काम करती हैं और नियमित रूप से भीड़-भाड़ वाले और अनुसूचित क्षेत्रों में घूमती हैं जहां महिलाओं के उत्पीड़न या छेड़छाड़ की संभावना होती है। जहां भी इस तरह का उत्पीड़न या छेड़छाड़ देखी जाती है, उत्तरदाताओं को वीडियो साक्ष्य के साथ पकड़ा जाता है और दोषियों के खिलाफ प्रासंगिक मामले दर्ज किए जाते हैं। गणेश उत्सव के दौरान गणेश पंडालों और कतारबद्ध लाइनों के पास गणेश पंडालों और अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण करने के लिए तैनात की गई टीमों ने वीडियो साक्ष्य के साथ ऐसे लोगों को रंगे हाथों पकड़ा, जो अश्लील हरकतें कर रहे थे, महिलाओं को अनुचित तरीके से छू रहे थे या उनका पीछा कर रहे थे। 18 से 28 सितंबर तक गणेश उत्सव के दौरान, शी टीमों ने वीडियो साक्ष्य के साथ बड़ा गणेश, एनटीआर मार्ग, टैंक बांध, खैरताबाद में 488 उपद्रवियों को रंगे हाथों पकड़ा। जब महिलाएं मूर्तियों के विसर्जन और भक्ति गतिविधियों में शामिल थीं, कतारों और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर घूम रही थीं, तो शरारती तत्व स्थिति का फायदा उठा रहे थे और अनुचित कृत्यों में शामिल हो रहे थे। बदमाश ऑटो चालक, निजी कर्मचारी और यहां तक कि सरकारी कर्मचारी भी महिलाओं को गलत तरीके से छूकर, भद्दे कमेंट और इशारे करके उन्हें शर्मिंदा कर रहे थे। 488 मामलों में से, 122 छोटे मामले दर्ज किए गए और अदालत के समक्ष पेश किए गए, जहां संबंधित मजिस्ट्रेट द्वारा आरोपियों को दोषी ठहराया गया और छह दिन और तीन दिन की सजा सुनाई गई और 111 मामलों में आरोपियों को चेतावनी दी गई और सलाह दी गई। अभी भी 255 मामले कोर्ट में पेशी के लिए लंबित हैं। शी टीमें एक कॉल या क्लिक दूर हैं। उत्पीड़न या छेड़छाड़ से संबंधित कोई भी शिकायत हैदराबाद सिटी पुलिस के व्हाट्सएप नंबर, 9490616555 और आपातकालीन स्थिति में डायल 100 पर साझा की जा सकती है।

pfrda पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण
PENSION FUND REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण
बी -14/ए, छत्रपति शिवाजी भवन, कुतुब संस्थागत क्षेत्र,
कटवारिया सराय, नई दिल्ली – 110 016.

रिक्ति अधिसूचना

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (एनपीएस न्यास), नई दिल्ली में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में तीन (03) वर्षों की प्रारंभिक अवधि के लिए, जिसे दो (02) वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है, अनुबंध/प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियोजन/ नियुक्ति के लिए, भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पात्रता मानदंड, चयन की पद्धति, परिलब्धियां और आवेदन पत्र आदि का विवरण पीएफआरडीए की वेबसाइट www.pfrda.org.in के साथ-साथ एनपीएस न्यास की वेबसाइट www.npstrust.org.in और राष्ट्रीय करियर सेवा की वेबसाइट www.ncs.gov.in पर भी उपलब्ध है।

इस रिक्ति अधिसूचना से संबंधित शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/सूचना (यदि कोई हो, तो वे), केवल पीएफआरडीए/एनपीएस न्यास की वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 9 नवंबर, 2023 (गुरुवार) है।

कृपया पीएफआरडीए द्वारा विनियमित और प्रशासित योजनाओं की पूरी जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.pfrda.org.in पर जाएं या क्यूआर कोड स्कैन करें।

हस्ता./-
मुख्य महाप्रबंधक
(मानव संसाधन विभाग)

cbc 15102/12/0006/2324

'गोहत्या' मामले में वांछित दो बदमाश मोटरसाइकिल से भाग रहे थे, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

मेरठ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में दो बदमाश पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गये। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के पास से दो देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किये गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि 'गोहत्या' मामले में वांछित दो बदमाश मोटरसाइकिल से इंचौली-खरदौनी मार्ग से गुजरेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को संदेह के आधार पर रुकने का इशारा किया, लेकिन उन्होंने पुलिस पर गोलियां चला दीं। एसएसपी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गई और गिरफ्तार करने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विपक्ष के जातिगत जनगणना के मुद्दे को लेकर

बीजेपी इस तरह से करेगी काउंटर, बनाई बड़ी रणनीति

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। जब से बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना की रिपोर्ट पेश की है, तभी से सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस समाजवादी पार्टी समेत इंडिया गठबंधन पूरे देश में जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी को घेर रहे हैं। जातिगत जनगणना की इस राजनीति से यूपी भी अलग नहीं है। यूपी में भी सपा-बसपा और कांग्रेस, जातिगत जनगणना को चुनावी मुद्दा बनाने के लिए लगातार रणनीतियां बना रही हैं। सियासी जानकारों की माने तो आने वाले 2024 के चुनाव में ये मुद्दा भाजपा को मुश्किलों में डाल सकता है। इस बीच भाजपा ने भी इस मुद्दे का कटान खोजना शुरू कर दिया है। भाजपा सरकार ने विपक्ष के इस सियासी हथियार

की काट खोजनी शुरू कर दी है।

भाजपा के पास हैं ये सियासी हथियार

उत्तर प्रदेश में जातिगत जनगणना के मुद्दे की काट के तौर पर बीजेपी गरीब कल्याण के एजेंडे को रफ्तार देते हुए आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा अगले साल जनवरी में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन के साथ ही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे पर भी बीजेपी आगे बढ़ती हुई नजर आ रही है। दरअसल बिहार में हुए जातिगत जनगणना के प्रयोग ने वहां का राजनीतिक परिदृश्य बदला है। इस रिपोर्ट में पिछड़ों की बढ़ती संख्या सीधे तौर पर वहां के सियासी दलों को फायदा पहुंचाती नजर आ रही है।

सपा भी कर रही जातीय जनगणना की मांग

उत्तर प्रदेश से अगर बात की जाए तो समाजवादी पार्टी मुखर होकर जाति जनगणना की बात करती रही है। सपा ने अपने घोषणा पत्र में भी इसको जगह दी है। दूसरी तरफ बसपा प्रमुख मायावती भी इस मुद्दे को लेकर मुखर हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस भी पूरे देश में जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग कर रही है।

भाजपा के सहयोगी दल भी कर रहे मांग

दूसरी तरफ जातिगत जनगणना के मुद्दे पर भाजपा के सहयोगी दल भी विपक्ष के साथ सुर से सुर मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। निषाद पार्टी के संजय निषाद, सुभाषपा अध्यक्ष ओपी राजभर और अपना दल प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने भी जातिगत जनगणना कराए जाने की मांग की है। अगले साल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में यह मुद्दा सियासी पारा बढ़ा सकता है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर काफी सोच-विचार कर कदम बढ़ा रही है।

गरीब कल्याण पर है भाजपा का फोकस

जातिगत जनगणना के मुद्दे की काट करने के लिए भाजपा आने वाले दिनों में गरीब कल्याण के एजेंडे पर और ज्यादा काम करती हुई नजर आएगी। सरकार इसके माध्यम से दलितों-पिछड़ों में अपनी पैठ को और मजबूत करेगी। इसी के साथ भाजपा बड़े स्तर पर राज्य में दलित सम्मेलन करवाने की भी तैयारी कर रही है।

हिंदुत्व की भावना का सहारा भी लेगी पार्टी

इसके साथ ही भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व की भावना का भी सहारा लेगी। भाजपा, पिछड़ों और दलित जातियों को हिंदुत्व के सूत्र में बांधने का काम करेगी। राम मंदिर के भव्य निर्माण और उद्घाटन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। भाजपा पूरी गंभीरता के साथ जातिगत जनगणना के मुद्दे की काट करने के लिए रणनीतियां बना रही हैं। अब देखना ये होगा कि भाजपा अपनी योजना में कितनी सफल होती है।

अचानक सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करने पहुंचे आनंद मोहन

इस चर्चित मुद्दे पर की बात और कर दी यह मांग

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है। गुरुवार को अचानक वह सीएम आवास पहुंचे। यहां उन्होंने सीएम से मुलाकात की।

राजनीतिक सूत्रों की मानें तो जाति आधारित गणना को लेकर आनंद मोहन ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है। आनंद मोहन का मानना है कि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना करवा कर अच्छा काम किया है लेकिन जो रिपोर्ट जारी की गई है, उसमें कुछ त्रुटि है, इसमें सुधार की आवश्यकता है।

इसी मुद्दे को लेकर आनंद मोहन ने सीएम नीतीश कुमार मुलाकात की। सूत्रों की मानें तो आनंद मोहन ने जाति आधारित गणना की रिपोर्ट में आई त्रुटियों में सुधार लाने की मांग सीएम नीतीश कुमार से की है।

जो गरीब ये आज उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी है

आनंद मोहन ने कहा कि1931 की गणना के बाद आज के सामाजिक परिदृश्य में काफी कुछ बदल गया है। जो तब गरीब थे आज उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी है। और जो जमींदार थे, उनमें से कई लोगों की हालत खराब हो गई है। सीएम नीतीश कुमार से मिलकर सारी मुख्य बातों से उन्हें अवगत करवाऊंगा।

कोर्ट में पेश नहीं हुईं एक्ट्रेस जयाप्रदा, वारंट जारी

मुरादाबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री और पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ मुरादाबाद की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने एक बार फिर जमानती वारंट जारी किए हैं। जयप्रदा लगातार अदालत से गैर हाजिर चल रही हैं। उन्हें आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में बयान दर्ज कराने हैं, लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हो रही है। इसलिए एक बार फिर अदालत ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी करते हुए उन्हें 11 अक्टूबर को अदालत में हाजिर होने के आदेश दिए हैं। दरअसल, ये पूरा मामला साल 2019 का है जब लोकसभा

चुनाव के बाद मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके में सपा कार्यकर्ताओं ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। जिसमें सपा नेता आजम खान सहित कई सपा नेता शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में सपा नेता आजम खान का स्वागत किया गया था और कार्यक्रम में डॉक्टर एस टी हसन ने जयाप्रदा पर कथित आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए टिप्पणी की थी।

जयाप्रदा की तरफ से किया गया था केस

इसके बाद जयाप्रदा के निजी सचिव मुस्तफा हुसैन ने सपा सांसद एसटी हसन, सपा नेता आजम खान, सपा नेता अब्दुल्लाह आजम और कार्यक्रम के संयोजक आरिज मियां के खिलाफ कटघर थाने में अभद्र टिप्पणी का केस दर्ज कराया था। इसी मामले में पीड़िता अभिनेत्री जयाप्रदा कोर्ट के आदेश के बाद भी कई बार कोर्ट में पेश नहीं हुई।

कोर्ट ने 11 अक्टूबर को पेश होने के दिए आदेश

कोर्ट ने उन्हें 4 अक्टूबर को पेश होने के आदेश दिए थे, लेकिन जयाप्रदा बुधवार को भी किसी कारणवश न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हो सकीं। जिसके बाद अदालत ने वारंट जारी कर 11 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने के आदेश जारी किए हैं। अब जयाप्रदा को 11 अक्टूबर को अदालत में पेश होकर इस मामले में अपने बयान दर्ज करने हैं।

मयूर ग्रुप के 35 प्रतिष्ठानों पर आयकर का छापा, डेढ़ सौ से अधिक अफसरों की एक साथ कार्रवाई

कानपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में आयकर विभाग ने गुरुवार सुबह तड़के मयूर ग्रुप के 35 ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। करीब डेढ़ सौ से अधिक आयकर अफसरों ने कानपुर के सिविल लाइन, शक्करपट्टी समेत 20 और मध्य प्रदेश के 15 प्रतिष्ठानों पर एक साथ कार्रवाई की। कानपुर स्थित आवास ,कार्पोरेट कार्यालय ,फैक्टरी में कार्रवाई की गई। सुबह छह बजे से कार्रवाई जारी है। बता दें कि मयूर ग्रुप वनस्पति तेल, फूड आइटम्स और पैकेजिंग का काम करते हैं।

संजय गांधी अस्पताल के निलंबन पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस निलंबन पर बुधवार को रोक लगा दी। इससे अस्पताल के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति मनीष कुमार की खंडपीठ ने कहा कि अस्पताल के खिलाफ जांच जारी रहेगी। पीठ ने राज्य सरकार को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को भी कहा। यह आदेश अस्पताल प्रबंधन की ओर से मुख्य संचालन अधिकारी अवधेश शर्मा द्वारा दायर याचिका पर दिया। इसमें लाइसेंस निलंबन को चुनौती दी गई थी। अस्पताल प्रबंधन के वरिष्ठ वकील जयदीप नारायण माथुर ने बताया कि एक महिला की मौत के मामले में अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। ऐसे में 40 साल से चल रहे अस्पताल का संचालन रुक गया, जिससे दूरदराज इलाके के लोगों को इलाज की समस्या हो रही थी।हाईकोर्ट ने व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने के आदेश के अमल पर रोक लगा दी। हालांकि मामले की जांच चलती रहेगी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मामले में जवाब दाखिल करने का समय भी दिया है। वहीं, अमेठी के सीएमओ को भी कुछ ऐसे सुझाव पेश करने के लिए कहा, जिससे भविष्य में चिकित्सा में लापरवाही से महिला की मौत जैसी घटना न हो।ज्ञात हो कि अस्पताल में ऑपरेशन के बाद दिव्या शुक्ला नामक एक मरीज की मौत के अगले दिन 17 सितंबर से इस अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था और उसकी सेवाएं बंद कर दी गई थीं। लाइसेंस निलंबन के विरोध में कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ता अस्पताल कर्मचारियों के साथ लगातार धरना दे रहे थे। भाजपा नेता वरुण गांधी ने भी अपने पिता के नाम पर चलने वाले अस्पताल का लाइसेंस निलंबित किए जाने पर नाराजगी जताई थी।

दो मौसेरी बहनों को एक दूसरे से हुआ प्यार

पुलिस के समझाने के बाद भी समलैंगिक विवाह पर अड़ीं

फर्रूखाबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद की मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र से असमंजस भरा मामला सामने आया है। खबर है कि ताजपुर क्षेत्र की निवासी दो मौसेरी बहनों को एक दूसरे से प्यार हो गया और वह अब समलैंगिक विवाह करने पर अड़ गई हैं। परिजनों ने दोनों को समझाने का काफी प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी। हालात तो यहां तक पहुंच गए कि एक युवती ने पुलिस को मौके पर बुला लिया। सूचना मिलने पर ताजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने दोनों से बातचीत करने के बाद दोनों परिवारों के लोगों से जानकारी ली। इसके बाद पुलिस व परिजनों द्वारा कई घंटे समझाने के बाद भी मौसेरी बहनें एक दूसरे से शादी करने की बात पर अड़ी रहीं। दरअसल, फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र की निवासी दो मौसेरी बहनें आपस में शादी करने की जिद पर अड़ गईं। परिजनों के विरोध करने पर एक बहन ने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। पुलिस के समझाने पर भी जब दोनों बहनें नहीं मानी तो पुलिस दोनों को मोहम्दाबाद कोतवाली ले आई। जानकारी मिली है कि एक युवती की उम्र 31 साल है जिसे दूसरे गांव की निवासी 26 साल की मौसेरी बहन से पांच साल पहले प्यार हो गया था। लेकिन दोनों बहनों के प्यार के बारे में परिजन अंजान बने रहे। मगर फिर अचानक एक दिन दोनों मौसेरी बहनें आपस में शादी करने की जिद्द को लेकर परिजनों के सामने अड़ गईं। जब दोनों शादी की जिद पर अड़ गईं तो परिजनों ने दोनों को समझाकर समलैंगिक विवाह करने का विरोध किया। इस पर एक युवती ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलने पर ताजपुर चौकी इंचार्ज सुनील सिसौदिया मौके पर पहुंचे और उन्होंने दोनों से बातचीत करने के बाद दोनों परिवारों के लोगों से जानकारी ली। पुलिस व परिजनों के कई घंटे समझाने के बाद भी मौसेरी बहनें एक साथ शादी करने की बात पर अड़ी रहीं। इसके बाद पुलिस दोनों बहनों को कोतवाली ले गई। इस दौरान उनकी भाभी ने भी समझाने का प्रयास किया,

युवती को जीजा के साथ शराब पीना पड़ा मंहगा, दोस्तों के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म

इटावा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा युवती को जीजा के साथ जाम से जाम लड़ना महंगा पड़ गया। जब जीजा ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर नशे की हालत में सामूहिक दुष्कर्म किया। शराब का नशा उतारने के बाद युवती को होश आया। थाना पहुंचकर जीजा सहित पांच दोस्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बसरेहर थाना क्षेत्र के गांव की है। चौबिया थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 30 वर्षीय युवती के साथ यह घटना हुई है। जो अपनी बहन की ससुराल बसरेहर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव गई थी।

सरकार बोली- भाजपा सांसद और विधायक झूठ बोल रहे

दोनों के घर जाकर लिया गया था विवरण

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने आरोप लगाया था कि जाति आधारित गणना करने वाली टीम ने उनके परिवार का सर्वे नहीं किया है। और, न ही उनका हस्ताक्षर लिया है। दोनों भाजपा नेताओं ने जाति आधारित गणना के रिपोर्ट में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया था। अब बिहार सरकार की ओर से इस पर जवाब आया है। सरकार का कहना है पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं वह गलत और झूठे हैं।

जिला प्रशासन ने कहा- घर जाकर विहित प्रपत्र में गणना की गई है

पटना जिला प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई है कि यह आरोप लगाया गया है कि एक सांसद और नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा के परिवार की जाति आधारित गणना नहीं गई है। इस संबंध में निदेशानुसार यह स्पष्ट किया जाता है कि उनके क्षेत्र के प्रगणक द्वारा सांसद और नेता, प्रतिपक्ष के घर जाकर विहित प्रपत्र में गणना की गई है। सभी सूचनाओं के साथ गणना प्रपत्र उपलब्ध है। दिशा-निदेशों के अनुसार व्यक्तिगत सूचना की गोपनीयता की शर्त के कारण उक्त गणना से संबंधित जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

जातीय गणना की रिपोर्ट के आंकड़ों में फर्जीवाड़ा किया गया

दरअसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब सीट से भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने भाजपा कार्यालय मीडिया से बातचीत के दौरान जातीय गणना की रिपोर्ट के आंकड़ों में फर्जीवाड़ा किया गया है।

उनके घर जनगणना के लिए एक टीम आई थी,लेकिन वह गेट से वापस चली गई। यहां तक कि गणना करने वाले ने न उनसे मुलाकात की और न ही उनका हस्ताक्षर नहीं लिया। वह पटना साहिब के सांसद हैं। जब उनके साथ ऐसा हुआ है तो बिहार के अन्य लाखों लोगों के साथ इसी तरह का फर्जीवाड़ा हुआ होगा। रविशंकर प्रसाद ने दावा किया कि जाति गणना में बिना सभी लोगों से मिले रिपोर्ट बना दी गई और कई जातियों की संख्या को कम बता दिया है।

कानपुर में शौर्य यात्रा के पोस्टर लगाने को लेकर सांप्रदायिक तनाव, पुलिस फोर्स-पीएसी तैनात

कानपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मर्दनपुर में शौर्य यात्रा के पोस्टर लगाने को लेकर बुधवार शाम सांप्रदायिक तनाव हो गया। दोनों पक्ष एक दूसरे पर डंडे, चापड़, चाकू आदि से हमला करने लगे। दोनों पक्षों के महिला समेत चार लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही बजरंग दल कार्यकर्ता पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ चौकी का घेराव कर हंगामा किया। आरोपितों की तुरंत गिरफ्तारी को लेकर कार्यकर्ताओं की पुलिसकर्मियों से बहस भी हुई। मौके पर पहुंचे डीसीपी दक्षिण, एडीसीपी समेत अधिकारियों ने लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया

बढ़ सकती है यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें, अन्याय प्रतिकार यात्रा मामले में चलेगा मुकदमा

वाराणसी, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। आठ वर्ष पुराने अन्याय प्रतिकार यात्रा मामले में अब सिर्फ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ मुकदमा चलेगा। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने अन्य 81 आरोपितों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने का आदेश दिया। इनके खिलाफ लंबित मुकदमे को प्रदेश सरकार ने वापस लेने के निर्णय की जानकारी कोर्ट को देते हुए अभियोजन पक्ष ने इस बाबत अपील की थी।

गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर निकाली गई थी प्रतिकार यात्रा

अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी विनय कुमार सिंह ने प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि उक्त मामले में ज्यादातर आरोपित संत, महात्मा व उनके अनुयायी हैं। गणेश प्रतिमा के विसर्जन की मांग को लेकर धर्मयात्रा व अन्याय प्रतिकार यात्रा निकाली गई थी। किसी भी साक्षी ने विशेष तौर पर किसी संत, महात्मा,

साधु, संन्यासी अथवा उनके अनुयायियों द्वारा घटना कारित करने का उल्लेख नहीं किया है। इसलिए आरोपित साधु-संन्यासियों व उनके अनुयायियों के विरुद्ध मुकदमा वापस लिया जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत है। अजय राय घटना के समय विधायक थे और पूर्व में उनका आपराधिक इतिहास रहा है।

यह था मामला

गंगा में प्रतिमा विसर्जन पर हाई कोर्ट के रोक के आदेश के अनुपालन में जिला प्रशासन ने काशी मराठा गणेशोत्सव समिति की प्रतिमा का विसर्जन नहीं होने दिया। 22 सितंबर 2015 को इसके विरोध में गोदौलिया चौराहे पर शिष्यों संग धरना दे रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को हटाने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया। इसके विरोध में पांच अक्टूबर 2015 को अन्याय प्रतिकार यात्रा निकाली गई थी। शाम पांच बजे के आसपास गोदौलिया चौराहे पर भगदड़ मच गई। उपद्रवियों ने मजिस्ट्रेट की जीप, फायर ब्रिगेड की गाड़ी, पुलिस वैन, दो दर्जन से अधिक बाइक आग के हवाले कर दी। पुलिस ने अदालत में 82 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, अजय राय ने कहा कि अन्याय प्रतिकार यात्रा मामले में 82 आरोपितों में 81 को दोष मुक्त किया जा रहा है। सिर्फ हमें छोड़कर। यह राजनीतिक द्वेष है। साधु-संतों के आह्वान पर प्रतिकार यात्रा निकाली गई थी। भाजपा के कई नेता शामिल थे। सरकार हमारी आवाज दबाना चाहती है, लेकिन हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

योगी सरकार के ऐतिहासिक कदम से प्रदेश के 6.49 लाख श्रमिकों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश के श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। अहम बात यह है कि इस बार प्रदेश की सरकार ने ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दरअसल ग्रामीण क्षेत्रों में जिस तरह से श्रमिक पलायन करते हैं और शहरी क्षेत्र में रोजगार की तलाश करते हैं उसकी वजह से शहरों पर काफी दबाव बढ़ता है। ऐसे में अब सरकार ने ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों को उनके ही क्षेत्र में रोजगार देने का फैसला लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार का सहकारिता विभाग इस

दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। गांव के कुशल और अकुशल लोगों को सहरकारिता विभाग आने वाले समय में रोजगार मुहैया कराएगा। प्रदेश के गांवों की बात करें तो यहां पैक्सो लेबर क्लब में 6.49 लाख श्रमिकों को जोड़ा जा चुका है। इन लोगों को गांव में चल रहे जल जीवन मिशन में काम करने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही सरकार की ओर से जो अन्य परियोजनाएं चल रही हैं उसमे भी इन श्रमिकों को काम करने का अवसर मुहैया कराया जाएगा। सरकार की ओर से पहली बार प्रारंभिक कृषि ऋण समितियों यानि पैक्स की सदस्यता श्रमिकों को दी गई है। सरकार के इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है। पैक्स से जुड़े श्रमिकों को अलग-अलग विभाग द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं में काम करने का मौका मिलेगा।

अहम बात यह है कि इस क्लब के सभी सदस्यों को श्रम विभाग की सभी योजनाओं का लाभ इन श्रमिकों को मिलेगा। पैक्स की सदस्यता का अभियान सितंबर माह में चलाया गया था। इसमे कुल 27.13 लाख नए सदस्य जोड़े गए थे। इसमे सबसे अधिक संख्या किसानों की है। ये किसान पैक्स के जरिए कृषि से जुड़ी खाद, बीज, कीटनाशक सहित अन्य सेवाओं का आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। यूपीसीबी के प्रबंध निदेशक आरके कुलश्रेष्ठ ने बताया कि सितंबर माह में प्रदेश में 7338 पैक्सों से किसानों और श्रमिकों को जोड़ने के लिए अभियान चलाया गया था। इस अभियान के दौरान कुल 190350 कुशल श्रमिक और 458620 अकुशल श्रमिकों को पैक्सों के साथ जोड़ा गया है। सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर का कहना है कि सहकारिता विभाग ने पहली बार श्रमिकों को पैक्स की सदस्यता देने का काम किया है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि श्रमिकों को हमेशा काम मिलता रहेगा। हम जल्द ही जिला स्तर पर भी लेबर फेडरेशन की शुरुआत करेंगे।

निकाह के 2 महीने बाद शौहर ने गर्भवती पत्नी के साथ वो-वो किया, जिसे जानकर आप भी भड़क जाएंगे

बांदा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दहेज के बाद अब तीन तलाक के खिलाफ भी केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने सख्त कानून बना दिया है। मगर फिर भी दहेज और तीन तलाक के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला यूपी के हरदोई से सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी के साथ कुछ ऐसा किया, जिसे जान कर आपको भी गुस्सा आ जाएगा। यहां एक पत्नी ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि निकाह के सिर्फ 2 महीने बाद ही पति उसे उसके मायके छोड़ आया। इसके बाद पति ने उसे फोन करके गर्भपात करवाने के लिए कहा। मगर जब पीड़िता ने गर्भपात करवाने से मना कर दिया तो आरोपी पति ने उसे फोन पर ही तीन तलाक दे दिया। पीड़िता का कहना है कि ससुराल वालों ने उसे निकाह के 2 महीने के अंदर ही दहेज के लिए परेशान करना शुरू कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, थाना हरियावा की उमरसेड़ा गांव की रहने वाली युवती की शादी इसी साल 24 अप्रैल को पिहानी कस्बे के मोहल्ला लोहानी के रहने वाले दानिश के साथ हुई थी। शादी में परिवार के लोगों ने अपनी हैसियत के हिसाब से दहेज भी दिया था। पीड़िता का आरोप है कि दो माह तक वह ससुराल में रही। उसके बाद उसके पति, ससुर, सास और ननद ने दहेज में सोने की चेन और नगद रुपए की मांग करनी शुरू कर दी। जब उनकी दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो उन सभी ने पड़िता को परेशान करना शुरू कर दिया। पीड़िता के मुताबिक, उसने अपने पिता को मामले की जानकारी दी। पीड़िता के पिता भी बेटी के ससुराल पहुंचे और पति-ससुर से बात की और उन्हें समझाया। पीड़िता के मुताबिक, कुछ दिन बाद 9 जुलाई को पति दानिश ने उसे उसके मायके छोड़ दिया। पति ने कहा कि जब तक दहेज की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वह उसे लेने नहीं आएगा। ये सुनते ही महिला ने मामले की शिकायत पुलिस के पास की। ये बात ससुराल वालों को पता चल गई तो वह और नाराज हो गए।

'नाबालिग हिन्दू बच्ची का किडनैप और जबरन धर्मांतरण

, जो पाकिस्तान में होता था, अब बंगाल में भी होने लगा, आरोपी असीबुर रहमान फरार

कोलकाता, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले से अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक नाबालिग हिंदू लड़की (15 वर्ष) का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया है। पीड़ित परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बावजूद, पुलिस ने बहुत कम सक्रियता दिखाई है, संभवतः अपहरणकर्ता का सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पार्टी के एक प्रमुख व्यक्ति से संबंध होने के कारण। साथ ही हाई कोर्ट ने पुलिस को लड़की के परिवार को जरूरी सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी की पहचान असीबुर रहमान के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवा हिंदू लड़की मालीग्राम गांव में रहती थी, जो पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पिंगला पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। 18 जून को वह सिक्किम के नामची से लापता हो गई थी। उसके पिता ने तुरंत नामची पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद, उन्होंने पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के पिंगला पुलिस स्टेशन में अपहरण का मामला दर्ज कराया। अफसोस की बात है कि पुलिस की प्रतिक्रिया बेवजह निष्क्रिय रही। अपनी बेटी तपन सशमल को वापस पाने के लिए पीड़िता के पिता ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की। तपन सशमल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि, 'अपहरणकर्ता, असीबुर रहमान, सत्तारूढ़ टीएमसी पार्टी के एक उच्च पदस्थ नेता से निकटता से जुड़ा हुआ है। असिबुर ने मेरी बेटी को उठा ले जाने की धमकी दी थी।

उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास में, मैंने उसे सिक्किम भेज दिया, जहाँ उसके चाचा कार्यरत हैं। लेकिन, वहीं से आसीबुर रहमान ने मेरी बेटी का अपहरण कर लिया। शिकायत दर्ज करने के बावजूद, पिंगला पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। मुझे डर है कि उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया होगा। मैं बस यही चाहता हूं कि मेरी बेटी वापस आ जाए।"याचिका पर सुनवाई के दौरान डिवीजन बेंच के न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति पार्थसारथी चट्टोपाध्याय ने मामले को संभालने के बंगाल पुलिस के तरीके पर असंतोष व्यक्त किया। खंडपीठ ने पुलिस को एक सप्ताह के भीतर नाबालिग लड़की को ढूंढकर वापस लाने और बाल कल्याण समिति को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया है। लड़की के परिवार के कानूनी प्रतिनिधि तन्मय बसु ने आरोप लगाया है कि, ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस अपहरणकर्ता असीबुर रहमान को बचा रही है, क्योंकि उसका एक शक्तिशाली टीएमसी नेता के साथ घनिष्ठ संबंध है, जो पिंगला के आंचल सभापति के रूप में कार्य करता है। अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होनी है।

बता दें कि, इस तरह के मामले अक्सर पाकिस्तान से सामने आते हैं, जहाँ हिन्दू-सिख बच्चियों को सरेआम उठा लिया जाता है और फिर उन्हें जबरन इस्लाम में धर्मान्तरित कर, किसी अधेड़ मुस्लिम से उनका जबरदस्ती निकाह करा दिया जाता है, लेकिन ये बेहद चिंता की बात है कि, अब वैसी ही घटनाएं भारत में भी होने लगी हैं।

आरएसएस के दशहरा उत्सव में इस बार गायक शंकर महादेवन होंगे मुख्य अतिथि

पिछले साल संतोष यादव बनी थीं चीफ गेस्ट

नागपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में इस बार का विजयादशमी (दशहरा) उत्सव काफी धूमधाम से मनाया जाने वाला है। इस कार्यक्रम में गायक और संगीतकार शंकर महादेवन इस साल मुख्य अतिथि होंगे।

मोहन भागवत की मौजूदगी में होगा कार्यक्रम

यह समारोह 24 अक्टूबर को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मौजूदगी में नागपुर में होगा। शंकर महादेवन इस कार्यक्रम में स्पेशल परफॉर्मेंस भी दे सकते हैं।

पिछले साल संतोष यादव बनी थीं चीफ गेस्ट

पिछले साल आरएसएस के विजयादशमी उत्सव में पहली बार ऐसा हुआ था कि कोई महिला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। संघ ने पहली बार इस कार्यक्रम में पर्वतारोही संतोष यादव को बुलाया था। बता दें कि आरएसएस अपनी स्थापना के बाद से हर साल नागपुर में दशहरा पर कार्यक्रम का आयोजन करता है। साल 1925 के बाद से इसमें कोई पुरुष ही मुख्य अतिथि के रूप में आया।

कौन हैं संतोष यादव

संतोष यादव पहली ऐसी महिला हैं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट की दो बार चढ़ाई की। संतोष ने पहली बार 1992 और दूसरी बार 1993 में एवरेस्ट चोटी फतह की। ऐसा कर उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। संतोष कांगसुंग की तरफ से माउंट एवरेस्ट चढ़ने वाली दुनिया की पहली महिला भी हैं।

हरियाणा के रेवाणी जिले में साल 1968 में जन्मी संतोष यादव बहुत ही जज्बे वाली महिला मानी जाती हैं। उनके इलाके में लड़कियों की पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था, लेकिन संतोष के परिवार ने उन्हें पढ़ाया। संतोष को आगे की पढ़ाई के लिए जयपुर भेजा गया, जहां उन्होंने आगे की पढ़ाई महारानी कॉलेज से की।

'पति की मौत न हो इसलिए पॉट से करो शादी'

इंजीनियर पिता की मांग, मजबूर बेटी ने सोशल मीडिया पर मांगी सलाह, पोस्ट वायरल

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। एक 26 वर्षीय मुंबई निवासी लड़की ने रेडिट पर जाकर ये शेयर किया है कि कैसे उसके माता-पिता उसे 'पॉट' से शादी करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। उसके माता-पिता ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि उसके पति की मौत न हो और उन दोनों की शादी शांतिपूर्ण रहे। युवती की पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई है और उसपर तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। युवती ने आगे अपनी कहानी बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, मैं मुंबई में रहने वाली 26 वर्षीय महिला हूं। मेरे भारतीय माता-पिता मुझसे पॉटी से शादी करने के लिए कह रहे हैं। ताकि मेरा होने वाला पति मर न जाए या शादी खत्म न हो जाए। मैं नास्तिक हूं और इस विचार का भी पुरजोर विरोध करती हूं। लेकिन मेरे माता-पिता ने इसे उनका अनादर करने और न जाने क्या-क्या बना दिया। मैं जानती हूं कि वे मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते और वे मुझे शारीरिक रूप से भी मजबूर नहीं करेंगे। लेकिन यह बिल्कुल बेतुकी बात है और घर में रोज-रोज इस बारे में चर्चा करना मानसिक रूप से परेशान करने वाला है।' कोई सलाह? क्या ये सच भी है? युवती ने सोशल मीडिया पर आगे लिखा, 'मैंने अपनी बात पर कायम रहने का मन बना लिया है।' लेकिन इसे आसान कैसे बनाया जाए इसपर उन्होंने लोगों से सलाह या मदद मांगी है। अपने माता-पिता के बारे में उन्होंने बताया कि, 'मेरी मां बीकॉम स्नातक हैं

हम बलात्कारियों का स्वागत नहीं करते हैं

हमारी हिंदुत्व की विचारधारा स्पष्ट है, उद्धव ठाकरे के 'नरम हिंदुत्व' पर बोले आदित्य ठाकरे

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल होकर मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी को चुनौती दे रही शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर बेहद तीखा हमला करते हुए उसके हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने उन आरोपों को खारिज किया है, जिसमें यह कहा जाता है कि शिवसेना के उद्धव गुट ने विपक्षी गठबंधन में शामिल होने के लिए हिंदुत्व की अपनी विचारधारा से समझौता कर लिया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना उद्धव गुट विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल होने के बावजूद अपने हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर बेहद

मजबूत और स्पष्ट है। ठाकरे ने मुंबई में इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में कहा, हमारा हिंदुत्व बहुत स्पष्ट है, हम बलात्कारियों का स्वागत नहीं करते हैं। चाहे वह बिलकिस बानो के हों या फिर किसी और के हों। दरअसल ठाकरे ने यह बात बिलकिस बानो गैंगरेप में पिछले साल गुजरात सरकार की छूट नीति के तहत जेल से रिहा किये गये 11 दोषियों का जिक्र करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में रेपकांड के दोषियों को माला पहनाई गई और उनका स्वागत किया गया। इस मामले में सबसे दिलचस्प बात यह है कि आदित्य ठाकरे ने हिंदुत्व की विचारधारा को लेकर भाजपा को उस समय कटघरे में खड़ा किया है, जब यह कहा जा रहा है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना हिंदुत्व के मामले में बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना की तुलना में अधिक उदारवादी हो गई है। हिंदुत्व के प्रति उद्धव गुट के इस नरमी का कारण पूछे जाने पर आदित्य ठाकरे ने कहा कहा कि उनके पिता उद्धव ठाकरे के पास कल भी और आज भी पार्टी के मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए असली शिवसेना का ब्रांड है। उन्होंने कहा, 'हमारे हिंदुत्व का मतलब है कि 'प्राण जाए पर वचन न जाए'। हम ही वो लोग थे, जिन्होंने राम मंदिर का मुद्दा तब उठाया था जब केंद्र सरकार उसे भूल गई थी।" इसके साथ ही आदित्य ठाकरे ने कहा कि राजनीतिक दलों को प्रतिशोधी व्यवहार और शत्रुता से आगे बढ़ने की जरूरत है। 'इंडिया' गठबंधन के सदस्यों के बीच भी भारी राजनीतिक मतभेद थे फिर भी हर कोई एक साथ आने को तैयार था। ठाकरे ने कहा, हम प्रधानमंत्री या किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं। हम भाजपा की विचारधारा के खिलाफ हैं। विविधता में एकता का विचार हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हम तानाशाही के विचार के खिलाफ हैं। अपने देश को इससे बचाने के लिए ही हम सभी एक साथ आ रहे हैं।

केदारनाथ: गर्भ गृह में वीआईपी को एंट्री

आम भक्तों के प्रवेश पर रोक से बिफरे धाम के पुरोहित

केदारनाथ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्राद्ध पक्ष शुरू होने के साथ ही केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ गई है। स्थिति को देखते हुए मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश बंद कर दिया गया है। ऐसे में लोग अब सभा मंडप से ही बाबा केदार के दर्शन कर पा रहे हैं। दूसरी ओर इस रोकटोक को परंपरा के खिलाफ बताते हुए तीर्थ पुरोहितों ने मोर्चा खोल दिया है। चारधाम महापंचायत के उपाध्यक्ष और केदारनाथ के तीर्थ पुरोहित संतोष त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि वीआईपी को तो गर्भ गृह में एंट्री दी जा रही है, लेकिन आम भक्तों पर सख्ती की जा रही है। उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष में यहां बाबा केदार के दरबार में पूजन का विशेष महत्व है। इसके लिए दूर दूर से लोग यहां आते हैं। बाबा के दर्शन के लिए लोग रात में दो बजे से ही लाइन में लग जा रहे हैं, लेकिन उन्हें भीड़ अधिक होने की बात कहकर सभा मंडप से आगे नहीं जाने दिया जा रहा है। वहीं जो वीआईपी आ रहे हैं, उन्हें बिना रोक टोक के गर्भ गृह तक ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गर्भ गृह के दर्शन बंद होने के विरोध में पूरा तीर्थ पुरोहित समाज एकजुट है और अपनी आपत्ति भी जताई है। संतोष त्रिवेदी के मुताबिक इन दिनों श्राद्ध पक्ष में रोज 18 से बीस हजार तीर्थ यात्री बाबा केदार के दर्शन पूजन के लिए आ रहे हैं। लेकिन उन्हें दूर से ही दर्शन कराकर वापस लौटा दिया जा रहा है। इससे भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि भक्तों को मंदिर के गर्भ गृह में जाने से रोकना परंपरा के खिलाफ है। चाहे भीड़ कितनी भी क्यों ना हो, किसी को अपने ईष्ट के पास जाने से रोकना गलत है।

मध्य प्रदेश में हर तरफ घोटाला

बीजेपी ने 'महाकाल' को भी नहीं छोड़ा, धार में बोलीं प्रियंका गांधी

धार, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव प्रियंका गांधी 5 अक्टूबर को धार के मोहनखेड़ा पहुंचीं। उन्होंने यहां लोगों से कहा कि आप सभी का दिल से धन्यवाद। अभी सोयाबीन की कटाई का मौसम है और आप मेरी बात सुन रहे हैं। मध्य प्रदेश महापुरुषों की धरती है। उन्होंने जनसभा में अपनी दादी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद किया। उन्होंने कहा कि दादी हमें आपके समाज की, आदिवासी समाज की कहानियां सुनाती थी। मेरी दादी इंदिरा गांधी के दिल में आपकी संस्कृति के प्रति श्रद्धा थी। प्रियंका ने यहां मौजूदा बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 18 साल में 17 हजार युवाओं ने आत्महत्या की है। बीजेपी सरपंचों के अधिकारों में कटौती ला रही है। कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार आपको कमजोर कर रही है। एमपी में 250 से ज्यादा घोटाले हुए हैं। पिछले 18 सालों में प्रदेश में सिर्फ घोटाला और भ्रष्टाचार है। व्यापमं के घोटाले में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। क्या किसी ने इसकी जांच कराई। इसके साथ ही, प्रियंका गांधी ईडी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सवाल किया कि ईडी का छापा मध्य प्रदेश में क्यों नहीं पड़ता। देश का नौजवान आंधी है। उन्होंने कहा कि आपके साथ जो हो रहा है गलत हो रहा है। आप रोज-रोज संघर्ष करके जिंदगी जी रहे हैं। हमने ऐसे नौजवान भी देखे हैं जिन्हें 10 साल गुजर गए लेकिन घोटाले के वजह से नौकरी नही मिली। प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया कि सरकार के पास पेंशन देने के लिए पैसे नहीं है और अडानी के हजारों करोड़ रुपए माफ करने के लिए पैसे हैं।

सरकार पर उठाए सवाल

प्रियंका ने कहा कि कुछ लोगों ने नेताओं को भगवान बना दिया है। मध्य प्रदेश में महंगाई चरम पर है। राशन मुफ्त में देना कोई एहसान नहीं है। सरकार चुनाव के पहले किसानों का मुआवजा देगी, चुनाव के बाद नहीं देगी। इंदौर संभाग में पिछले 18 सालों में न कोई यूनिवर्सिटी बनी है, न कोई नया अस्पताल बनाया। महिलाओं के वोट के बिना कोई भी राजनीति दल सत्ता में नहीं आ सकता। राजनीतिक खिलवाड़ हो रहा है आप लोगों के साथ।

प्रियंका ने दोहराए कांग्रेस के वचन

इस मौके पर प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के वचन दोहराए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के रहवासियों को 100 रुपये यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। गैस सिलेंडर 500 रुपये में देंगे। महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने देंगे। 5 हॉर्स पावर बिजली किसानों को मुफ्त मिलेगी। पुरानी पेंशन लागू होगी। उन्होंने कहा, ये देश आपका है, प्रदेश आपका है। जिम्मेदारी भी आपकी है। संविधान ने आपको शक्ति दी है। आपके भविष्य के लिए वोट दीजिए। ये बहुत कीमती है। इसलिए कांग्रेस को वोट दीजिए।

कुवैत में जेल से रिहा कराई गईं 34 भारतीय नर्सें, भारतीय दूतावास और मंत्री मुरलीधरन का प्रयास सफल

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुवैत में भारतीय दूतावास ने कहा है कि कुवैत अधिकारियों ने बुधवार को 34 भारतीय नर्सों और चिकित्सा कर्मचारियों को रिहा कर दिया, जिन्हें 12 सितंबर को हिरासत में लिया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय नागरिकों को कथित तौर पर वैध दस्तावेज नहीं होने के कारण हिरासत में लिया गया था। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर, कुवैत में भारतीय दूतावास ने उनकी रिहाई के बारे में साझा करते हुए कहा कि, 'दूतावास को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 12 सितंबर को अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिए गए 34 भारतीय नर्सों/चिकित्सा कर्मचारियों को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ दूतावास के हस्तक्षेप के आधार पर आज रिहा कर दिया गया है।' कुवैत में विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन व्यक्तिगत रूप से मामले की निगरानी कर रहे थे।

विकास के नाम पर पारिस्थितिकी को बर्बाद किया जा रहा है

बंगाल के राज्यपाल बोस

सिलीगुड़ी, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने बृहस्पतिवार को कहा कि विकास के नाम पर पारिस्थितिकी को बर्बाद किया जा रहा है और सिक्किम में बाढ़ जैसी आपदाओं को कम करने के लिए विशिष्ट अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। उत्तरी पश्चिम बंगाल के बाढ़ग्रस्त इलाकों के दौरे पर जाते वक्त पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि एक स्थायी समाधान तलाश किया जाना चाहिए ताकि ऐसी आपदाएं फिर न आएं। बोस बाढ़ प्रभावित जिलों जलपाईगुड़ी, कलिम्पोंग और कूचबिहार का हवाई सर्वेक्षण करने के लिए कोलकाता से सिलीगुड़ी पहुंचे। उन्होंने सेठी झोरा में पत्रकारों से कहा, "मैं ज्यादा से ज्यादा जगहों का निरीक्षण करना चाहता हूं ताकि मुझे पता चल सके कि जमीनी हकीकत क्या है। इससे भी ज्यादा, मैं शिविरों में जाना चाहता हूं और लोगों के विचार, भावनाएं तथा शिकायतें जानना चाहता हूं। साथ ही जानना चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी चीजें रोकने पर उनके विचार क्या हैं।" राज्यपाल ने कहा, "इन आपदाओं के पीछे कई वजहें हैं। विशिष्ट अध्ययन और आकलन किए जाने की जरूरत है। मैं आपदा प्रबंधन में अपने अनुभव से कह सकता हूं कि ये दुर्घटनाएं आकस्मिक नहीं हैं। विकास के नाम पर हम पारिस्थितिकी को बर्बाद कर रहे हैं।" राज्यपाल ऐसे दिन उत्तरी जिलों का दौरा कर रहे हैं जब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस केंद्र से मनरेगा निधि जारी करने की मांग को लेकर कोलकाता में 'राजभवन चलो' मार्च निकालने वाली है। अधिकारी ने बताया कि बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के बाद बोस के नयी दिल्ली जाने की संभावना है। वह नयी दिल्ली से ही लौटे थे। सिक्किम में तीस्ता नदी में अचानक आयी बाढ़ से पश्चिम बंगाल के उत्तरी मैदानी हिस्से जलमग्न हो गए जिसके कारण हजारों लोगों को उनके घरों से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

गोपाल राय का दावा

'केंद्र सरकार के डर और भय का मंजर दुबारा से दिल्ली ने कल देखा, घर के कोने-कोने की जांच

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री और आप के प्रदेश प्रभारी गोपाल राय ने ईडी द्वारा संजय सिंह की गिरफ्तारी को लेकर गुरुवार को बयान दिया। उन्होंने कहा, बीजेपी और केंद्र सरकार की डर और भय का मंजर दुबारा से दिल्ली ने कल देखा। जब हम कल संजय सिंह के परिवार वालों से मिले, तो उन्होंने हमें बताया की घर का ऐसा कोई कोना नहीं बचा जहां आडी ने जांच न की हो। इसके बावजूद उनको कुछ नहीं मिला, लेकिन फिर उनको ऊपर से आर्डर आया की संजय सिंह को गिरफ्तार कर लो। गोपाल राय के मुताकि यह सब बीजेपी के इशारों पर हो रहा है।

आज देश में मोदी सरकार में सबसे ज्यादा महंगाई हो गई है। सरकार सभी लोगों के मन में डर पैदा करना चाह रही है। अगर हमारे विरोध में आवाज उठाओगे तो ईडी-सीबीआई पीछे लगा देंगे। कल संजय सिंह ने कहा की मरना पसंद है, लेकिन डरेंगे नहीं हमारी पार्टी डरने वाली नहीं है। भारतीय जनता पार्टी चाहती है की विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में दाल दिया जाए। हम पूरी मजबूती के साथ लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। बीजेपी गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी दूर करने के बजाय अपनी सरकार के खिलाफ बोलने वालों को ईडी और सीबीआई के जरिए डरा रही है। आम आदमी पार्टी बीजेपी के सामने कभी नहीं झुकेगी। भले ही हमारी पार्टी के पूरे नेतृत्व को ही क्यों न सलाखों के पीछे डाल दिया जाए। बता दें कि बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय ने आप सांसद संजय सिंह को दिल्ली आबकारी नीति मामले में घंटों पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद से संजय सिंह ईडी की हिरासत में हैं। वहीं, इस मसले को लेकर बीजेपी और आप नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है।

'हर व्यक्ति को सामान्य जीवन जीने का अधिकार' उम्र कैद पाए हुए व्यक्ति को जमानत देते हुए बोला केरल हाईकोर्ट

लक्षद्वीप, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को आईवीएफ ट्रीटमेंट कराने के लिए 15 दिन की पेरोल पर रिहा कर दिया है। इस दौरान अदालत ने कहा, हर व्यक्ति को यह अधिकार है कि वह सामान्य जीवन जी सके। कैदी की पत्नी बच्चे को जन्म देने के लिए अपने पति की जमानत कराना चाहती थी। इसके लिए उसने जेल में बंद चल रहे अपने पति को रिहा करने की मांग उच्च न्यायालय के सामने रखी। उसकी इस याचिका को अदालत ने मंजूरी दी और कैदी को रिहा कर दिया है। अदालत ने कहा, जब अदालत के पास किसी कैदी की पत्नी ऐसे मामलों को लेकर आती है

दिल्ली दंगों से जुड़े आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी के तार

शरजील इमाम से गहरी दोस्ती का खुलासा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हाल ही में गिरफ्तार किए आईएसआईएस के तीन संदिग्ध आतंकियों में से एक संदिग्ध आतंकी पर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, स्पेशल सेल के सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी अरशद वारसी दिल्ली दंगों में लोगों को भड़काने और पंपलेट बांटने का काम करता था। इसके अलावा वह जामिया कोऑर्डिनेशन कमेटी के ग्रुप से भी जुड़ा हुआ था। स्पेशल सेल के सूत्रों के मुताबिक मोहम्मद अरशद वारसी जामिया में दिल्ली दंगों से पहले हुए प्रदर्शन में भी सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहा था। बता दें कि दिल्ली दंगों की जांच कर रही क्राइम ब्रांच ने उस समय भी गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी मोहम्मद अरशद वारसी से पूछताछ की थी लेकिन उस समय पूछताछ के दौरान मोहम्मद अरशद वारसी ने खुद को बेगुनाह बताया था और शरजील इमाम से भी किसी भी तरह का संबंध न होने की बात कही थी। इस तरह से वह क्राइम ब्रांच को चकमा देने में कामयाब रहा था। दरअसल, मोहम्मद अरशद वारसी जामिया कोऑर्डिनेशन कमेटी के ग्रुप से जुड़ा हुआ था तो वहीं दूसरी तरफ शरजील इमाम जेएनयू के मुस्लिम स्टूडेंट ग्रुप से जुड़ा हुआ था। इसी के चलते मोहम्मद अरशद वारसी और शरजील इमाम के बीच बातचीत होना शुरू हो गई थी और इसके बाद दोनों दोस्त बन गए।

स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि साल 2020 में जब सीसीए और एनआरसी के विरोध में जामिया इलाके में प्रदर्शन शुरू हुए तो मोहम्मद अरशद वारसी ने 10 दिसंबर 2020 के बाद शरजील को जेएनयू से जामिया नगर बुला लिया था। इसके बाद शरजील इमाम जामिया नगर में रहने लगा था। ये दोनों मिलकर स्थानीय लोगों को पंपलेट बांटकर उन्हें भड़काने का काम करते थे। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में दंगे भड़काने और भड़काऊ भाषण देने के मामले में शरजील इमाम को गिरफ्तार किया था।

व्हाट्सएप कॉल पर करते थे आपस में बात

इतना ही नहीं दिल्ली पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि ये दोनों दिल्ली दंगों के दौरान आपस में व्हाट्सएप कॉल के जरिए बात किया करते थे। मोहम्मद अरशद वारसी से पूछताछ के बाद हुए खुलासे से ये तो साफ हो गया है कि पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई, दिल्ली दंगों में शामिल युवाओं को रेडिकलाइज करके आईएसआईएस का संदिग्ध आतंकी बना रही है और फिर उनका इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 6 अक्टूबर - 2023

संजय सिंह की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी का भविष्य खतरे में

अशोक भाटिया

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पार्टी के मुखर नेता संजय सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई दिल्ली सरकार की एक्साइज पॉलिसी से जुड़े प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट के एक मामले में की है। मोदी सरकार के मातहत काम करने वाली ईडी के अधिकारियों ने आप सांसद को गिरफ्तार करने से पहले उनके घर पर छापा मारा और दिन भर उनसे पूछताछ की गई। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि संजय सिंह के खिलाफ ईडी की कार्रवाई इसलिए हो रही है क्योंकि उन्होंने संसद में अडानी ग्रुप का मामला उठाया था। वहीं भाजपा का कहना है कि केजरीवाल और उनके सहयोगियों का भ्रष्टाचार बेनकाब हो गया है। आप नेता मनीष सिसोदिया इसी मामले में पहले से जेल में बंद हैं।इस कार्यवाही के बाद दिल्ली भाजपा को बोलने का पूरा मौका मिल गया । भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल कितना भी शोर मचा लें, पैसे खाए हैं तो सच्चाई सामने आकर रहेगी। संजय सिंह की गिरफ्तारी से साफ हो गया है कि सच्चाई छिप नहीं सकती। उन्होंने यह भी कहा कि संजय सिंह के बाद अब अरविंद केजरीवाल का नंबर है। सचदेवा ने कहा कि पहले दिन से ही साफ था कि दिल्ली शराब घोटाले में संजय सिंह ने पैसे खाए हैं और जब दिनेश अरोरा सरकारी गवाह बने, तभी तय हो गया था कि संजय सिंह अब बच नहीं सकते। समाचार एजेंसियों ने ईडी के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस के सिलसिले में कुछ और लोगों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है। मोदी सरकार की एजेंसी संजय सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले उनके स्टाफ और करीबी लोगों से भी पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने अपनी चार्जशीट में भी संजय सिंह के नाम का जिक्र किया है। इसमें कहा गया है कि दिनेश अरोरा नाम के एक बिचौलिये ने दावा किया है कि वो अपने रेस्टोरेंट अनप्लग्ड कोर्टयार्ड में हुई एक पार्टी के दौरान संजय सिंह से मिल चुका है। अरोरा का दावा है कि संजय सिंह ने 2020 में उससे कहा था कि वो रेस्टोरेंट मालिकों से आम आदमी पार्टी के लिए फंड जुटाने को कहे। यह फंड दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जुटाए जाने थे। ईडी के मुताबिक दिनेश अरोरा ने यह भी कहा है कि उसने आप के फंड के लिए 82 लाख रुपये का चेक भी दिया था। दिल्ली के एक्साइज पॉलिसी विवाद में केजरीवाल सरकार पर शराब के लाइसेंस देने की नीति में गड़बड़ी करने का आरोप है। आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप है कि उसने शराब के लाइसेंसिंग के लिए ऐसी पॉलिसी बनाई थी जिसमें शराब कारोबारियों को न सिर्फ कार्टेल बनाने की छूट मिल गई थी बल्कि कुछ डीलर्स को खास तौर पर फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई थी हालांकि बाद में दिल्ली सरकार की इस एक्साइस पॉलिसी को रद्द कर दिया गया था। ईडी ने इसी कथित घोटाले के सिलसिले में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। हालांकि आम आदमी पार्टी का कहना है कि तमाम आरोप पूरी तरह गलत हैं और उनके नेताओं को राजनीतिक बदले की भावना से निशाना बनाया जा रहा है। आप पार्टी के कई नेता जेल में है और मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद संजय सिंह ही आम आदमी पार्टी में अरविंद केजरीवाल के लिए सबसे बड़ा सहारा थे क्योकि संजय सिंह आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य होने के साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश- बिहार में पार्टी की कमान उनके पास ही है। चुनावी राज्यों के अलावा पूर्वोत्तर और देश के दूसरे राज्यों में संगठन निर्माण में वो संदीप पाठक के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में आम आदमी पार्टी का चेहरा और तालमेल रखने की जिम्मेदारी भी उनके पास ही है। पार्टी के हर फैसले में उनका दखल होने के साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं के साथ मीटिंग में भी वह दिखाई देते हैं। अलावा पार्टी के लिए चुनावी रणनीति, जमीनी समीकरण सेट करने में भी संजय सिंह का रोल बेहद अहम रहता है। आइए समझते हैं कि संजय सिंह की गिरफ्तारी आप के लिए झटका क्यों हैं? क्यों पूरी पार्टी पर संकट मंडरा रहा है । दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा झटका है। ये झटका आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए है क्योंकि मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद संजय सिंह ही केजरीवाल के सेकंड इन कमांड बन गए थे। पार्टी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संजय सिंह के कंधों पर थी। पार्टी के अहम फैसलों में संजय सिंह की भूमिका होती थी। संजय सिंह उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर से आते हैं। साल 2011 में वह दिल्ली में अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में शामिल हुए। नवंबर 2012 में जब आम आदमी पार्टी का गठन हुआ तो वह मुख्य सदस्यों में से थे। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह आम आदमी पार्टी के सबसे मुखर नेता माने जाते हैं। लिहाजा वह पार्टी की ओर से कई मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं। हिंदी भाषी राज्यों की राजनीति में संजय सिंह की सक्रियता साफ तौर पर नजर आती है। लिहाजा पार्टी भी उन्हें आगे रखती है। इसी साल यूपी के निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अपना खाता खोला था। इसमें संजय सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। पार्टी की रणनीति से लेकर सभाओं तक में संजय सिंह का रोल बेहद अहम था। आम आदमी पार्टी यूपी के गाजियाबाद, कौशांबी, फिरोजाबाद, बदायूं समेत कई जिलों में जीती थी। पिछले साल विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी खाली हाथ रही थी लेकिन निकाय चुनाव में AAP ने जीत का स्वाद संजय सिंह की बदौलत ही चखा था। संजय सिंह आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उनकी राजनीतिक समझ बहुत अच्छी है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने कांग्रेस सहित गैर- भाजपा दलों के साथ संबंध बनाए हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के साथ-साथ उद्धव ठाकरे के साथ बैठकों में वह केजरीवाल के साथ जाते हैं। यह पार्टी के साथ-साथ विपक्षी नेताओं के बीच उनके कद का स्पष्ट संकेत है। विपक्षी दलों के गठबंधन INDIA की हर बैठक में वह नजर आते हैं। विपक्षी नेताओं के साथ तालमेल बैठाने की जिम्मेदारी भी आम आदमी पार्टी की ओर से संजय सिंह के पास है। मणिपुर मुद्दा, हाथरस कांड, कोरोना, बेरोजगारी, अल्पसंख्यकों के मुद्दे, किसान आंदोलन और अडानी का मुद्दा। ऐसे कई मामलों पर संजय सिंह राज्यसभा में मुखरता से बोलते नजर आए हैं। उन्होंने हाल ही में राज्यसभा में मणिपुर का मुद्दा उठाया था। इसके बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था। वहीं, संजय सिंह ने अडानी का मुद्दे भी उठाया था। मतलब साफ है पार्टी की ओर से संसद में अलग-अलग मुद्दे उठाने के लिए संजय सिंह पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा हैं।

नांदेड़ अस्पताल में मौत का तांडव

महाराष्ट्र के नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में इकतीस लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है। मरने वालों में सोलह बच्चे भी हैं। मात्र चौबीस घंटे में एक-एक करके 31 मरीजों की जान चली गई और अस्पताल प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। ऐसी हालत में अस्पताल प्रशासन की जो अफसोसनाक प्रतिक्रिया आई है वह तो बहुत ही हास्यास्पद है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि वहां न दवाइयों की कमी है, न ही डाक्टरों की। इलाज भी बहुत सटीक हुआ इसके बाद भी मरीजों को नहीं बचाया जा सका। वजह बताई गई कि दवा ने कोई असर नहीं दिखाया। बच्चों की मौत के मामले में रटा-रटाया जवाब दिया गया कि उनकी स्थिति पहले से ही बेहद खराब थी और उनका वजन भी कम था। इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि लोग किसी बीमारी या आपात अवस्था में इलाज और जान बचाने की भूख में अस्पताल का रुख करें, लेकिन वहां एक तरह से मौत बंट रही हो! नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में बीते दो दिनों में जैसा मंजर सामने आया, वह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि वहां मरीजों की जान बचाने के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया। देखने में यही आ रहा है कि चारों तरफ सिर्फ लापरवाही का आलम है। स्वास्थ्य संबंधी हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि नांदेड़ के बाद नागपुर के भी एक सरकारी अस्पताल में चौबीस घंटों में कई लोगों के मरने की खबर आई है। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी तादाद में मरीजों की मौत को कोई सामान्य घटना नहीं है। अगर किसी अस्पताल में दो दिनों के भीतर इतनी संख्या में लोगों की मौत होती है तो क्या यह किसी अव्यवस्था और लापरवाही का नतीजा नहीं है? इन मौतों के बाद जब मामले ने तूल पकड़ लिया तब सरकार की ओर से इसकी जांच कराने की बात कही गई है। बता दें कि महाराष्ट्र में इस तरह की कोई पहली घटना है? ज्यादा दिन नहीं हुए जब महाराष्ट्र के ही ठाणे जिले के एक अस्पताल में अड़तालीस घंटे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। आखिर उस घटनाओं से सबक लेने के लिए इस तरह की घटनाओं का इंतजार क्यों किया जाता रहा। कोफ्त होती है जब इस तरह की हर घटना के बाद सफाई दी जाती है कि मरीज की बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंच गई थी। बता दें कि नांदेड़ के जिस अस्पताल में मरीजों के मरने की घटना सामने आई है, वह करीब अस्सी किलोमीटर के दायरे में एकमात्र सरकारी अस्पताल है। इसलिए वहां दूर-दूर से मरीज आते हैं। अगर जब मरीजों की संख्या बढ़ जाती है तो दवा और अन्य संसाधनों के मामले में समस्या खड़ी हो जाती है। आरोप तो यहां तक लग रहे हैं कि टीबी के मरीजों को अपने स्तर पर ही दवा खरीद कर खाने के लिए कहा जाता है। ऐसी लापरवाही के लिए आखिर किसकी जिम्मेदारी तय की जाए। बता दें कि अन्य राज्यों की अपेक्षा महाराष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर माना जाता रहा है। लेकिन विपक्षी दल के आरोपों के अनुसार बीते साल भर से स्थिति तेजी से बिगड़ती गई है और आज स्वास्थ्य विभाग सबसे उपेक्षित महकमों में गिना जाने लगा है। अस्पताल जान बचाने के लिए होता है न कि इतनी संख्या में लोगों की जान लेने के लिए। इन मौतों के पीछे अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही, संसाधनों का अभाव, डाक्टरों की कमी आदि बहुस्तरीय समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन इस तरह से मरीजों की जान जाने की घटनाएं अक्सर सामने आने के बावजूद किसी की जवाबदारी क्यों नहीं निश्चित की जाती? यदि अस्पताल प्रशासन अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद रहता तो ऐसी त्रासद स्थिति से बचा जा सकता था।

ड्रैगन के खतरनाक मंसूबे, अमेरिकी पेंटागान रक्षा मंत्रालय सतर्क

संजीव ठाकुर

अमेरिका और चीन फिर आमने-सामने आ गए है1 इस बार कोई अंतरराष्ट्रीय मुद्दा ना होकर ताइवान के मामले को लेकर अमेरिका और चीन में बेहद तनाव बढ़ गया है। पहले अमेरिका ने ताइवान के बारे में चीन को स्पष्ट बता दिया था कि विस्तार वादी नीति के कारण चीन को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा1 उधर रूस-यूक्रेन युद्ध में पूरा विश्व चिंतित और परेशान है खासकर यूरोपर अमेरिका और ब्रिटेन इन्हें चिंता सता रही है कि कहीं पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ परमाणु बम का इस्तेमाल किया तो उसका प्रभाव ज्यादातर यूरोपीय देशों में पड़ने की संभावना होगी और फिर पलटवार से विश्व युद्ध की संभावना बलवती हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ वर्तमान में चीन ने सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिका को चेतावनी दे डाली है कि वह अपने हितों की रक्षा करने में किसी भी तरह की रियायत नहीं करने वाला है1 चीन ने कहा कि वह अपने अंदरूनी मामले में किसी को दखलंदाजी नहीं करने देगा एवं अपने हितों की रक्षा करना अच्छे से जानता है,चीन ने कहा कि ताइवान को लेकर अमेरिका पूरे विश्व में गलत संदेश प्रसारित करते आ रहा है। ताइवान के मामले में चीन किसी भी तरह का समझौता नहीं करेगा1 उल्लेखनीय है कि चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग बेनबिन एक बार फिर चीन के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि ताइवान उनका हिस्सा है और चीन अपने हितों की रक्षा करना अच्छे से जानता है वह इतना सक्षम है कि किसी भी देश से मुकाबला करने के लिए तैयार है। यह विदित हो कि हाल ही में चीन ने ताइवान पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से उस पर बलपूर्वक कब्जा करने की धमकी दी थी1 विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि ताइवान का मामला पूर्णता उनका अंदरूनी मामला है। ऐसे में विदेशी दखलअंदाजी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जावेगी1

कुछ दिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बयान दिया था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो हम निश्चित तौर पर ताइवान की मदद करेंगे, क्योंकि ताइवान की रक्षा करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान को ताइवान के प्रशासक तथा आम जनता ने गर्मजोशी से स्वागत किया था, पूरी दुनिया ने इस बात का समर्थन भी किया था। चीन ने अपने जवाब में जबरदस्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ताइवान के मुद्दे पर समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। अमेरिका गलत संदेश देना बंद करें क्योंकि चीन अपने आंतरिक हितों की रक्षा करने में कोई भी रियायत नहीं करेगा। अक्टूबर 2020 में चीन ने ताइवान पर बड़ा हमला किया था चीन के लगभग 200 लड़ाकू विमान ताइवान की सीमा पर घुस गए थे और इसके बाद चीन तथा ताइवान में तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया था चीन ताईवान को अपने देश का एक हिस्सा मानता है और ताइवान इसका जबरदस्त विरोध करता है। इसके पूर्व चीन ने ताइवान पर बलपूर्वक कब्जा करने की सार्वजनिक रूप से धमकी दी थी और चीन बहुत पहले से कहता आ रहा है कि ताइवान का मामला पूरी तरह चीन का अंदरूनी मामला है और इसमें किसी भी देश की दखलअंदाजी के लिए भी सरसों में स्वीकार नहीं की जावेगी।

'हेल्थ' के नाम पर खिलाया जा रहा है जंक फूड

रजनीश कपूर

आधुनिक जीवन की भाग-दौड़ में हम अपने भोजन पर उतना ध्यान नहीं देते जितना हमें स्वस्थ रहने के लिए देना चाहिए। इसीलिए आए दिन हमारे शरीर में कोई-न-कोई दिक़्क़त उत्पन्न होती रहती है। रोज़मर्रा के खाने में पौष्टिक तत्वों की कमी के कारण अक्सर बीमार पड़ने पर डॉक्टर भी हमें ताज़ी और शुद्ध चीज़ें खाने की ही सलाह देते हैं। इसके साथ हमारी डाइट को 'हेल्थ फ़ूड' पर आधारित होने कि भी सलाह देते हैं। अपनी सेहत की चिंता करते हुए हम बाज़ार में 'हेल्थ फ़ूड' के नाम पर मिलने वाली वस्तुएँ ख़रीदने की होड़ में लग जाते हैं।

परंतु यहाँ सवाल उठता है कि क्या 'हेल्थ फ़ूड' के नाम पर बिकने वाले डिब्बा बंद या सील बंद उत्पादन वास्तव में हमारे शरीर के लिए 'हेल्थी' हैं? बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादनों ने बाज़ार में एक ऐसा मायाजाल बिछाया है जिसके शिकंजे में हम बड़ी आसानी से फँस जाते हैं। यह कंपनियाँ अपने उत्पादनों को 'हेल्थ फ़ूड' का जामा ओढ़ कर उपभोक्ताओं को इसकी लत लगाने में कामयाब हो जाते हैं। आम लोग भी इनके मार्केटिंग और आकर्षक विज्ञापन के झाँसे में बहुत आसानी से आ जाते हैं। बिना यह सोचे-समझे कि क्या इन 'हेल्थ फूड्स' में वो सभी पौष्टिक तत्व सही मात्रा में हैं, जो हमारे शरीर के लिए ज़रूरी हैं? क्या हमें जिन तत्वों का परहेज़ करना चाहिए वो इन 'हेल्थ फूड्स' में हैं? क्या बाज़ार में अपने प्रतिद्वंदी से आगे निकलने की होड़ में ये कंपनियाँ जनता को 'जंक फ़ूड' की आदत डाल रही हैं? ऐसे उत्पादनों का सेवन करने से हमारी सेहत बेहतर होने के बजाए और ख़राब हो जाती है। सबसे पहले बात करते हैं रोज़मर्रा के खाने में इस्तेमाल होने वाली ऐसी वस्तु की जो आमतौर पर हर घर में पाई जाती है।

आज हर घर में सुबह के नाश्ते में 'ब्राउन ब्रेड' का चलन बढ़ गया है। विज्ञापनों के कारण इसे 'व्हाइट ब्रेड' का एक विकल्प कहा जाने लगा है। जैसा कि इसके नाम से ही जाना जाता है, यह 'ब्राउन' है यानी कि यह मैदे से नहीं बल्कि आटे से बनी है। परंतु असल में आप यदि इसका पैकेट देखें तो इसमें आपको कभी भी 100 प्रतिशत आटा नहीं मिलेगा। इसमें आपको आटे के साथ-साथ काफ़ी मात्रा में मैदा, चीनी, नामक, वैजिटेबल आयल और प्रेज़र्वेटिव भी मिलेंगे। यानि दावे से उलट यह आटा ब्रेड वास्तव में 100 प्रतिशत आटे से नहीं बनी। मैदे और चीनी के नुक़सान तो सभी को पता हैं। यह आपके शरीर में वज़न बढ़ाने का काम करते हैं। मैदा खाने से क़ब्ज़ की दिक़्क़त भी होती है। उसी तरह प्रेज़र्वेटिव खाने से शरीर में कैंसर जैसे रोग होने का ख़तरा भी बढ़ जाता है। तो फिर यह हमारे शरीर के लिए हैल्थी कैसे हुई? आजकल आपने यह भी देखा होगा कि कई उत्पादों पर 'फैट फ्री या लो फैट' का ठप्पा लगा होता है। ऐसे कई बिस्किट, स्नैक्स और अन्य उत्पादन बाज़ार में हैं जो 'फैट फ्री या लो फैट' होने का दावा करते हैं। 'फैट फ्री या लो फैट' के लालच में हम इन उत्पादों के प्रति आकर्षित हो जाते हैं और इनके आदि हो जाते हैं। परंतु क्या आपको पता है कि ऐसे ज़्यादातर उत्पादों में साधारण मात्रा से कहीं अधिक मात्रा में शुगर यानी चीनी का प्रयोग किया जाता है। इसके साथ ही इनमें 'फैट' का विकल्प देने के लिए केमिकल द्वारा प्रोसेस की गये तत्व भी डाले जाते हैं। इन केमिकल तत्वों का हमारे शरीर पर बुरा असर पड़ता है। जहां तक हो सके हमें इन चीज़ों से बचना चाहिये। आजकल के युवा वर्ग में एक नये पेय की माँग बढ़ती जा रही है और वो है 'एनर्जी ड्रिंक'। आकर्षक विज्ञापन की आढ़ में युवाओं को ऐसे 'एनर्जी ड्रिंक' का आदि बनाया जा रहा है। कैफ़ीन होने के कारण, इन्हें पीने से हमें कुछ क्षण के लिये ताज़गी का एहसास होता है। इसमें अधिक मात्रा में चीनी के साथ-साथ अन्य कैमिकल भी होते हैं जो हमारे शरीर के लिए नुक़सानदेह होते हैं। साथ ही में इन 'एनर्जी ड्रिंक' में 'हाई फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप' का प्रयोग भी होता है जो हमारे शरीर में बहुत तेज़ी के साथ फैट या चर्बी को पैदा करता है। इसी तरह बाज़ार में आजकल 'प्रोटीन बार व प्रोटीन शेक' की माँग भी बढ़ने लग गई है। जैसा कि नाम से पता लग गया होगा ऐसे उत्पादन आपको प्रोटीन का विकल्प होने का दावा करते हैं। परंतु क्या आपको पता है कि यदि आप शुद्ध और पौष्टिक भोजन पाएँ तो आपको अतिरिक्त प्रोटीन कि आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। अधिक मात्रा में प्रोटीन लेना भी हमारी सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। अधिक प्रोटीन केवल ज़्यादा खेल-कूद करने वाले या वेट लिफ़्टिंग करने वालों को किसी विशेषज्ञ की सलाह पर ही लेना चाहिए। आम इंसान को नहीं। आपको याद होगा कि कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन में हम मजबूरन घर का ख़ाना खा रहे थे। काफ़ी समय तक घर बना शुद्ध और सात्विक भोजन पाने से हमारा शरीर स्वस्थ रहने लग गया था। कोरोना के डर से हम किसी भी बाज़ारू वस्तु का सेवन नहीं कर रहे थे, केवल घर का बना भोजन ही खा रहे थे।

यदि किसी को बाज़ार के बने भोजन या नाश्ते की तलब उठती थी तो वो भी घर पर ही बनाया जाता था। ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसी महामारी दोबारा न आए। परंतु जिस तरह कोरोना ने हमें घर पर बने ख़ाना खाने को मजबूर किया, वो एक वरदान साबित हुआ। इसलिए हमें घर का बना पौष्टिक भोजन ही पाना चाहिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मायाजाल में नहीं फँसना चाहिए।

प्यार से गुनाह के सफर तय करती लिव इन की डगर !

मनोज कुमार अग्रवाल

आधुनिक युग में एक ओर जहां समाज में जागरूकता पैदा हुई है और संकुचित दायरे व पुरानी मान्यताएं दरक रहीं हैं तथा नई पीढ़ी के युवा अपनी पसन्द के जीवन साथी का चयन करना चाहते हैं लेकिन इस क्रम में इन दिनों युवा पीढ़ी के बच्चों में बिना संस्कार किए लिव इन रिलेशनशिप में रहने की प्रवृत्ति बढती जा रही है। कुछ वर्षों से एक नया चलन देखने में आ रहा है लिव इन रिलेशनशिप यानी बिना विवाह किए लड़का-लड़की या पुरुष महिला का साथ रहना। पश्चिमी देशों में यह चलन पहले से था, किन्तु भारत में हाल फिलहाल इसके मामले बढ़ने लगे हैं। न केवल मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि समाज में स्वीकार्यता भी पहले की तुलना में बढ़ी है। लिव-इन रिलेशनशिप की जड़ कानूनी तौर पर संविधान के अनुच्छेद 21 में मौजूद है। अपनी मर्जी से शादी करने या किसी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की आजादी और अधिकार को अनुच्छेद 21 से अलग नहीं माना जा सकता। किन्तु इनके साथ-साथ लिव इन रिलेशन नई तरह की समस्या विवादों व विसंगतियों की वजह भी बन रहा है अभी हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी तरह के दो मामलों में अपना निर्णय सुनाया।यह फैसले लिव इन रिलेशनशिप से पनप रहे दूषित सम्बन्धों और उनके दुष्परिणामों पर रोशनी डालते हैं। दरअसल लिव इन रिलेशन की शुरुआत प्यार मोहब्बत ओर विपरीत सेक्स आकर्षण व यौन संबंधों की स्वच्छंदता से होती है जो कई बार बहुत जल्द परस्पर आकर्षण खत्म होने के कारण ब्रेकअप तक पहुंच जाती है और फिर इन संबंधों का पटाक्षेप यौन शोषण दुष्कर्म अत्याचार उत्पीड़न की अपराध गाथा उजागर करता है कई बार यह रिलेशन संगीन पुलिस केस व मुकदमे बाजी का कारण बन जाती हैं। आपको बता दें कि लाइव लॉ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चार दशक पहले 1978 में बद्री प्रसाद बनाम डायरेक्टर ऑफ कंसोलिडेशन के केस में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता दी थी। यह माना गया था कि शादी करने की उम्र वाले लोगों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप किसी भारतीय कानून का उल्लंघन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई कपल लंबे समय से साथ रह रहा है, तो उस रिश्ते को शादी ही माना जाएगा। इस तरह कोर्ट ने 50 साल के लिव-इन रिलेशनशिप को वैध ठहराया था।वहीं इन रिश्तों में रह रही महिला को कानूनी प्रावधानों का संरक्षण देने की कोशिश की गई है इंदिरा शर्मा बनाम वी.के. शर्मा केस में सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि घरेलू हिंसा महिला संरक्षण ,अधिनियम 2005 की धारा 2एफ में डोमेस्टिक रिलेशनशिप की जो परिभाषा है, उसमें लिव-इन रिलेशनशिप भी शामिल है। यानी जिस तरह इस एक्ट की मदद से शादीशुदा कपल खुद को घरेलू हिंसा से बचा सकता है, उसी तरह लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे कपल पर भी यह एक्ट लागू होता है।इतना ही नहीं जिस तरह पति की मृत्यु के बाद पत्नी का दिवंगत पति की संपत्ति पर अधिकार होता है। ठीक उसी तरह एक महिला के लिव-इन पार्टनर की मृत्यु के बाद उसके पार्टनर की विरासत में मिली संपत्ति पर उस महिला का अधिकार होता। धनूलाल बनाम गणेश राम के केस में अदालत ने माना था कि अगर एक लिव-इन रिलेशनशिप लंबे समय तक चलता है, तो उसे एक शादी की तरह ही माना जाएगा।वहीं इस तरह के रिलेशन में कुछ गड़बड़ियों के मामले भी सामने आ रहे हैं। लंबे समय तक साथ रहने के बाद विवाद होने पर महिला अपने प्रेमी या पार्टनर पर दुष्कर्म का इल्ज़ाम लगा देतीं है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने विवाहित पुरुष पर उसकी 'लिव-इन पार्टनर' द्वारा लगाए गए बलात्कार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि पहले ही किसी से विवाह बंधन में बंध चुकी महिला यह दावा नहीं कर सकती कि किसी अन्य व्यक्ति ने शादी का झूठा वादा कर उसके साथ यौन संबंध बनाए। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि इस मामले में दो ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो एक-दूसरे से कानूनी रूप से विवाह करने के अयोग्य हैं, लेकिन वे 'लिव-इन संबंध समझौते' के तहत एक साथ रह रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 बलात्कार के तहत उपलब्ध सुरक्षा और अन्य उपायों का लाभ इस प्रकार की पीड़िता' को नहीं मिल सकता। किसी अन्य के साथ विवाह बंधन में बंधे दो वयस्कों का सहमति से 'लिव-इन' संबंध में रहना अपराध नहीं है और पक्षकारों को अपनी पसंद चुनने का अधिकार है, लेकिन पुरुषों और महिलाओं दोनों को इस प्रकार के संबंधों के परिणाम के प्रति सचेत होना चाहिए।

राष्ट्र चिंतन से भोग चिंतन तक...

डॉ. नीरज भारद्वाज

बच्चा परिवार में जन्म लेता है, परिवार समाज की धुरी है और समाज राष्ट्र की धुरी है।दूसरे शब्दों में समझें तो हम सभी एक दूसरे से जुड़े हैं, सभी एक दूसरे के अंग हैं। विचारक-चिंतक कहते हैं कि परिवार बच्चों के सद्गुणों की पाठशाला है। परिवार से ही बच्चों के अंदर गुण-दोष-व्यवहार आदि सभी तत्व जन्म लेते हैं। विचार करें तो जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसके अंदर सभी प्रकार का चिंतन भी जन्म ले लेता है। क्या सही, क्या गलत है, इसका निर्णय अब युवा करने लगता है। चिंतन की इस प्रक्रिया में समाज, साहित्य, सिनेमा, मीडिया आदि सभी का प्रभाव भी पड़ता है। इस तरह जीवन यात्रा का पड़ाव चलता ही रहता है।अब विचार यह है कि राष्ट्रीय चिंतन से भोग चिंतन का मतलब क्या? सही मायनों में यह विचार वर्तमान परिस्थिति को देख-समझ कर आया है। स्वतंत्रता से पूर्व सभी देशभक्तों ने राष्ट्र को ही अपना परिवार या घर माना, इसी के चलते राष्ट्र स्वतंत्रभी हुआ। स्वतंत्रता से पूर्व साहित्य-सिनेमा-मीडिया आदि सभी राष्ट्र चिंतन से जुड़े हुए थे। सभी का उद्देश्य राष्ट्र की स्वतंत्रता रहा।राष्ट्र स्वतंत्र हो, राष्ट्र की उन्नति, उसका विकास हो, यह सभी सोचा जा रहा था। इसी को आधार बनाकर लिखा-पढ़ा और दिखाया भी जा रहा था। जैसे-जैसे देश स्वतंत्रता के बाद विकास पथ पर आगे बढ़ा तो लोगों का चिंतन भी बदलने लेगा। विकास का पथ, विकास के साथ-साथ लोगों में कुछ मनोविकार भी पैदा कर देता है, ऐसा भी कहा जा सकता है और ऐसा हुआ भी तथा ऐसा हो भी रहा है। इसे नकारा नहीं जा सकता। देश की राजनीति में भी परिवर्तन आया, देशहित के साथ-साथ आत्महित की ओर राजनीति बढ़ने लगी। परिवारवाद ने धीरे-धीरे इसमें जगह बना ली और राजनीतिक पार्टियों के प्रमुखों के बाद उनके बेटा-बेटी उस पार्टी के प्रमुख बनने लगे। सत्ता कुछ लोगों के हाथ में ही रहने लगी। इसके कितने ही उदाहरण हमें वर्तमान में मिल जाते हैं। साहित्य भी धीरे-धीरे राष्ट्र चिंतन से अलग अब व्यक्ति चिंतन की ओर बढ़ने लगा। पारिवारिक द्वंद्व, व्यक्ति की स्वतंत्रता सोच के चलते अवैध रिश्ते, अवैध संबंध,अपशब्दों का प्रयोग, खुले तौर पर अश्लील भाषा और संवाद साहित्य के अंग बन गए। कई बार तो ऐसा लगता है कहानी और उपन्यास विषय से ही भटक गए हैं। यह बात सभी कथाकारों और साहित्यकारों पर लागू नहीं होती,लेकिन साहित्य पर कुछ हद तक इन सभी अश्लीलधारियों का वर्चस्व बढ़ता ही रहा है। सिनेमा ने तो सारी हदे ही पार कर दी हैं। सभी कुछ खुलेआम हो रहा है। युवा सिनेमा को देखकर शरीर को भोगने में अधिक लगा हुआ है। कितनी ही वेबसीरीज में तो अपशब्द और अश्लील दृश्यों की भरमार होती है। ऐसा प्रतीत होता है यह सभी कुछ देख-देख कर युवा पथभ्रमित भी हो रहा है। यहां भी यही बात है कि सारा का सारा सिनेमा ऐसा नहीं है, लेकिन अधिकता ऐसे सिनेमा की ही है। सिनेमा ने तो फैमिली फर्स्ट का ऐसा भूत लोगों पर चढ़ाया है कि व्यक्ति राष्ट्र चिंतन कम, फैमिली चिंतन अधिक करने लगा है। हमारा करियर, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, उनका भविष्य आदि।इन सभी की बातों में व्यक्ति मार-खाप रहा है। व्यक्ति अपने लिए और अपने परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति, सुख-सुविधाओं के लिए उल्टे-सीधे काम करना, रिश्वत लेना आदि गलत काम भी कर रहा है।

पितृपक्ष में कौआ, गाय और कुत्ते को क्यों खिलाया जाता है भोजन?

पितृपक्ष में तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान का महत्व है। इसके साथ ही पितृपक्ष के 15 दिनों में कौआ, गाय और कुत्ते को भोजन भी कराया जाता है। अक्सर लोगों के मन में ये सवाल उठता है कि आखिर पितृपक्ष में इन्हें भोजन क्यों कराते है और इसके पीछे क्या धार्मिक महत्व है। आपके मन में भी ऐसे सवाल है, तो आज ही अपने सारे सवालों के सही जवाव जान लीजिए।

काशी के ज्योतिषाचार्य पंडित संजय उपाध्याय ने बताया कि कौआ यम का प्रतीक है और इसे पितरों का स्वरूप भी मानते हैं। इसलिए श्राद्ध का एक अंश इन्हें भी भोजन के रूप में समर्पित किया जाता है। मान्यता है कि कौआ यदि भोजन से मुंह मोड़ ले तो समझिए पितर नाराज है।

गाय में है देवी देवताओं का वास

कौआ के अलावा गाय को भोजन कराने को लेकर ये मान्यता है कि इससे पीटर तृप्त होते है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गाय देवी देवताओं का प्रतीक है। कहा जाता है कि गाय में सभी देवी देवता वास करते है।यही वजह है कि पितृपक्ष में गाय को भी भोजन कराया जाता है।

तो इसलिए कुत्तों को देते है भोजन

इससे इतर कुत्ते को यम का प्रतीक है और काल भैरव की सवारी।इसलिए श्राद्ध के बाद यज्ञ दोनों की कृपा पाने के लिए कुत्ते को भी भोजन कराया जाता है। इसे कुक्कर बलि भी कहते है। कथाओं के अनुसार यमराज के मार्ग का अनुसरण करने वाले दो कुत्ते है जिनका नाम श्याम और सबल है। इन्ही दोनो कुत्तों को स्मरण करके पितृपक्ष में उन्हें भोजन देना चाहिए।

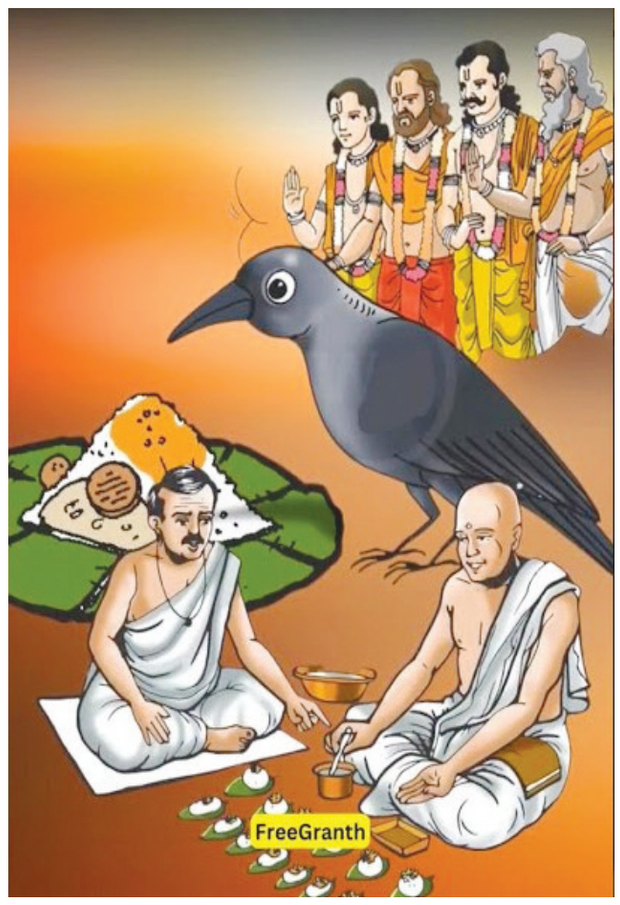

पितृपक्ष की इन तारीखों में खरीद सकते हैं वाहन और प्रॉपर्टी

सनातन धर्म में कोई भी शुभ अथवा मांगलिक कार्य करने से पहले शुभ मुहूर्त देखा जाता है। कहा जाता है शुभ मुहूर्त में किया गया कार्य शुभ फल दिलाता है। कोई भी कार्य करने से पहले शुभ मुहूर्त देखना बहुत महत्वपूर्ण होता है। माना जाता है शुभ मुहूर्त में मांगलिक कार्य करने से देवी देवताओं का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है।अक्टूबर का माह शुरू हो गया है। ज्योतिष और आध्यात्मिक दृष्टि से अक्टूबर 2023 का माह बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस महीने पितृपक्ष होने की वजह से कोई भी मांगलिक कार्य करना वर्जित माना गया है। लेकिन कुछ कार्य ऐसे भी हैं जिन्हें शुभ मुहूर्त देखकर ही किया जा सकता है तो चलिए आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताते हैं कि अक्टूबर माह में पढ़ने वाले सभी शुभ मुहूर्त की तिथियां।

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि ज्योतिष गणना के मुताबिक अक्टूबर का माह बहुत महत्वपूर्ण है। कई शुभ संयोग का निर्माण भी इस माह हो रहा है। प्रॉपर्टी से लेकर वाहन खरीददारी तक कई तिथियां अक्टूबर के महीने में मौजूद है। ज्योतिष गणना में सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ माना जाता है ज्योतिष के मुताबिक अक्टूबर माह में 6, 8, 18, 22, 23, 27 और 30 अक्टूबर के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है जो अत्यंत शुभकारी है।

अमृत सिद्धि योग- धार्मिक मान्यता के मुताबिक अमृत सिद्धि योग में अगर सच्चे मन से देवी-देवताओं की उपासना की जाए तो जीवन में आ रही तमाम तरह की समस्याएं दूर होती हैं।ऐसे में अक्टूबर 2023 के 18 और 27 अक्टूबर के दिन इस योग का निर्माण हो रहा है।

अक्टूबर माह के नामकरण मुहूर्त

अगर आपके घर में कोई नए मेहमान का आगमन हो रहा है तो उसका नाम कारण आप इस मुहूर्त में कर सकते हैं 8, 12, 15, 16, 22, 25 और 26 अक्टूबर का दिन शुभ माना जा रहा है।

वाहन और प्रॉपर्टी खरीदने का शुभ मुहूर्त

अक्टूबर माह में वाहन की खरीदारी के लिए 8, 15, 23 और 25 अक्टूबर का दिन प्रॉपर्टी या घर इत्यादि की खरीदारी के लिए 9, 10, 19 और 20 अक्टूबर शुभ माना जा रहा है।

श्राद्ध और पिंडदान के लिए भारत के पवित्र स्थान

वाराणसी (काशी): वाराणसी, जिसे काशी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म के सबसे पवित्र शहरों में से एक माना जाता है और माना जाता है कि यह भगवान शिव का निवास स्थान है। इसमें बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर है, जहाँ भगवान शिव को काशी विश्वनाथ के रूप में पूजा जाता है। वाराणसी पवित्र गंगा नदी के तट पर स्थित है और इसके घाटों पर पिंडदान किया जाता है। इस शहर को श्राद्ध और पिंडदान के लिए सबसे उपयुक्त स्थान माना जाता है।

गया: बिहार राज्य में स्थित, गया पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध कर्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। देश भर से लोग पिंडदान अनुष्ठान के लिए गया आते हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्री हरि फल्गु नदी के तट पर निवास करते हैं। कहा जाता है कि इस पवित्र नदी में डुबकी लगाने से पाप धुल जाते हैं और इस पवित्र स्थान पर पिंडदान करने से पूर्वजों की आत्मा को मुक्ति मिल जाती है।

पुष्कर: राजस्थान में पुष्कर, श्राद्ध और पिंडदान अनुष्ठान करने के लिए प्रमुख स्थानों में से एक है। पुष्कर ब्रह्मा मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जो भगवान ब्रह्मा को समर्पित है और माना जाता है कि यह दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र मंदिर है। किंवदंती है कि पवित्र पुष्कर झील की उत्पत्ति भगवान विष्णु की नाभि से हुई है। इस झील में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है और ऐसा माना जाता है कि यहां पिंडदान करने से दिवंगत लोगों की आत्मा को राहत मिल सकती है। आश्विन माह के दौरान पुष्कर में पिंडदान समारोह का आयोजन किया जाता है।

बद्रीनाथ धाम:- बद्रीनाथ धाम, उत्तराखंड राज्य में स्थित, चार पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है जिसे चार धाम के नाम से जाना जाता है। यह अलकनंदा नदी के तट पर स्थित है और भगवान विष्णु को समर्पित बद्रीनाथ मंदिर के लिए जाना जाता है। अलकनंदा के तट पर ब्रह्म कपाल घाट है जहां पिंडदान अनुष्ठान किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान इन अनुष्ठानों को करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।

अयोध्या:- उत्तर प्रदेश में अयोध्या, हिंदू धर्म में बहुत महत्व रखता है क्योंकि इसे भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम का जन्मस्थान माना जाता है। पवित्र सरयू नदी के तट पर स्थित, अयोध्या पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध और पिंडदान समारोह के लिए एक प्रमुख स्थान है। सरयू के तट पर पुजारियों द्वारा दिवंगत आत्माओं का सम्मान करने और परलोक में उनकी शांतिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत अनुष्ठान किए जाते हैं।

अंत में, पितृ पक्ष वह समय है जब हिंदू पिंडदान और श्राद्ध अनुष्ठान करके अपने पूर्वजों को याद करते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

इस दौरान किया जाता है पंचबलि का कर्म

सोलह दिनों का पितृ पक्ष भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा से शुरू होता है जो आश्विन कृष्ण अमावस्या तक जारी रहता है। इस बार श्राद्ध 15 दिन के हैं। श्राद्ध जारी हैं और हर दिन सभी अपने पूर्वजों का श्राद्ध कर रहे हैं। पितरों का श्राद्ध उस तिथि पर किया जाता है जब उनकी मृत्यु हुई हो। जिसकी मृत्यु तिथि का ज्ञान न हो उसका श्राद्ध अमावस्या को करना चाहिए। पितृ-पक्ष के सोलह दिनों में श्रद्धा-भक्ति पूर्वक तर्पण करना चाहिए जिसके द्वारा पितृ ऋण से निवृत्ति प्राप्त होती है। श्राद्ध पक्ष से जुड़ी एक अहम जानकारी हम आज अपने पाठकों को देने जा रहे हैं, इसे पंचबलि कर्म कहा जाता है। आइए जानते हैं पंचबलि कर्म के बारे में—

कैसे करते हैं श्राद्ध कर्म

पितरों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अनुष्ठान है-श्राद्ध। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में उनकी मृत्यु तिथि को जल, तिल, चावल, जौ और कुश पिंड बनाकर या केवल सांकल्पिक विधि से उनका श्राद्ध करना, गौ ग्रास निकालना तथा उनके निमित्त ब्राह्मणों को भोजन करा देने से पितृ प्रसन्न होते हैं और उनकी प्रसन्नता ही पितृ ऋण से मुक्त करा देती है। जहां तक श्राद्ध के प्रतीकों का सवाल है, इनमें कुश, तिल, यव गाय-कौवा और कुत्ता श्राद्ध के तत्व के प्रतीक के रूप में माना जाता है। श्राद्ध में पंचबलि कर्म किया जाता है। अर्थात पांच जीवों को भोजन दिया जाता है। बलि का अर्थ बलि देने नहीं बल्कि भोजन कराना भी होता है। श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि, देवादिबलि और पिपलिकादि कर्म किया जाता है। हमारे पितर किसी भी योनि में हो सकते हैं, इसलिए पंचबलि कर्म किया जाता है। आइये जानते हैं पंचबलि कर्म के निमित कौन आते हैं

पृथ्वी लोक पर आते हैं पितर

आश्विन मास का कृष्ण पक्ष पितरों के लिए पर्व का समय है। इसमें पितरों को आशा लगी रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिंडदान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे। यही आशा लेकर व पितृलोक से पृथ्वी लोक पर आते हैं। यदि यहां उन्हें पिंडदान, फल, फूल या तिलांजलि आदि नहीं मिलती है, तो वे शाप देकर चले जाते हैं। इसलिए प्रत्येक हिंदू सद्गृहस्थ का धर्म है कि एकदम श्राद्ध का परित्याग न करें, पितरों को संतुष्ट अवश्य करें।

श्वानबलि- श्वानबलि अर्थात कुत्ते को पत्ते पर भोजन परोसा जाता है। कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

देवबलि- देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवताओं और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

काकबलि- काकबलि अर्थात कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसा जाता है। कहते हैं कि कौआ यमराज का प्रतीक माना जाता है। यमलोक में ही हमारे पितर रहते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौओं को देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। पुराणों की एक कथा के अनुसार इस पक्षी ने अमृत का स्वाद चख लिया था इसलिए मान्यता के अनुसार इस पक्षी की कभी स्वाभाविक मृत्यु नहीं होती। कोई बीमारी एवं वृद्धावस्था से भी इसकी मौत नहीं होती है। इसकी मृत्यु आकस्मिक रूप से ही होती है। जिस दिन किसी कौए की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपके श्राद्ध का भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

पिपलिकादि-पिपलिकादि बलि अर्थात चींटी-कीड़े-मकौड़ों इत्यादि के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

गौबलि-गौबलि अर्थात गाय को पत्ते पर भोजन परोसा जाता है। घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर भोजन कराया जाता है तथा 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। पुराणों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का वास माना गया है। अथर्ववेद के अनुसार- 'धेनु सदानाम रईनाम' अर्थात गाय समृद्धि का मूल स्रोत है।

गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

पितृ पक्ष के दौरान धरती पर आते हैं पितर

वास्तु के इन नियमों को मानने से घर में होता है माँ लक्ष्मी का वास

सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

वास्तु के आसान उपाय

तुलसी का पौधा रखना

वास्तु शास्त्र में कुछ पौधों को घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। इसमें तुलसी का अहम स्थान है। वास्तु के अनुसार हर घर में तुलसी का पेड़ जरूर होना चाहिए. माना जाता है कि जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है, वहाँ पर खुशहाली रहती है। घर की लक्ष्मी को हर दिन शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

कपूर जलाकर करें आरती

अपने पूजा स्थल पर हर दिन घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इसके अलावा शाम के समय कपूर जलाकर आरती करनी चाहिए। इस उपाय को करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है।

मुख्य द्वार के सामने न रखें झाड़ू

वास्तु के अनुसार कभी भी घर के मुख्य द्वार के सामने झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रूठ जाती हैं और उस घर में दरिद्रता आती है। जिस घर के सदस्यों से माता लक्ष्मी नाराज रहती हैं वहाँ कभी भी सुख-शांति नहीं आती है।

कमरे या टेबल न छोड़े झूठे बर्तन

खाना खाने के बाद जूठे बर्तन कमरे या डाइनिंग टेबल पर कभी नहीं छोड़ने चाहिए।

भोजन करने के बाद झूठे बर्तन धुलने के स्थान पर ही रखने चाहिए। रात भर जूठे बर्तन छोड़ने से घर में कंगाली आती है। माना जाता है कि इससे पूर्वज नाराज हो जाते हैं और घर का सुख चैन समाप्त हो जाता है।

घर के बाहर रखने चाहिए जूते-चप्पल

जूते-चप्पल हमेशा घर के बाहर निकालने के बाद ही अंदर प्रवेश करना चाहिए। बाहर से आने पर जूते-चप्पल का एक निश्चित स्थान होना चाहिए। कभी भी भूल कर भी जूते पहन कर बेडरूम तक नहीं जाना चाहिए। माना जाता है कि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

शनिवार को ही निकलेगा प्रतिपदा और दोज का श्राद्ध, पितृपक्ष में खरीदारी के योग

पितृ पक्ष की शुरूआत भाद्रपद पूर्णिमा शुक्रवार 29 सितम्बर से हो रही है। इसका समापन 14 अक्टूबर को होगा। इस बार पितृ पक्ष प्रतिपदा तिथि घटने 16 दिन के स्थान पर 15 दिन का ही रहेगा। प्रतिपदा तिथि घट गई है। प्रतिपदा और द्वितीया का श्राद्ध एक ही दिन शनिवार को निकाला जाएगा। पितृ पक्ष के दिनों में अपने पितरों को याद करते हुए उनके नाम का तर्पण और ज्योत लेकर विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। पंडितों के अनुसार पितृपक्ष में दिन घटने को आने वाले समय के लिए अच्छा माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस पूरे पखवाड़े में हम यदि अपने पूर्वजों की पसन्द की वस्तुएँ खरीद कर घर लाएंगे तो इससे पितर प्रसन्न होकर हमें आशीर्वाद देंगे। इन 15 दिनों में 9 दिन तक खरीदारी के विभिन्न योग संयोग आएंगे।

श्राद्ध पक्ष में खरीदारी के योग

6 अक्टूबर – सर्वार्थ सिद्धि योग

7 अक्टूबर – पुष्य नक्षत्र

8 अक्टूबर - सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि पुष्य योग, पुष्य नक्षत्र

10 अक्टूबर – कुमार योग

11 अक्टूबर – राज योग

इन 15 दिनों में 9 दिन तक ये खरीदारी के योग संयोग आएंगे। इससे पितरों के आशीर्वाद के साथ ही खरीदारी फलदायी रहेगी।

सिर्फ सब्जी का स्वाद ही नहीं बढ़ाती लहसुन

पर्स में रखें लहसुन की एक कली

वास्तु शास्त्र के अनुसार लहसुन न सिर्फ नजरदोष दूर करने के लिए कारगर है, बल्कि इसका टोटका आपको मालामाल भी बना सकता है। इसके लिए आपको अपने पर्स में लहसुन की एक कली रखनी होगी। ये उपाय आपको शनिवार के दिन करना होगा। इससे जेब हमेशा रुपयों से भरी रहेगी।

तिजोरी में लपटे कर रखें लहसुन

यदि आपके हाथ में पैसे टिकते नहीं हैं तो इसके लिए घर-दुकान में जो भी तिजोरी रखी हो, उसमें एक लहसुन को कपड़े में लपेटकर रख दें। इससे धन टिका रहेगा।

सपनों से लगता है डर, तकिये के नीचे रखें लहसुन

जिन लोगों को रात में डरावने सपने आते हैं उन्हें रात को सोते समय अपने तकिये के नीचे लहसुन की दो या तीन कलियां रखनी चाहिए। अब सुबह उठकर इन लहसुन को किसी चौराहे में फेंक दें। इससे समस्या दूर हो जाएगी।

नजर लगने पर साबुत लाल मिर्च के साथ जलाएँ लहसुन

यदि बच्चे बराबर बीमार हो रहे हैं, तो 7 लहसुन को उनके शरीर से उतारकर 5 लाल साबूत मिर्च के साथ जला दें। इससे नजरदोष से छुटकारा मिलेगा और बीमारी जल्द दूर होगी।

व्यापार में होगी तरक्की, मुख्य द्वार पर बांध 5 लहसुन की कलियाँ

बिजनेस में आ रही आर्थिक परेशानियों के लिए लहसुन का टोटका खास है। शनिवार के दिन दुकान या फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर 5 पांच लहसुन की कलियों को किसी लाल कपड़े में बांधकर लटका दें। इस टोटके से व्यापार में आ रही आर्थिक बाधा दूर होती है।

गृह कलह शांत करने में मददगार

सुख-शांति के लिए भी लहसुन का टोटका खास है। इसके लिए शनिवार के दिन एक डंडी में लहसुन की सात कलियों को फंसाकर घर के आंगन या छत पर रख दें। ऐसा करने से नजर दोष दूर होता है। साथ ही धन की समस्या का भी समाधान निकलता है।

इन चीजों को पर्स में रखने से कभी खाली नहीं होता

चांदी का सिक्का रखें- अगर संभव हो सके तो अपने पर्स में एक चांदी का सिक्का रखें। ध्यान रहे, उस सिक्के पर लक्ष्मी-गणेश अंकित हों। यह आपके लिए लाभदायक होगा। लक्ष्मी गणेश शुभ और लाभ के प्रतीक माने जाते हैं जो आपके धन को अपव्यय होने से रोकने में सहायक होंगे।

पर्स को कभी न रखें खाली- पर्स को कभी भी पूरी तरह खाली नहीं होने दें। हमेशा एक रुपए का सिक्का बचाकर रखें। पर्स पूरी तरह से खाली होने पर नकारात्मकता उत्पन्न करता है और बार-बार आपका पर्स पूरी तरह से खाली होता रहता है।

चावल- महालक्ष्मी को चढ़ाएं चावल को कागज की पुड़िया में बांधकर पर्स में रखने से भी धन संबंधी समस्या दूर होती है। ऐसा करने से शुक्र ग्रह और माता लक्ष्मी से संबंधित अनुकूल फल प्राप्त होते हैं। साथ ही सुख और धन संपत्ति में बढोतरी होती है।

मां लक्ष्मी की तस्वीर- आप पर्स में एक मां लक्ष्मी की तस्वीर भी जरुर रखें। आप मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर रखें, जिसमें वह बैठी हुई मुद्रा में हो, इससे भी आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। महालक्ष्मी की कृपा पाने के लिए पर्स में श्रीयंत्र भी रख सकते हैं। श्रीयंत्र को पर्स में रखने से शुभ फल प्राप्त होता है। श्रीयंत्र को माता लक्ष्मी का स्वरूप भी माना गया है।

सोने-चांदी का सिक्का- वास्तु शास्त्र के मुताबिक, आपको पर्स में सोने या चांदी का सिक्का जरुर रखना चाहिए। लेकिन इस बात का भी विशेष ध्यान रखें कि सिक्का पर्स में रखने से पहले मां लक्ष्मी को जरुर अर्पित करें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा आप पर हमेशा बनी रहेगी।

गोमती चक्र- आप अपने पर्स में मां लक्ष्मी से संबंधित गोमती चक्र, समुद्री कौड़ी, कमल गट्टे आदि भी रख सकते हैं। इनमें से कोई भी चीज पर्स में रखने से पहले थोड़ी देर मां लक्ष्मी के चरणों में रखें।

पीपल का पत्ता- पीपल के पत्ते को पर्स में रखने से भी धन की प्राप्ति होती है। लेकिन एक बात का ध्यान अवश्य रखें कि पीपल के पत्ते खंडित ना हो। पीपल के पत्ते को पर्स में रखने से पहले उसकी विधिवत पूजा करें अर्थात पीपल के पत्ते पर कुमकुम या रोली से श्रीयंत्र लिखें। पीपल के पत्ते को शनिवार के दिन पर्स में रखना सबसे उत्तम होता है। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि पीपल के पत्ते को पर्स में ऐसी जगह रखें कि यह किसी को नजर ना आए।

शीशा- शास्त्रों के मुताबिक, पर्स में शीशे का एक छोटा टुकड़ा भी जरुर रखना चाहिए। इससे आपके पर्स में हमेशा पैसा रहेगा और कभी भी पर्स खाली नहीं होगा। शीशे के अलावा आप पर्स में गोमती चक्र भी रख सकते हैं।

मुझे किसी की बातों से फर्क' नहीं पड़ता : राइमा

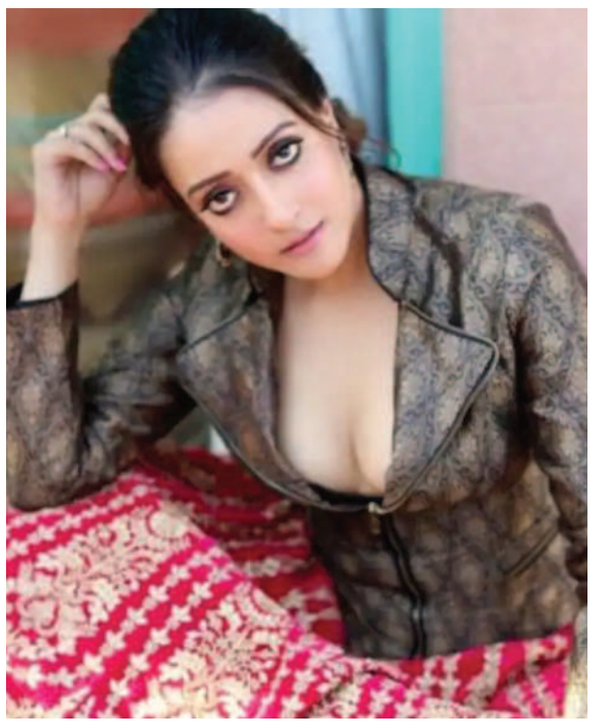

मुनमुन सेन की बेटी राइमा सेन इन दिनों विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म 'द वैक्सीन वार' में अभिनय को लेकर चर्चा में है। 'द कश्मीर फाइल्स' की अपार सफलता के बाद विवेक अग्निहोत्री देश से जुड़ी यह फिल्म लेकर आए हैं। उनकी इस फिल्म पर भी वैसे ही सवाल उठाए जा रहे हैं, जैसे पिछले साल रिलीज 'द कश्मीर फाइल्स' पर उठाए गए थे और इसे भी प्रोपेगंडा फिल्म बताया जा रहा है।

राइमा ने फिल्म को प्रोपेगंडा फिल्म कहे जाने और इसकी आलोचना के बारे में बात करते हुए कहा कि उसे इसकी परवाह नहीं है। वह बोली, ₹एक अभिनेत्री के रूप में यह सही में मेरे लिए मायने नहीं रखता। महत्वपूर्ण यह है कि मेरे किरदार को कैसा आकार दिया गया है। क्या इससे मुझे कुछ मिलेगा और कुछ हासिल होगा ?

राइमा ने आगे कहा, बेशक, कई बार आप किसी दोस्त के लिए फिल्म करते हैं, लेकिन अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं वह काम करूंगी जो मेरे लिए फायदेमंद हो। मैं स्वार्थी ढंग से काम चुनती हूं। ईमानदारी से कहूं तो यह लोगों की धारणा है, चाहे वे इसे अंधराष्ट्रवादी कहें या दुष्प्रचार या इसे ट्रोल करें, मुझे वास्तव में इसकी परवाह नहीं है।

राइमा ने यह खुलासा भी किया कि फिल्म 'द वैक्सीन वार' में उसका किरदार किसी पत्रकार से प्रेरित है या नहीं। उसने कहा, मुझे यकीन है कि यह है, लेकिन केवल विवेक ही इसके बारे में जानते हैं। हालांकि, मुझे यह जोड़ना होगा कि यदि यह एक व्यक्ति नहीं है, तो यह निश्चित रूप से उन लोगों के ग्रुप का प्रतिनिधित्व करता है, जो इस तरह महसूस करते हैं। विवेक ने बहुत सारा जमीनी काम किया है और उनके पास निश्चित रूप से सभी पात्रों के लिए संदर्भ बिंदू हैं।

मैं एक एक्ट्रैस हूं और अपने काम को गम्भीरता से लेती हूं : एमी जैक्सन

सिंह इज ब्लिंग', 'फ्रीकी अली', 'एक दीवाना था' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी एमी जैक्सन अपनी बोल्ड तथा ग्लैमरस अदाओं को लेकर चर्चा में रहती है। पिछली बार वह अक्षय कुमार और रजनीकांत स्टारर फिल्म '2.0' में नजर आई थी, जिसमें उसने एक रोबोट का किरदार अदा किया था। अब उसने एक तमिल फिल्म की शूटिंग खत्म की है तथा एक बॉलीवुड फिल्म में भी काम कर रही है।

वैसे वह अपनी फिल्मों से अधिक रियल लाइफ में रोमांस से लेकर सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड अवतार से चर्चा में रहती है। 'मिस टीन वर्ल्ड' रह चुकी एमी के इंस्टाग्राम पर ही 1 करोड़ 30 लाख से अधिक फोलोअर्स हैं, जहां वह अपनी जिंदगी और काम से जुड़ी बातें भी फैन्स के साथ शेयर करती रहती है।

लेकिन जिस खूबसूरती के लिए एमी ने हमेशा सुखियां बटोरी हैं, इन दिनों उसी के लिए उसे ट्रोल किया जा रहा है। खासतौर पर भारतीय फैन्स उसकी नई लुक देखकर चौंक गए हैं। अपनी नई लुक में उसकी शक्ल अधिक खूबसूरत नहीं लग रही और उसका चेहरा पहले से काफी अधिक पतला नजर आ रहा है। उसकी नई लुक को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ कहा जा रहा है। यहां तक कि उसकी तुलना हाल में आई. हॉलीवुड फिल्म 'ओपेनहाइमर' के हीरो सिलियन मर्फी से होने लगी, जिसका चेहरा फिल्म में काफी पतला और अजीब-सा लगा था।

अपने बारे में नैगेटिव बातें करने वालों का मुंह बंद करने के लिए एमी ने अब अपने इस बदलाव की वजह का खुलासा किया है।

उसने कहा, मैं एक एक्ट्रैस हूं और अपने काम को गम्भीरता से लेती हूं। पिछले एक महीने से मैं यूनाइटेड किंगडम में एक प्रोजैक्ट की शूटिंग कर रही हूं। इसमें मैं जो कैरेक्टर कर रही हूं, उसके लिए मुझे स्लिम होना था और अपना 100 प्रतिशत देना था। मुझे इसे लेकर अच्छा रिस्पांस नहीं मिल रहा, खासतौर से भारतीय लोगों से मैंने मेल को-एक्टर्स के साथ काम किया है, जिन्हें फिल्म के लिए अपनी लुक में बदलाव करना होता है और इसके लिए उनकी तारीफ भी की गई लेकिन जब एक महिला कुछ अलग तरह का मेकअप करती है, जो सुंदरता के कथित आदर्शों के अनुरूप नहीं होता, तो वे समझने लगते लगते हैं कि उन्हें आपको ट्रोल करने का हक मिल गया है।

वहीं सिलियन मर्फी से तुलना किए जाने और इस संबंध में उसके मीम्स बनने पर उसने कहा, 'मैं इसे लेकर सातवें आसमान पर महसूस करती हूं। वह परफैक्शन का दूसरा रूप हैं।

अब तक का करियर

एमी का जन्म 'आइल ऑफ मैन' नामक एक टापू के शहर डगलस में 31 जनवरी, 1992 को हुआ था ।

एमी ने साऊथ की फिल्मों में पहले डेब्यू किया और फिर प्रतीक बब्बर के साथ फिल्म 'एक दीवाना था' से बॉलीवुड में शुरुआत की थी।

एक्शन करती आएगी नजर

साऊथ में अपनी पहली फिल्म 'मद्रासपट्टिनम' के निर्देशक विजय के साथ फिर से काम करके वह खुश है। अपने ताजा फिल्म के बारे में वह बताती है, महामारी से ठीक पहले, मुझे विजय सर के साथ एक वैब सीरीज की शूटिंग करनी थी। हालांकि, महामारी के कारण इसे रोक दिया गया। जब सब कुछ खुल गया, तो विजय सर ने । पूछा कि क्या मैं उनकी फिल्म में काम करूंगी और मैंने कहा, 'हां!' यह एक एक्शन फिल्म है, और इसमें मेरा किरदार बहुत अलग है। इस फिल्म में उसने सैंड्रा जेम्स नामक एक जेल गार्ड की भूमिका निभाई है और कुछ स्टंट भी किए हैं। 'जिउ-जित्सु' नामक एक मार्शल आर्ट जानने वाली एमी को स्टंट कोरियोग्राफर सिल्वा के साथ काम करने में आनंद आया।

एमी के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह खुश थी क्योंकि उसका बेटा सैट पर था और उसका काम देख रहा था।

वह विद्युत जामवाल के साथ एक बॉलीवुड फिल्म की शूटिंग भी कर रही है। वह अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती है जो उसे अपनी क्षमताओं से कुछ बढ़ कर करने के लिए उत्साहित करे। उसने कहा, कुछ स्क्रिप्ट्स हैं जो मेरे पास आई हैं। एक महिला केंद्रित फिल्म है। इसमें घुड़सवारी और सुंदर संवाद हैं और मैं इसे लेकर वास्तव में उत्साहित हूं।

खत्म हुई सलमान-अरिजीत की 9 साल पुरानी दुश्मनी? भाईजान के घर पहुंचे सिंगर, 'टाइगर-3' में मिल सकता है सरप्राइज

सलमान खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ कमिटमेंट के लिए भी जाने जाते हैं। उनसे पंगा लेना एक्टर्स और सिंगर्स के लिए ठीक नहीं माना जाता है। इंडस्ट्री में कई ऐसे एक्टर्स और सिंगर्स रहे हैं, जिसके साथ उनके विवाद हो चुके हैं। इसी में से एक सिंगर अरिजीत सिंह भी हैं, जिनके साथ उनका झगड़ा जगजाहिर है लेकिन, अब खबर सामने आ रही है कि दोनों के बीच का मनमुटाव खत्म हो गया है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच ये मतभेद अपकमिंग फिल्म 'टाइगर-3' के लिए खत्म हुआ है। इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है, जो कि वायरल हो रहा है।

दरअसल, अरिजीत सिंह का सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें सलमान खान के घर के बाहर स्पॉट किया गया। इस वीडियो को सलमान खान के एक फैन क्लब से शेयर किया गया है। सिंगर के इस वीडियो के सामने आने के बाद नेटिजन्स कयास लगाने लगे हैं कि दोनों ने पुरानी बातों पर पानी फेर दिया है। इसके साथ ही कहा जाने लगा कि अरिजीत सिंह, सलमान की फिल्म 'टाइगर-3' में सरप्राइज भी दे सकते हैं। इसमें अरिजीत सिंह के गानों का तड़का लग सकता है खैर, अब इसके बारे में तो समय आने पर ही पता चल पाएगा।

9 साल पुराना है सलमान-अरिजीत सिंह का झगड़ा

वहीं, अगर सलमान खान और अरिजीत सिंह के झगड़े के बारे में बात की जाए तो ये मामला 9 साल पुराना है। साल 2014 में एक अवॉर्ड फंक्शन में दोनों के बीच ये विवाद शुरू हुआ था। मामला कुछ ऐसा था कि सलमान ने बेस्ट सिंगर के अवॉर्ड के लिए अरिजीत को स्टेज पर बुलाया तो उस समय वो कैजुअल लुक और मैसी हेयर में ही चले आए। इसे देखकर भाईजान ने उनका मजाक उड़ाते हुए पूछा था कि 'तू है विनर?' इस पर अरिजीत भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने बिना हिचकिचाए कहा, 'आप लोगों ने सुला दिया।' इसके बाद सिंगर की यही बात सलमान के दिल पर लग गई और उन्होंने फिल्म 'सुल्तान' से उनका गाना है हटा दिया था। इसके बाद उन्होंने 'जग घुमया' गाने को खुद गाया था।

'टाइगर-3' से जूनियर एनटीआर कर सकते हैं डेब्यू

वहीं, रिपोर्ट्स की मानें तो कहा जा रहा है कि 'टाइगर-3' में साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर की एंट्री हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो वो ऋतिक रोशन की 'वॉर-2' से पहले भाईजान की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर लेंगे। 'RRR' के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है।

आपको बता दें कि सलमान खान की 'टाइगर-3' को दिवाली के मौके पर रिलीज किया जाएगा। इसे 10 नवंबर को रिलीज किया जाएगा हालांकि, इस डेट को लेकर भी कहा जा रहा है कि अभी इसमें भी बदलाव हो सकता है। वहीं, फिल्म की स्टारकास्ट पर नजर डालें तो इसमें सलमान खान के अलावा शाहरुख खान कैमियो करते दिखाई देने वाले हैं और कैटरीना कैफ लेडी लव की भूमिका में दिखाई देंगी।

कौन हैं नंदिता महतानी? जिससे होने वाली है विद्युत जामवाल की शादी

बॉलीवुड एक्टर विद्युत जामवाल अक्सर अपनी फिल्म या एक्शन सीक्वंस को लेकर मीडिया हैडलाइन्स में रहते हैं लेकिन इस बार मामला जरा कुछ और है। अगर आप सोच रहे हैं कि ये सोशल मीडिया पोस्ट का मामला है तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। वो अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्हें और उनकी गर्लफ्रेंड नंदित महतानी को लेकर खबर सामने आ रही है कि दोनों लंदन में सात फेरे लेने वाले हैं। दो साल पहले 2021 में सगाई के बाद कपल ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। ऐसे में अब अचानक शादी की खबरों ने फैंस को शॉकड दे दिया है। इस मौके पर चलिए बताते हैं कि आखिर उनकी होने वाली दुल्हनिया नंदिता महतानी कौन हैं?

नंदिता महतानी पेशे से एक फैशन डिजाइनर हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो बताया जाता है कि वो एक्टर डीनो मौरिया के साथ मिलकर प्लेग्राउंड नाम की एक कंपनी भी चलाती हैं। इतना ही नहीं खबरों में ये भी कहा जाता है कि वो पिछले कई सालों से भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की डिजाइनर और स्टाइलिस्ट भी रही हैं।

करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड से है खास कनेक्शन

यही नहीं, नंदिता महतानी का बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर से भी खास कनेक्शन है। दरअसल, नंदिता, संजय की पहली पत्नी हैं। खबरों की मानें तो इनका रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया था और फिर वो अलग हो गए थे। उनसे तलाक के बाद संजय ने करिश्मा कपूक से शादी की थी हालांकि, 2016 में उनका एक्ट्रेस के साथ भी तलाक हो गया था।

वहीं, नंदिता का संजय के साथ रिश्ता टूटने के बाद कई बॉलीवुड एक्टर के साथ नाम जुड़ा। इसमें रणबीर कपूर और डीनो मोरिया जैसे स्टार्स शामिल हैं, जिनके साथ नंदिता की लिंक अप की खबरें रही हैं हालांकि, इन पर उनकी ओर से कभी कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया गया।

गौरतलब है कि नंदिता महतानी और विद्युत जामवाल की डेटिंग की खबरें जनवरी, 2021 से आनी शुरू हुई थीं। एक्टर ने उनके साथ एक फोटो शेयर की थी, जिसे शेयर करने के साथ ही उन्होंने लिखा था, 'जीत लिया।' इसके बाद इनके अफेयर के चर्चे होने लगे थे। इसके बाद विद्युत और नंदिता ने अपनी सगाई की खबरों से फैंस को झटका दे दिया था। दोनों ने गुपचुप सगाई कर ली थी और फोटो शेयर कर इसका ऐलान किया था।

अभिनव कोहली का पत्नी श्वेता तिवारी पर आरोप बोले- 9 महीने से बेटे से नहीं मिलने दिया

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के पति अभिनव कोहली ने बॉम्बे हाई कोर्ट से अपने बेटे रेयांश से मिलने की गुहार लगाई है। कोहली ने अदालत में श्वेता तिवारी के खिलाफ याचिका दायर किया है।

अभिनव ने श्वेता पर मीडिया के सामने झूठ बोलने, विक्टिम कार्ड खेलने जैसे कई गंभीर आरोप लगाए। अभिनव का कहना है कि एक ही सोसाइटी में रहने के बावजूद, श्वेता तिवारी ने तकरीबन 9 महीने से उन्हें अपने बेटे से मिलने नहीं दिया। अभिनव ने कहा कि वो अपने बेटे से मिलने के लिए श्वेता के पाव पड़ने को भी तैयार हैं। हमने श्वेता तिवारी से भी अभिनव के लगाए आरोपों पर संपर्क साधने की कोशिश की, हालांकि उनसे बात नहीं हो पाई।

एक ही सोसाइटी में रहने के बावजूद बच्चे से मिल नहीं पाता

अभिनव ने कहा- इस साल जनवरी में मकर संक्रांति के दिन मैं अपने बच्चे से आखिरी बार मिला था। मैं और श्वेता एक ही सोसाइटी के अलग-अलग विंग में रहते हैं। उस दिन सोसाइटी में मैं अपने बेटे के साथ वक्त बिता रहा था, सभी मेंबर्स मिलकर पतंग उड़ा रहे थे। अचानक से उनका नौकर जबरदस्ती रेयांश को ले जाने लगा। जब मैंने उसे रोका, तब उसने मुझसे धक्का-मुक्की की। उस दिन, श्वेता मुंबई में नहीं थीं, लेकिन नौकर के साथ हुए धक्का-मुक्की का बहाना देकर श्वेता ने मेरे बच्चे से मिलाना बंद कर दिया।

उसने किसी फेक काउंसलर का रिपोर्ट दिखाया जिससे वो यह प्रूव करना चाहती थीं कि रेयांश मुझसे डरता हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं। पिछले 9 महीने में, रेयांश मुझसे 4 बार अचानक से मिला। वो कभी नहीं डरा। श्वेता बहुत झूठ बोलती हैं। वो जानबूझकर इस मैटर को बढ़ा रही हैं ताकि बच्चा मुझसे दूर हो जाए।

बच्चे से वीडियो कॉल पर भी बात नहीं करने देती हैं श्वेता

अभिनव ने आगे कहा- मैं ये लड़ाई पिछले कई सालों से लड़ रहा हूं और आगे भी जारी रखूंगा। एक बार अक्टूबर 2020 में जब श्वेता बीमार थीं तब पूरे एक महीने के लिए रेयांश मेरे और मेरे मां के साथ हमारे घर रहा। उसके बाद जब बेटा श्वेता के पास जाने से इनकार कर रहा था, तब वो जबरदस्ती उसे लेकर गायब हो गईं।

उस वक्त मैंने उनके खिलाफ केस किया था। जहां उन्हें मेरे बच्चे के साथ हाई कोर्ट में पेश होना था। मैंने बच्चे की कस्टडी की भी मांग रखी थी। 2021 में बच्चा 5 साल से कम था, इसलिए कोर्ट ने कस्टडी उसकी मां को सौंप दी थी। हालांकि ऑर्डर के मुताबिक श्वेता मुझे वीकेंड पर बच्चे से मिलने से नहीं रोक सकती थीं।

मुझे वीडियो कॉलिंग के लिए भी इजाजत मिली थी, लेकिन श्वेता हमेशा अपनी मनमानी चलाती रहीं। वो मुझसे बच्चे से कभी सही ढंग से मिलने नहीं देती थीं। कभी बीच में ही वीडियो कॉल बंद कर देतीं, कभी अकेले बच्चे से नहीं मिलने देतीं।

बच्चे से मिलने के लिए श्वेता के पैर पड़ने के लिए भी तैयार

मैंने श्वेता को 100 से ज्यादा ईमेल लिखे, अपने बच्चे से मिलने के गुहार लगाई लेकिन वो ठस से मस नहीं हुईं। अपने बच्चे से मिलने के लिए मैं सबके सामने उनके पैर भी पड़ने को तैयार था लेकिन वो मानती ही नहीं हैं।

हम आज भी पति-पत्नी हैं

श्वेता पूरी मीडिया और लोगों के सामने विक्टिम कार्ड खेल रही हैं, मुझसे अपने डिवोर्स की बात कहती हैं जोकि पूरी तरह से गलत हैं। हम आज भी पति-पत्नी हैं। अगर मुझसे इतनी परेशानी हैं तो वो डिवोर्स फाइल क्यों नहीं करती। वो हर जगह झूठ बोलती हैं। मैं अलग होने के लिए तैयार हूं, बशर्ते वो हमारा बच्चा शेयर करें।

पलक सौतेली बेटी ही सही लेकिन कभी भेदभाव नहीं किया

"मैंने हमारे बच्चों में कभी फर्क नहीं किया। पलक मेरी भले ही सौतेली बेटी हो लेकिन मैंने कभी भेदभाव नहीं किया, हमेशा एक पिता का फर्ज निभाया और आगे भी निभाता रहूंगा। हालांकि, पलक और मेरी अभी बातचीत नहीं होती है,लेकिन उसके प्रति मेरे इमोशंस कभी कम नहीं हुए। श्वेता ने पलक को तो मुझसे अलग किया ही, अब रेयांश को भी मुझसे अलग कर रही है। वो ऐसी स्थिति पैदा कर रही है जहां मेरा बच्चा मुझे हमेशा के लिए भूल जाए।"

पूजा हेगड़े ने फिल्मों में पूरा किया एक दशक

पिछले कई महीनों से चर्चित परिणीति चोपड़ा की शाही शादी की चर्चा पर अब विराम लग चुका है। राघव की

दुल्हनिया बनकर परी अब मिसेज चड्ढा बन चुकी है। अभी उसकी शादी को कुछ दिन ही बीते कि एक रिपोर्ट आई कि इंडस्ट्री की मोस्ट ब्यूटीफुल एक्ट्रेसेज में से एक पूजा हेगड़े भी जल्द शादी कर सकती है।

दावा किया गया कि पूजा मुंबई के एक क्रिकेटर से शादी करने के लिए पूरी तरह तैयार है जब उसकी शादी की अफवाहें लगातार उड़ने लगीं तो पूजा को इस पर अपनी चुप्पी तोड़नी ही पड़ी। पूजा ने एक इंटरव्यू में दावा किया है कि वह सिंगल है और फिलहाल उसका पूरा ध्यान अपने करियर पर है।

उन्होंने कहा, मैं इस बारे में क्या कहूं? मैं अपने बारे में ऐसी खबरें पढ़ती रहती हूं। मैं सिंगल हूं। मुझे सिंगल रहना पसंद है। मैं फिलहाल अपने करियर पर ध्यान दे रही हूं। मैं इन अफवाहों पर ध्यान नहीं देती। वैसे, यह पहली बार नहीं है, जब पूजा का नाम किसी क्रिकेटर से जुड़ा है। इससे पहले, कई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि पूजा कर्नाटक के एक क्रिकेटर के साथ रिश्ते में थी। हालांकि, उस समय भी पूजा ने कर्नाटक बेस्ड क्रिकेटर के साथ अपने लिकअप के बारे में ऐसी स भी अफवाहों को खारिज कर दिया था।

पूजा ने इसी साल फिल्मों में एक दशक का सफर पूरा किया है। इस अवधि के दौरान वह अपने करियर, फिल्मों और भूमिकाओं को कैसे देखती है, के बारे में उसने कहा, ₹ऐसा नहीं लगता कि 10 साल हो गए। जिस क्षण से मैंने अपनी पहली फिल्म की, मैं हर साल काम करती रही। यह जाने बिना कि मैं करना चाहती हूं या नहीं, मैंने एक तमिल फिल्म भी की। ऐसा नहीं है कि मैं तमिल फिल्मों में काम करने को लेकर अनिश्चित थी, लेकिन मेरी मां ने मुझे इसे आजमाने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि जब तक मैं कोशिश नहीं करूंगी, मुझे नहीं पता कि मुझे यह पसंद आएगी या नहीं। उस फिल्म के दौरान, मुझे एहसास हुआ कि मुझे उसका आनंद आ रहा था और तब से मैंने कहानियों के आधार पर फिल्मों के चयन पर ध्यान देने का फैसला किया। मुझे बिना अधिक मार्गदर्शन के स्वयं ही इसका पता लगाना पड़ा।

उसने आगे कहा, उस फिल्म के बाद मुझे एक साल तक बिना किसी काम के गुजारा करना पड़ा। मैंने धैर्यपूर्वक सही अवसर मिलने का इंतजार किया, ऑडिशन में भाग लिया लेकिन अक्सर भूमिकाएं नहीं मिलीं। असफलताओं के बावजूद, मैं उत्साहित रही और कभी हार नहीं मानी और यह नहीं सोचा कि यह मुझसे नहीं होगा लेकिन मैं यह जरूर सोचती रहती थी कि जो काम मैं चाहती हूं वह कब मुझे मिलेगा।

पूजा की शुरुआती सफलताओं में रणबीर कपूर के साथ एक विज्ञापन फिल्म शामिल रही, जिससे उसे काफी लोकप्रियता मिली थी। उसे वह अवसर कैसे मिला के बारे में उसने बताया, यह एक ऑडिशन के जरिए हुआ। वे केवल छह लड़कियों का ऑडिशन ले रहे थे। मैं भी अंदर गई और ऑडिशन दिया। हालांकि मैंने नहीं सोचा था कि मुझे वह विज्ञापन मिलेगा क्योंकि ऑडिशन लेने वालों ने मुझमें कोई खास दिलचस्पी न हीं दिखाई थी। हैरानी की बात है कि मुझे उनकी ओर से फोन आया कि मेरा चयन हो गया है और विज्ञापन में मेरे साथ रणबीर कपूर हैं। उस विज्ञापन ने मेरे लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खोल दिए। ये सब वहीं से शुरू हुआ। फिर मैंने फिल्म 'मोहनजोदाड़ो (2016) साइन की, जिसके चलते मुझे 2 साल का कॉंट्रैक्ट करना पड़ा। मैं पिछले 3-4 वर्षों से जो काम कर रही हूं, वहीं से मेरी वास्तविक यात्रा शुरू हुई।

रह चुकी है मिस इंडिया

पूजा ने मिस इंडिया कंटैस्ट में हिस्सा लिया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ब्यूटी कंटैस्ट में उसने भारत का प्रतिनिधित्व किया। पूजा कहती है, वर्ष 2009 और 2010 की मेरी यात्रा और जो अनुभव था, वह आज भी काम आता है। हालांकि तब में और अब में बहुत ज्यादा अंतर आ गया है। मैं जब मिस इंडिया में भाग लेने के लिए गई थी, तब मुझे कुछ नहीं आता था, मेकअप करना भी नहीं। वहां जाकर सीखा, चीजें समझीं। अब रोज मेकअप करना, शूट करना, लोगों के सामने आना, रोज तैयार होने में वे सीखी बातें काम आती हैं। मैं कभी मिस इंडिया हुआ करती थी, अब पैन इंडिया एक्ट्रेस हूं।₹ खुद को ढालने में हो चुकी है माहिर पूजा मानती है कि वह खुद को परिस्थितियों के अनुरूप ढालने की अभ्यस्त हो चुकी है। उसके अनुसार, शूटिंग के दौरान एक नीति अपनाती हूं।

जैसा शूट और वहां का माहौल हो, मैं अपने आप को वैसे ढाल लेती हूं। जब मैं फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की शूटिंग के लिए पहुंची तो मैंने वहां के माहौल को महसूस किया। एक-दो दिन में मैं वैसी हो गई, जैसा वहां का माहौल था। मुझे लगता है हम महिलाएं ऐसी ही होती हैं। जिस भी तरीके का माहौल हो, हम अपने आप को उसी में ढाल लेती हैं। मैं जब सैट पर होती हूं तो एक स्पंज की तरह काम करती हूं। जो भी आसपास हो रहा हो उसे ग्रहण कर सोख लेने की कोशिश करती हूं। जब मैंने 'सर्कस' में रणवीर सिंह के साथ काम किया तो मुझे लगा कि वह सब बातों को देखते हैं, परखते हैं और जरूरी होने पर अपना लेते हैं। काश कि यह गुण मुझमें भी होता। विजय सेतुपति जी के बारे में कहूं तो वह सैट पर शांत चित्त होते हैं और ज्यादा बोलते नहीं है, यानी कि कूल तरीके से रहते हैं।

महिलाओं को मिल रहे हैं मजबूत रोल खुद को मिल रही मजबूत भूमिकाओं को लेकर उत्साहित पूजा कहती है, समय के साथ चीजें बदल रही हैं। मेरी एक फिल्म 'मोस्ट एलिजिबल बैचलर' में मेरा रोल बहुत अच्छा था। उसमें मैं स्टैंड अप कॉमेडियन बनी थी।' राधेश्याम' में मेरा रोल बहुत स्ट्रांग रहा है। अपने रोल के लिए मुझे कई अवार्ड भी मिले हैं। आने वाले दिनों में एक और बहुत मजबूत तथा दमदार किरदार वाली कहानी दर्शकों के सामने लेकर आऊंगी।

'उधार की कार' में अवार्ड लेने पहुची थी ऋचा

ऋचा चड्ढा आज किसी परिचय की मोहताज नहीं है। फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के बूते उसने काफी लोकप्रियता हासिल की है। हालांकि, फिल्म 'ओए लक्की लक्की ओए' से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली ऋचा के लिए इस सफलता तक का सफर आसान नहीं रहा।

अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात करते हुए उसने एक इंटरव्यू में कहा, मेरी फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' रिलीज हो चुकी थी, फिल्म को काफी पसंद किया गया था। फिल्म फेयर अवॉर्ड्स होने वाले थे और कमाल की बात है कि मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के लिए क्रिटिक अवार्ड भी मिल रहा था। हालांकि इस अवॉर्ड की मुझे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, क्योंकि उस साल विद्या बालन फिल्म 'कहानी' के लिए, रानी मुखर्जी ' अइय्या' के लिए, श्रीदेवी 'इंग्लिश इंग्लिश' और प्रियंका चोपड़ा 'बर्फी' के लिए नॉमिनेटेड थीं, मगर मुझे अवॉर्ड मिला। मैं अवॉर्ड फंक्शन के लिए निकलने वाली थी। मेरे पास कोई गाड़ी नहीं थी, तो मैंने अपने एक प्रोड्यूसर मित्र से कहा कि उनके पास कोई फॉर्चूनर टाइप की बड़ी गाड़ी हो, तो मुझे अवॉर्ड फंक्शन के लिए दें। मैं नहीं चाहती थी कि किसी तरह की जल्दबाजी करते हुए मेरा गाऊन कहीं अटक- वटक जाए। बहरहाल मैं उधारी की कार लेकर अवॉर्ड फंक्शन में गई।

कभी अभिनय को 'गुडबाय' कहने वाली थी वामिका

आज वामिका गब्बी फिल्मों, टी.वी. और ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म की जानी-मानी अभिनेत्री बन चुकी है। इन दिनों वह विशाल भारद्वाज निर्देशित वैब सीरीज 'चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली' में नजर आ रही है।

इस शो को स्वीकार करने की वजह पूछने पर वह कहती है, मैं इसे कैसे नहीं स्वीकारती ? सबसे बड़ी वजह है इस शो के निर्देशक विशाल भारद्वाज। दूसरी महत्वपूर्ण वजह है पहली बार इस शो में मुझे जासूस बनने का मौका मिला। इसने मुझे जैसे 'डू एंड डाई' वाली स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। बहुत ज्यादा तैयारी करनी थी, ताकि मैं वाकई में जासूस नजर आऊं। मेरे लिए मरने-मारने वाले हालात थे। विशाल सर के साथ काम करना भला इतना आसान है ?

उसने कई पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है। पंजाबी और हिन्दी फिल्मों में काम करने में वह क्या अंतर महसूस करती है पर उसने कहा, मैं चंडीगढ़ में पैदा हुई और पंजाबी माहौल में पली- बढ़ी हूं। मेरी मातृभाषा भी पंजाबी है। जब मैंने पंजाबी फिल्मों में काम किया तो मुझे महसूस हुआ कि मैं बस घर के आंगन में ही हूं। सब कुछ मेरी संस्कृति से जुड़ा हुआ है लेकिन जब मैंने फिल्म 'जब वी मैट' की तो मेरे लिए हिंदी फिल्मों में काम करना भी शानदार अनुभव बनता चला गया। कुछ खास अंतर नहीं है इन दोनों भाषाओं में। हां, हिंदी फिल्मों का क्रेज दुनिया भर में है और यह पहचान बड़ी खास है। इस दौर में हर प्रतिभावान एक्टर हर भाषा, हर शैली की फिल्में करना चाहता है, जिसमें मजबूत कहानी हो।

साल 2018-2019 में सबसे ज्यादा व्यस्त रहने के बावजूद वामिका खुश नहीं थी, इस बारे में वह कहती है, "एक ही वर्ष में मैं छह-सात फिल्में कर रही थी। मेरा पारिश्रमिक भी बढ़ गया था। इसके बावजूद मुझे जिस प्रकार के रोल ऑफर हो रहे थे, उन्हें स्वीकारने में मुझे दिलचस्पी नहीं थी । अर्थपूर्ण किरदारों की मुझे तलाश थी। मुझे लगा कि मैं बेजान किरदारों में उलझी हुई हूं। क्या मैं अच्छे किरदारों के लायक नहीं हूं? इसलिए मैंने अभिनय को गुडबाय कहना चाहा। मेरा पैशन है ट्रैवलिंग। मुझे घूमना- फिरना बहुत अच्छा लगता है। सोचा एक्टिंग को अब दूर ही रख देती हूं। घूमने-फिरने से दिल-दिमाग के दरवाजे खुलेंगे। किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले शांति से सोच-विचार कर निर्णय लेना उचित होता है। तभी मुझे 'चार्ली चोपड़ा एंड मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली' मिली और मेरे मन पर छाए हुए निराशा के बादल दूर हो गए।

'सोशल मीडिया' के आधार पर दिए जा रहे हैं रोल : जैस्मीन भसीन

जैस्मीन भसीन ने छोटे पर्दे पर काफी लोकप्रियता बटोरी है और अब वह ओ.टी. टी. पर वैब सीरीज से लेकर बॉलीवुड में फिल्में तक करना चाहती है।

पिछली बार साल 2020 में धारावाहिक' नागिन 4' में नजर आई जैस्मीन लम्बे समय से छोटे पर्दे से दूर है। वह कहती है, मैं नहीं कहूंगी कि छोटे पर्दे से दूर रहने के पीछे कोई विशेष इरादा है। मैं सभी तरह के अवसरों के लिए तैयार हूं लेकिन पिछले कुछ वर्षों से मैं मनोरंजन के अन्य माध्यमों जैसे ओ.टी. टी. स्पेस और फिल्मों मेंकाम करने की कोशिश में हूं।

मैं इसके लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रही हूं। जब उसके वैब पर डेब्यू करने की बात आती है, तो उसने यह भी खुलासा किया कि वह अभी भी सही कहानी का इंतजार कर रही है।

उसने कहा, मैं दो वर्षों से ओ.टी. टी. में कुछ करने की कोशिश में हूं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी कोई कहानी नहीं मिली जिससे मैं ओ.टी. टी. पर डेब्यू करना चाहूँ क्योंकि मैं भूमिकाएं चुनने में हमेशा सावधान रही हूं।₹ वह आगे कहती है, ₹प्रशंसक हमेशा मेरी सराहना करते हैं, इसलिए वे वास्तव में महत्व देते हैं और यह देखने के लिए इंतजार करते हैं कि मैं आगे क्या करने जा रही हूं। यही कारण है कि मैं अपने ओ.टी. टी. या बॉलीवुड डेब्यू के लिए एक अच्छी ठोस कहानी की तलाश मैं हूं। अभी कुछ नहीं हो पा रहा लेकिन जब तक सफलता नहीं मिल जाती मैं हार नहीं मानने वाली क्योंकि मैं हार मानने में विश्वास ही नहीं करती। मैं इंतजार और अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही हूं।

उसने आगे कहा, मेरा मानना है कि बहुत सारे रोल आपकी सोशल मीडिया फॉलोइंग के आधार पर दिए जा रहे हैं। आप 15 साल से अभिनय कर रहे हैं, फिर भी अगर आप इसलिए रोल खो देते हैं क्योंकि आप सोशल मीडिया पर उतने लोकप्रिय नहीं हैं, तो इससे बहुत निराशा महसूस होती है।

कभी ईशा गुप्ता से हुई थी 'गंदी बात की डिमांड'

ईशा गुप्ता को अपने अभिनय से अधिक बोल्डनैस के लिए जाना जाता है लेकिन इस वक्त उसने एक बड़ा खुलासा कर सभी को चौंका दिया है। उन्होंने बताया है कि वह फिल्म इंडस्ट्री में दो बार कास्टिंग काऊच का सामना कर चुकी है। इसी को लेकर उसने बिना झिझके। खुलकर बात की और डरा देने वाली घटनाओं का जिक्र किया।

ईशा ने बताया कि पहली बार वह कास्टिंग काऊच की शिकार तब हुई थी जब एक फिल्ममेकर ने उससे 'सैक्सुअल फेवर मांगा था। उन्होंने कहा, जब मैंने मना कर दिया तो को-प्रोड्यूसर ने प्रोड्यूसर से कहा कि वह मुझे फिल्म में नहीं देखना चाहते, मैं सैट पर क्या कर रही हूं? इसके बाद कुछ मेकर्स ने तो मुझे फिल्मों में लेने से भी मना कर दिया। मैंने सुना था कि वे लोग मेरे बारे में कहते थे कि अगर मैं उनके साथ कोई समझौता ही नहीं करूंगी तो मुझे फिल्म में लेने का क्या फायदा ?

उसने यह भी खुलासा किया कि एक बार आऊटडोर शूटिंग के दौरान वह अपने कमरे में किसी के घुसने से डर गई थी और इसलिए उसने अपने मेकअप आर्टिस्ट से उसी कमरे में अपने साथ सोने का अनुरोध किया था। ईशा ने कहा, दो लोग थे, जिन्होंने कास्टिंग काऊच का जाल बिछाया था। मैं समझ गई थी लेकिन मैंने फिर भी फिल्म की क्योंकि यह उनकी तरफ से एक छोटा- सा प्रयास था। उन्हें लगा कि मैं आऊटडोर शूट के दौरान उनके जाल में फंस जाऊंगी। मैं भी स्मार्ट थी, मैंने कहा कि मैं अकेले नहीं सोऊंगी। मैंने अपने मेकअप आर्टिस्ट को अपने कमरे में सोने के लिए बुलाया।

सोशल मीडिया पर लोकप्रिय

ईशा सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत उपस्थिति के लिए जानी जाती है। इंस्टाग्राम पर उसके 1 करोड़ 60 लाख से अधिक फोलोअर हैं, जहां वह अपनी आकर्षक पोस्ट्स से प्रशंसकों को बांधे रखती है।

अपनी कमाल की फिटनेस के लिए भी विख्यात ईशा के अब तक के करियर की बात करें तो उसने 2012 में फिल्म 'जन्नत 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद वह 'राज 3डी', 'गोरी तेरे प्यार में', 'हमशकल्स', 'बेबी', 'रुस्तम', 'टोटल धमाल', 'पलटन', 'बादशाहो' जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही है।

पिछली बार वह वैब सीरीज ' आश्रम' के तीसरे सीजन में नजर आई थी, जिसमें उसका सह-कलाकार बॉबी देओल था। उसकी पिछली फिल्म 'वन डेः जस्टिस डिलिवर्ड' थी, जिसमें उसने एक पुलिस अधिकारी का दमदार किरदार निभाया था।

उनकी अगली फिल्मों में 'फाइल नम्बर 323', 'देसी मैजिक' और 'हेरा फेरी 3 ' शामिल हैं।

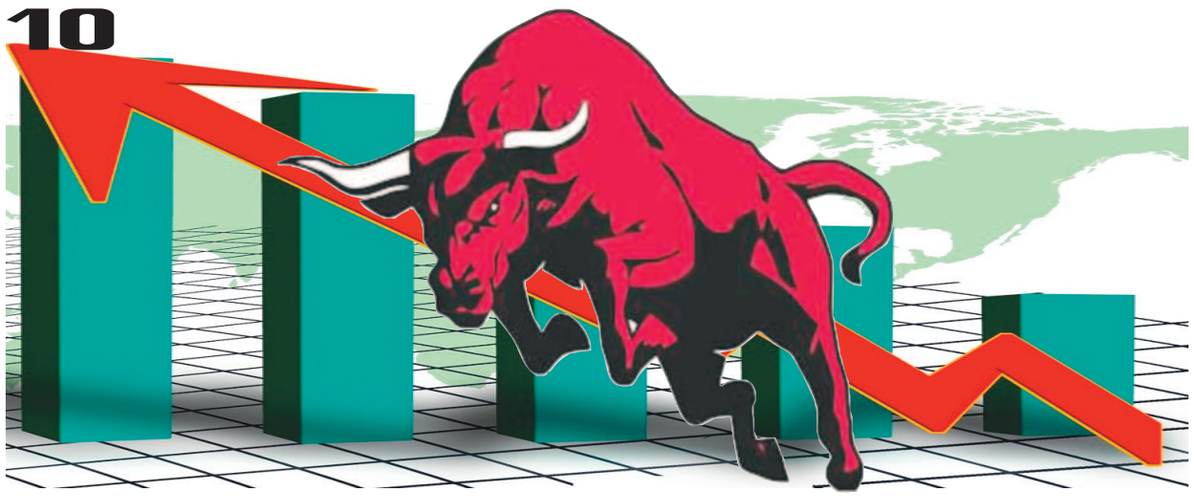

पीएम की अपील के बाद लोगों ने जमकर खरीदे खादी उत्पाद

एक दिन की बिक्री डेढ़ करोड़ रुपये के पार पहुंची

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित 'खादी भवन' में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री पर खुशी जताई और कहा कि देश भर में हाथ से बुने कपड़े की खरीद दिखाती है कि यह किस तरह जनभावना का प्रतीक बन गया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "देश भर में हमारे परिवार के सदस्यों द्वारा खादी की खरीद का नया रिकॉर्ड दिखाता है कि यह किस तरह जनभावना का सशक्त प्रतीक बन गया है। मुझे विश्वास है कि खादी के प्रति यह प्रेम हर दिन नए कीर्तिमान रचता रहेगा, जो आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को नई ताकत देगा।प्रधानमंत्री ने 24 सितंबर को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान लोगों से गांधी जयंती पर खादी खरीदने का आग्रह किया था। इसी का नतीजा है कि कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में एक ही दिन में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। वहीं खादी इंडिया ने एक्स पर लिखा, "पूज्य बापू की विरासत खादी के संरक्षक और 'नए भारत के आधुनिक खादी' के निर्माता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 सितंबर को 'मन की बात' कार्यक्रम में 'गांधी जयंती' पर लोगों से खादी खरीदने की अपील की थी। नतीजतन, खादी के इतिहास में पहली बार, दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित 'खादी भवन' में एक दिन में 1.52 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दिल्ली के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की खरीद में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। बयान में कहा गया है, "गांधी जयंती के अवसर पर नयी दिल्ली के मध्य में स्थित कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में अब तक के सर्वाधिक 1,52,45,000 रुपये मूल्य के खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री हुई। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने गांधी जयंती पर गांधी जी की विरासत खादी की अभूतपूर्व बिक्री का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'ब्रांड पावर' और जनता के बीच उनकी अभूतपूर्व लोकप्रियता को दिया। बयान में कहा गया है कि बिक्री के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में गांधी जयंती के दिन दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में 1,33,95,000 रुपये की बिक्री हुई थी, इस बार यह 1,52,45,000 रुपये के आंकड़े पर पहुंच गई है।

गांधी जयंती के अवसर पर पहले ग्राहक के रूप में केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने दो अक्टूबर की सुबह कनॉट प्लेस स्थित खादी भवन में खादी के कपड़े खरीदे और यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान किया। केवीआईसी के चेयरमैन के मुताबिक, पीएम मोदी कई मौकों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खादी के उत्पाद खरीदने की अपील कर चुके हैं।

20% हिस्सेदारी खरीदेगा टाटा समूह

टेमासेक से एक अरब डॉलर के अधिक के वैल्यू पर हो सकता है करार

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) टाटा ग्रुप टाटा प्ले में लगभग 20% हिस्सेदारी वापस खरीदने के लिए टेमासेक होल्डिंग्स के साथ बातचीत कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। एक रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से कहा गया है कि इस सौदे के लिए मनोरंजन सामग्री वितरण मंच टाटा प्ले का मूल्य 1 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। सूत्रों ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि टाटा ग्रुप और सिंगापुर के सरकारी निवेशक टाटा प्ले लिमिटेड में करीब 20 पर्सेंट हिस्सेदारी को लेकर बातचीत के अंतिम चरण में हैं, लेकिन इस बात की कोई निश्चितता नहीं है कि टेमासेक और टाटा प्ले डील के साथ आगे बढ़ेंगे। टाटा प्ले टाटा समूह और वॉल्ट डिज्नी कंपनी की ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी फॉक्स के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जो सेट-टॉप बॉक्स के माध्यम से पे टेलीविजन और अपने ऐप के माध्यम से ओवर-द-टॉप वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा प्रदान करता है। इसके पास 2.3 करोड़ कनेक्शन हैं। जुलाई में ब्लूमबर्ग ने खबर दी थी कि टाटा ग्रुप टाटा प्ले में टेमासेक की करीब 20 पर्सेंट हिस्सेदारी बायबैक करने की पेशकश करने पर विचार कर रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने उस समय ब्लूमबर्ग को बताया था कि टाटा ग्रुप को टाटा प्ले के लिए आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने के लिए नियामकीय मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसमें देरी की गई।

कई दिनों बाद लौटी हरियाली, हल्की तेजी में सोना-चांदी

आपके शहर में क्या हैं ताजे रेट?

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) गुरुवार को अगर आप सोना खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपको इसके लिए ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ेगी। लंबे वक्त से सोने और चांदी में भारी गिरावट का सिलसिला आज खत्म हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना और चांदी दोनों ही लाल हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सोने की बात करें तो आज गोल्ड शुरुआती दौर में 56,825 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था। इसके बाद इसकी कीमत में और गिरावट दर्ज की गई है और यह कल के मुकाबले 43 रुपये यानी 0.08 फीसदी कमी के साथ 56,764 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। कल वायदा बाजार में सोना 56,721 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी का क्या है हाल?

आज सोने के चांदी के दाम में भी बढ़त दर्ज की जा रही है। वायदा बाजार में चांदी 67,450 रुपये के स्तर पर खुली थी। इसके बाद इसकी कीमत में और गिरावट दर्ज की गई है और यह दोपहर 12 बजे तक 456 रुपये यानी 0.68 फीसदी की कमी के साथ 67,341 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। कल चांदी वायदा बाजार में 66,885 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई थी।

इंटरनेशनल मार्केट में क्या है सोने-चांदी का हाल?

ध्यान देने वाली बात ये है कि घरेलू बाजार की तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी कीमत में तेजी देखी जा रही है। इंटरनेशनल मार्केट में सोना 0.3 फीसदी की तेजी के साथ 1,826.49 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में 1.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है और यह 21.19 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। वहीं अमेरिका में सोना 0.3 फीसदी के साथ 1,840.90 डॉलर पर कारोबार कर रहा है।

प्रमुख शहरों में क्या है गोल्ड-सिल्वर के दाम-दिल्ली- 24 कैरेट सोना 57,310 रुपये, सिल्वर 71,100 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट गोल्ड 57,160 रुपये, सिल्वर 71,100 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट गोल्ड 57,310 रुपये, सिल्वर 73,500 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट गोल्ड 57,160 रुपये।

सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीफ फसलों की खरीदारी शुरू की, इस साल ये है लक्ष्य

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) खाद्य मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने धान की खरीद शुरू कर दी है और अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से लगभग 12.21 लाख टन अनाज खरीदा गया है। मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि तमिलनाडु, पंजाब और हरियाणा में 99,675 किसानों से एमएसपी पर 2,689.77 करोड़ रुपये का धान खरीदा गया है। इस साल 411.96 लाख हेक्टेयर के थोड़े अधिक क्षेत्र में बोए गए खरीफ धान की कटाई पिछले सप्ताह शुरू हुई है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने बफर स्टॉक बनाने के साथ-साथ किसानों के हितों की रक्षा के लिए एमएसपी पर खरीदारी शुरू की है। मंत्रालय ने चालू सत्र में 521.27 लाख टन गेहूं की खरीद का लक्ष्य रखा है जबकि एक साल पहले 496 लाख टन की वास्तविक खरीद हुई थी।

जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक शनिवार को

क्या शराब उद्योग और मिलेट्स पर बड़ा फैसला होगा?

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) जीएसटी परिषद की 52वीं बैठक शनिवार को होगी। ऐसे बात पर चर्चा शुरू हो गई हे कि इस बार की बैठक में जीएसटी परिषद कौन-कौन से बदलाव का फैसला लेगी। सूत्रों के अनुसार इस बार जीएसटी परिषद की बैठक के बाद लिकर कंपनियों को अच्छी खबर मिलेगी। जानकारी के अनुसार इस बार की बैठक में मोलासेस पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया जा सकता है। मोलासेस एक तरह का गुड़ शीरा है यह गन्ने या चुकंदर का रस निकालने के दौरान निकलता है। इसे फर्मेंट करके लिकर या शराब तैयार की जाती है। रम इसी तरीके से बनाया गया लिकर है। इस बार की जीएसटी परिषद की मीटिंग में ईवी बैटरी, बीमा कंपनियों और मिलेट्स पर लगने वाले दरों पर भी बड़ा फैसला लिया जा सकता है। जीएसटी परिषद की फिटमेंट कमिटी की ओर से मिलेट्स पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। मिलेट्स से बने आटे को खुले में बेचने पर कोई जीएसटी चार्ज नहीं करने की बात कही गई है। फिटमेंट कमिटी ने ऐसा प्रावधान करने की सिफारिश की है कि अगर आप प्री-पैकेज्ड मिलेट्स बेच रहे हैं तो आपको 18 फीसदी जीएसटी देना होगा, वहीं अगर इन अनाजों का आटा भेज रहे हैं तो इसके लिए 12 फीसदी जीएसटी देय होगा। फिटमेंट कमिटी की ओर से ईवी पर जीएसटी कटौती की मांग नहीं मानी गई है। ईवी उद्योग की ओर से ईवी बैटरी पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की गई थी। इस पर कमिटी ने तर्क दिया कि ईवी बैटरी का इस्तेमाल सिर्फ बस और गाड़ियों में नहीं होता मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामनों में भी होता है ऐसे में जीएसटी दर घटाने की सिफारिश मानने योग्य नहीं है।

देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर में 13 साल के उच्चतम स्तर पर

पीएमआई के आंकड़ों में खुलासा

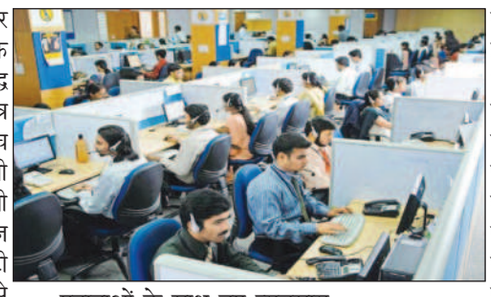

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) मजबूत मांग के बीच नए कारोबार में तेज वृद्धि से सितंबर में देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अगस्त में 60.1 से बढ़कर सितंबर में 61 हो गया, जो उत्पादन में तेज वृद्धि का संकेत है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। यह सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों के पैनल को भेजी गई प्रश्नावली के जवाब से तैयार किया गया है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय सेवा प्रदाताओं के साथ नए व्यवसाय में काफी वृद्धि हुई है, जो जून 2010 के बाद से दूसरा सबसे तेज था।

पीएमआई के नवीनतम परिणाम सेवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक खबर लाया

कुल बिक्री में वृद्धि के अलावा, फर्मों ने विदेशों से मांग में वृद्धि देखी, विशेष रूप से एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में स्थित ग्राहकों से। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, पीएमआई के नवीनतम परिणाम भारत की सेवा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए अधिक सकारात्मक खबर लेकर आए हैं, सितंबर में व्यावसायिक गतिविधि और नए काम की संख्या 13 वर्षों में सबसे बड़ी सीमा तक बढ़ी है। कारोबार के मूड में सुधार के साथ रोजगार सृजन जारी सर्वेक्षण के अनुसार, आने वाले वर्ष के लिए बाजार की गतिशीलता और उत्साहजनक मांग का अनुमान लगाने के साथ दृष्टिकोण और विश्वास में सुधार हुआ है। सकारात्मक भावना का स्तर नौ वर्षों से अधिक समय के लिए अपने उच्चतम स्तर पर था। मांग में तेजी के कारण आने वाले वर्ष के बारे में कारोबारी आशावाद में तेजी से सेवा क्षेत्र में और वृद्धि का संकेत मिलता है। कारोबार के मूड में सुधार के साथ रोजगार सृजन जारी रहा। उन्होंने कहा, 'लागत का दबाव कम होकर ढाई साल के निचले स्तर पर आ जाने से सेवा शुल्क में नरमी आई है। लीमा ने कहा, 'हालांकि बाद में संकेत मिलता है कि निकट भविष्य में उत्पादन मूल्य मुद्रास्फीति में नरमी आ सकती है, लेकिन अल नी ओ के कारण खाद्य कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव को लेकर चिंता ओं का मतलब है कि आरबीआई द्वारा अगले साल की शुरुआत तक दरों में कटौती की संभावना नहीं है।

बैंकिंग - आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ हुआ बंद

टीसीएस टाइटन के स्टॉक में जोरदार उछाल

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) दो दिनों के लगातार गिरावट के बाद बेहतर ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। बैंकिंग आईटी शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 405 अंकों के उछाल के साथ 65,631 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 109 अंकों की तेजी के साथ 19,545 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, प्राइवेट बैंक,कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इंफ्रा, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी रही जबकि हेल्थकेयर, एनर्जी, मेटल्स, एफएमसीजी, फार्मा और पीएसयू बैंक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार में आज स्मॉल कैप स्टॉक्स के इंडेक्स में तेजी रही जबकि मिड कैप शेयरों के इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 स्टॉक्स तेजी के साथ और 8 लाल निशान में बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 31 शेयर तेजी के साथ और 19 गिरावट के साथ क्लोज हुए।

बीएसई मार्केट कैप में उछाल

आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है। शेयर बाजार में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 317.90 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 316.72 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.18 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

चढ़ने-गिरने वाले स्टॉक्स

आज के कारोबार में लार्सन 2.44 फीसदी, टीसीएस 1.86 फीसदी, टाइटन 1.60 फीसदी, इंफोसिस 1.54 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.32 फीसदी, एसबीआई 1.11 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि पावर ग्रिड 1.43 फीसदी, एनटीपीसी 0.87 फीसदी, सन फार्मा 0.55 फीसदी, नेस्ले 0.34 फीसदी, एचसीएल टेक 0.31 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.30 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने एक झटके में की 345 करोड़ रुपये की तगड़ी कमाई

नई दिल्ली , 5 अक्टूबर (एजेंसिया) एप्पल के सीईओ टिम कुक अपनी बेशुमार संपत्ति के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक झटके में 345 करोड़ रुपये यानी करीब 41.5 मिलियन डॉलर की कमाई की है। टिम कुक ने पिछले दो साल के भीतर सबसे ज्यादा शेयरों की बिक्री करने के बाद टैक्स जमा करके कुल 345 करोड़ रुपये की कमाई की है। शेयर मार्केट के साथ साझा की गई जानकारी के मुताबिक उन्होंने कुल 5,11,000 शेयरों की बिक्री की है जिसके जरिए बिना टैक्स के 87.8 मिलियन डॉलर की कमाई हुई है। कंपनी की फाइलिंग से यह भी पता चला है कि 5.11 लाख शेयरों की बिक्री के बाद एप्पल प्रमुख के पास कुल 3.3 मिलियन शेयर हैं जिसकी कुल वैल्यू 565 मिलियन डॉलर से अधिक है।

एप्पल के शेयरों में हुई 13 फीसदी की गिरावट

ध्यान देने वाली बात ये है कि जुलाई में एप्पल के शेयर अपने रिकॉर्ड स्तर 198.23 डॉलर तक पहुंच गए थे। इसके बाद से अब तक कंपनी के शेयरों में 13 फीसदी तक की गिरावट देखी गई है।

टिम कुक ने अपने शेयरों की बिक्री का फैसला तक लिया है जब उन्होंने साल 2023 में अपनी सैलरी में 40 फीसदी तक की बड़ी कटौती की है। ऐसे में अब उनकी मौजूदा सैलरी 49 मिलियन डॉलर है। वहीं इस साल टिम कुक के स्टॉक अवार्ड पिछले साल की तुलना में 50 फीसदी से बढ़कर 75 फीसदी तक पहुंच गए हैं।

इन अधिकारियों ने भी की शेयरों की बिक्री

गौरतलब है कि एप्पल के सीईओ टिम कुक के अलावा अन्य सीनियर अधिकारी जैसे वाइस प्रेसिडेंट डिर्ड्रे ओ'ब्रायन और कैथरीन एडम्स ने भी अपने शेयरों की बिक्री की है। दोनों ने ही 11.3 मिलियन डॉलर के शेयर बेचे हैं।

जुलाई में शेयरों में देखी गई थी जबरदस्त तेजी

जुलाई 2023 में एप्पल के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई थी और यह बढ़कर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स इंक द्वारा कंपनी के कमजोर सेल्स की जानकारी के बाद से कंपनी के शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। जुलाई तिमाही में कंपनी की बिक्री में 1.4 फीसदी की कमी देखी गई थी। वहीं इस दौरान आईफोन की बिक्री में 2.4 फीसदी कमी आई है जो कंपनी की कुल कमाई का लगभग आधा हिस्सा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	कन्या	में
चंद्र-	मिथुन	में
मंगल	तुला	में
बुध-	कन्या	पें
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	सिंह	पें
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय

सिंह...	04-55 बजे
कन्या..	06-59 बजे
तुला...	09-10 बजे
वृश्चिक.	11-23 बजे
धनु.....	13-30 बजे
मकर..	15-20 बजे
कुंभ...	16-58 बजे
मीन...	18-34 बजे
मेष--	20-19 बजे
वृष--	22-19 बजे
मिथुन..	00-32 बजे
कर्क...	02-43 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 06-10 सूर्य अस्त- 17-57
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **06 -35-** तक उपरान्त अष्टमी
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **06 October**
नक्षत्र - आर्द्रा- **21-31** -तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - परिघ - **05 - 29** - दिन-रात तक
करण- बव - **06 -35** - तक उप- बालव
विशेष:- अष्टमी का श्राद्ध
व्रत -त्योहार - श्री महालक्ष्मी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:35 से 12:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	06:10 - 07:37 शुभ	रोग.	17:57 - 19:31 अशुभ
लाभ.	07:37 - 09:06 शुभ	काल.	19:31 - 21:02 अशुभ
अमृत.	09:06 - 10:35 शुभ	लाभ	21:02 - 22:33 शुभ
काल	10:35 - 12:04 अशुभ	उत्पात	22:33 - 00:04 अशुभ
शुभ	12:04 - 13:33 शुभ	शुभ	00:04 - 01:35 शुभ
रोग	13:33 - 15:02 अशुभ	अमृत	01:35 - 03:06 शुभ
उत्पात	15:02 - 16:31 अशुभ	चंचल	03:06 - 04:37 शुभ
चंचल	16:31 - 18:57 शुभ	रोग	04:37 - 06:10 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

दोस्त आपका परिचय किसी खास शख्स से कराएंगे जो आपके विचारों पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज दूसरों की बातों में आकर निवेश करने से आर्थिक नुकसान होने की संभावना नजर आ रही है। आज अगर परिवार का कोई सदस्य आप पर नाराज़ हो जाए तो स्थिति हाथ से बाहर जाने से पहले सीमा तय कर लें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अधिक खाने और उच्च कैलोरी वाले आहार से बचना चाहिए। दोस्तों की मदद से आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। विशेष रूप से उन लोगों के साथ उचित व्यवहार करने का प्रयास करें जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

किसी अनावश्यक बहस में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। अपने आप को याद दिलाएं कि बहस से आपको कभी कुछ हासिल नहीं होता बल्कि कुछ खोना पड़ता है। जल्दबाजी में निर्णय न लें- विशेषकर बड़े वित्तीय सौदों पर बातचीत करते समय। घर में कुछ बदलाव आपको अत्यधिक भावुक बना देंगे

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप आशा के जादुई जादू में हैं। अगर आपकी रचनात्मक प्रतिभा का उचित उपयोग किया जाए तो वह अत्यधिक लाभदायक साबित होगी। जब आप किसी समूह में हों तो आप क्या कहते हैं, इस पर नज़र रखें- आपकी आवेगपूर्ण टिप्पणियों के लिए आपकी कड़ी आलोचना हो सकती है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शराब पीने की आदत से छुटकारा पाने के लिए यह बहुत ही शुभ दिन है। आपको यह समझना होगा कि शराब पीना स्वास्थ्य का घातक दुश्मन है और यह आपकी कार्यक्षमता को भी कम करता है। धन का अचानक प्रवाह आपके बिलों और तात्कालिक खर्चों को संभाल लेता है। परिवार का कोई करीबी सदस्य आपको ईर्ष्या और चिड़चिड़ापन महसूस कराएगा

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

बच्चे आपकी पसंद के मुताबिक काम नहीं करेंगे, जिससे आप चिड़चिड़ा हो सकते हैं। आपको खुद पर संयम रखना चाहिए क्योंकि अनियंत्रित क्रोध आमतौर पर हर किसी को और क्रोधित व्यक्ति को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है क्योंकि यह ऊर्जा बर्बाद करता है और निर्णय क्षमता को धीमा कर देता है

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके लिए यह सही समय है कि आप तंबाकू का सेवन बंद कर दें अन्यथा बाद में आपके लिए इस आदत से छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा और इसका सेवन न केवल आपके शरीर को कमजोर करता है बल्कि दिमाग पर भी इसका असर डालता है। आज निवेश से बचना चाहिए।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

पारिवारिक समस्याओं को पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पालन-पोषण करने वाले जोड़े के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने के लिए कुछ समय एक-दूसरे के लिए बिताएं। आपके बच्चे भी घर में खुशियों और शांति के स्पंदन को महसूस करेंगे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

स्वयं को किसी रचनात्मक कार्य में व्यस्त रखें। आपकी खाली बैठे रहने की आदत मानसिक शांति के लिए घातक साबित हो सकती है। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे अपनी उंगलियों से फिसलने न दें। आज आप नए उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके लिए यह समझने का समय आ गया है कि मानसिक शत्रु शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति को कम कर देते हैं इसलिए किसी भी अवांछित विचार को मन में न आने दें। आज आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, जिसके कारण आपका धन काफी खर्च होगा। आपके मित्र उस समय आपको निराश कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आपकी आर्थिक परेशानी बढ़ा सकता है। अपने परिवार के सदस्यों को यह निर्णय न लेने दें कि आज आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आपकी लव लाइफ के लिहाज से दिन शानदार है। प्यार करते रहो. कार्यक्षेत्र में चीज़ें थोड़ी परेशानी भरी लग रही हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आपकी आर्थिक परेशानी बढ़ा सकता है। अपने परिवार के सदस्यों को यह निर्णय न लेने दें कि आज आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आपकी लव लाइफ के लिहाज से दिन शानदार है। प्यार करते रहो. कार्यक्षेत्र में चीज़ें थोड़ी परेशानी भरी लग रही हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मालदीव में चल गया चीनी पैंतरा

नए राष्ट्रपति बोले– भारतीय सेना हटाकर रहेंगे, क्या है पीछे की पूरी कहानी

माले, 5 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। भारत की जमीन से महज 1200 किमी दूर बसा 5 लाख आबादी वाला छोटा सा देश, जो अपने खूबसूरत आइलैंड्स के लिए जाना जाता है। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज काम से छुट्टी मिलते ही अकसर वहीं घूमते पाए जाते हैं। हम बात कर रहे हैं मालदीव की। इन दिनों ये देश राजनीतिक वजहों से चर्चा में है।

मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद मोइज्जू की जीत हुई है। मोहम्मद मुइज्जू चीन समर्थक माने जाते हैं और उन्होंने अपने पहले ही बयान में ये साबित कर दिया। मुइज्जू ने कहा कि वो अपने चुनावी वादे पर डटे हुए हैं और भारतीय सेना को मालदीव के आर्किपेलागो (द्वीपसमूहों) से हटाएंगे।

भारत और मालदीव की दोस्ती काफी पुरानी है। 1988 में राजीव गांधी ने सेना भेजकर मौमून अब्दुल गयूम की सरकार को बचाया था। 2004 में जब सुनामी आई तो भारत का ही पहला प्लेन मदद लेकर पहुंचा था। कोरोना महामारी के समय भारत ने मालदीव को कोविशील्ड वैक्सीन गिफ्ट के तौर पर दी थी।

मालदीव के नए राष्ट्रपति का रुख भारत के लिए चिंता का सबब क्यों है, भारत का समर्थन करने वाला देश अब सेना बाहर करने की बात क्यों कर रहा है?

मालदीव में 2 साल पहले शुरू हुआ 'इंडिया आउट' कैम्पेन

2018 की बात है। चीन के करीबी और पीपीएम के नेता राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन राष्ट्रपति चुनाव हार जाते हैं। बाद में उन्हें हवालेबाजी और एक अरब डॉलर के सरकारी धन का दुरुपयोग करने का दोषी पाया गया। 2019 में यामीन को पांच साल की सजा हुई। नए राष्ट्रपति बने इब्राहिम मोहम्मद सोलिह, जो 'इंडिया फर्स्ट' की पॉलिसी पर चलते थे।

कोरोना के चलते यामीन की जेल की सजा को नजरबंदी में बदल दिया गया। नवंबर 2021 में यामीन के खिलाफ लगे सारे आरोप खारिज कर दिए गए और 30 नवंबर को रिहा कर दिया गया। इसके बाद उनका दोबारा राजनीति में आने का रास्ता भी साफ हो गया। इसके बाद वह चुनाव प्रचार में जुट गए और अक्सर अपने भाषणों में लोगों से अपील करने लगे कि अपने घरों की दीवारों पर 'इंडिया आउट' लिखें।

2023 के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद सोलिह के खिलाफ मोहम्मद मुइज्जू ने दावेदारी पेश की। उन्होंने मालदीव में कथित भारतीय सेना की उपस्थिति के खिलाफ 'इंडिया आउट' का नारा दिया था और इसे लेकर कई विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किए। यह अभियान इस बात पर आधारित था कि भारतीय सैनिकों की मौजूदगी मालदीव की संप्रभुता के लिए खतरा है।

पिछले शनिवार को मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आए। चुनाव में प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव यानी पीपीएम के नेता मोहम्मद मुइज्जू की जीत हुई। पीपीएम गठबंधन को चीन के साथ करीबी रिश्तों के लिए जाना जाता है। मुइज्जू की जीत के साथ ही ये अटकलें तेज हो गईं कि अब तक मौजूदा राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की 'इंडिया फर्स्ट' पॉलिसी वाले मालदीव का रुख बदल जाएगा और ये भारत के लिए परेशानी बन सकता है।

चीन समर्थक मुइज्जु को चुनाव जीतने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बधाई भी दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'मालदीव के राष्ट्रपति चुने जाने पर डॉ. मोहम्मद मुइज्जू को बधाई। भारत मालदीव के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।'

इसके एक दिन बाद ही सोमवार को मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह अपने चुनावी वादे पर डटे हुए हैं और भारतीय सेना को मालदीव के आर्किपेलागो यानी द्वीपसूमह से हटाएंगे। मुइज्जू ने ये भी कहा कि विदेशी सेना की वापसी तय नियमों के तहत होगी और जिनका सहयोग जरूरी होगा, उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

मालदीव में भारतीय सेना कर क्या रही है?

भारत ने मेडिकल इवैकुएशन

और हिंद महासागर में समुद्री निगरानी में मदद के लिए मालदीव को दो हेलिकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान दान में दिया था। इस समय मालदीव में तैनात 75 भारतीय सैनिकों में से अधिकांश विमान के रख-रखाव और ऑपरेट करते हैं।

भारतीय सेना लंबे समय से मालदीव में है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में नेशनल सिक्योरिटी कॉलेज में सीनियर रिसर्च फेलो डॉ. डेविड ब्रूस्टर कहते हैं कि भारतीय सैनिक मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के तहत काम करते हैं। उनका मुख्य काम एक विमान और दो हेलिकॉप्टरों को छोटे द्वीपों से मरीजों को इलाज के लिए अस्पतालों तक पहुंचाने में इस्तेमाल करने के लिए सहयोग देना है। मैं इस बात से हैरान हूं कि मुइज्जू और उनके समर्थक सोचते हैं कि यह बुरी बात है।

क्या चीन के बढ़ते दखल की वजह से मालदीव ऐसा कर रहा?

साल 2008 से पहले मालदीव में मौमून अब्दुल गयूम का शासन था। इस दौरान मालदीव संतुलनवादी नीति अपनाता था। यानी किसी भी देश का खुलकर समर्थन नहीं करता था, लेकिन 2008 में मोहम्मद नशीद मालदीव के राष्ट्रपति बने। इसके बाद से मालदीव ने भारत की ओर अपने झुकाव को सार्वजनिक किया। इस दौरान नशीद ने खुलकर चीन की आलोचना की।

वहीं 2013 में अब्दुल्ला यामीन सत्ता में आए। उन्होंने भी मुखर विदेश नीति की परंपरा अपनाई। हालांकि, उनका झुकाव चीन की ओर था। इस दौरान यामीन ने माले को हुलहुमाले द्वीप से जोड़ने वाले 2.1 किमी लंबे चार लेन वाले ब्रिज का उद्घाटन किया था।

यह एकमात्र ब्रिज है जो द्वीपसमूह में द्वीपों को जोड़ता है जहां लोग अलग-अलग एटोल के बीच नावों पर यात्रा करते हैं। बीजिंग ने इस प्रोजेक्ट के लिए 200 मिलियन डॉलर दिए। सालों तक चीन को इस छोटे देश में कोई दिलचस्पी नहीं थी। यहां तक कि 2012 तक मालदीव में चीन का एक भी दूतावास नहीं था।

हालांकि, यामीन की सरकार के एक फैसले से सब कुछ बदल गया। यह फैसला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी एफटीए पर समझौते का था। इससे मालदीव से होने वाले मछली के निर्यात पर से शुल्क लगना बंद हो गया और द्वीपसमूह को चीनी वस्तुओं और सेवाओं के लिए खोल दिया गया।

चीन ने मालदीव में अन्य प्रोजेक्ट के अलावा ब्रिज और एक एयरपोर्ट बनाने के लिए एक अरब डॉलर से अधिक का कर्ज दिया। साल 2018 में फिर मालदीव की विदेश नीति भारत की ओर मुड़ गई। राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के सत्ता में आते ही भारत और मालदीव फिर पास आ गए।

सोलिह की सरकार ने यामीन पर देश को चीनी कर्ज के जाल में फंसाने का आरोप लगाया। 6.1 अरब जीडीपी वाले मालदीव पर जीडीपी का 113% कर्ज है। मालदीव सभी क्षेत्रों में भारत पर बहुत अधिक निर्भर है, चाहे वह बुनियादी ढांचे के विकास की बात हो या स्वास्थ्य और शिक्षा की, मालदीव भारत की मदद इन क्षेत्रों में लेता है।

वहीं एक्सपर्ट कहते हैं कि भारत का करीबी होने के साथ ही इब्राहिम मोहम्मद सोलिह सरकार किसी देश की विरोधी नहीं रही है। इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने कॉमनवेल्थ के साथ मालदीव के रिश्तों की फिर शुरुआत की। चीन के साथ बेहतर संबंध रखे और कई देशों के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किए।

मालदीव में चीन समर्थक सरकार का बनना भारत के लिए चिंता की बात क्यों है?

चीन के लिए मालदीव सामरिक रूप से काफी अहम है। मालदीव रणनीतिक रूप से जिस समुद्र में बसा है वो काफी अहम है। चीन की मालदीव में मौजूदगी हिंद महासागर में उसकी रणनीति का हिस्सा है। 2016 में मालदीव ने चीनी कंपनी को एक द्वीप 50 सालों की लीज पर महज 40 लाख डॉलर में दे दिया था।

भारत के लिए भी मालदीव कम महत्वपूर्ण नहीं है। मालदीव भारत के बिल्कुल पास में है और वहां चीन पैर जमाता है तो भारत के लिए चिंतित होना लाजमी है। भारत के लक्षद्वीप से मालदीव करीब 700 किलोमीटर दूर है और भारत के मुख्य भूभाग से 1200 किलोमीटर।

विपरीत हालात में मालदीव से चीन का भारत पर नजर रखना आसान होगा। मालदीव ने चीन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है। यह भी भारत के लिए हैरान करने वाला कदम था। इससे साफ है कि मालदीव भारत से कितना दूर हुआ है और चीन के कितना करीब आ गया है।

अब आखिर में भारत-मालदीव की दोस्ती से जुड़ा 35 साल पुराना एक किस्सा

3 नवंबर 1988 की बात है। मालदीव के राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम भारत यात्रा पर आ रहे थे, लेकिन ऐन वक्त पर यह दौरा रद्द हो गया। गयूम के खिलाफ विद्रोह की योजना बन रही थी। इसका प्लान मालदीव के व्यापारी अब्दुल्ला लुथूफी और उसके साथी सिक्का अहमद इस्माइल मानिक ने बनाया था।

लुथूफी ने बगावत को अंजाम देने के लिए श्रीलंका के तमिल विद्रोही संगठन पीपुल्स लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ तमिल ईलम के उग्रवादियों का सहारा लिया। इसी दिन हथियारबंद उग्रवादियों ने राजधानी माले की सरकारी इमारतों को अपने कब्जे में ले लिया।

इसकी भनक पाते ही राष्ट्रपति गयूम सेफ हाउस में चले गए। उन्होंने भारतीय पीएम राजीव गांधी से सेना भेजने की अपील की। इसके बाद राजीव गांधी ने मदद का आदेश दिया।

सबसे पहले सेना ने माले के एयरपोर्ट को अपने नियंत्रण में लिया और राष्ट्रपति गयूम को सिक्योर किया। इसके बाद सेना माले से उग्रवादियों को खदेड़ने लगी। दो दिन के अंदर यह ऑपरेशन खत्म हुआ। इसे नाम दिया गया ऑपरेशन कैक्टस। इस ऑपरेशन के जरिए गयूम का तख्तापलट करने की कोशिश नाकाम कर दी गई।

छत्तीसगढ़ भाजपा में टिकट पर टेंशन

अचानक दिल्ली गए प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, राष्ट्रीय नेतृत्व ने बुलाई बैठक

रायपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा में दूसरी सूची को लेकर हुए तनाव के बीच गुरुवार सुबह अचानक प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव दिल्ली रवाना हुए। खबर है कि छत्तीसगढ़ संगठन के कुछ और नेताओं को भी साव के साथ दिल्ली बुलाया गया है। केंद्रीय नेतृत्व अचानक चुनावी मामले पर एक बैठक करने जा रहा है।

अरुण साव के यूं अचानक दिल्ली रवाना होने को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। खबर यह भी सामने आ रही है कि संगठन में पिछले दिनों टिकट बंटवारे को लेकर मचे घमासान की वजह से नाराजगी है। इस मामले पर चर्चा करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष साव को दिल्ली बुलाया गया।

केंद्रीय चुनाव समिति के राष्ट्रीय नेताओं के साथ-साथ छत्तीसगढ़ चुनाव संचालन की जिम्मेदारी संभाल रहे ओम माथुर, मनसुख मंडाविया भी साव के साथ गुरुवार

को होने वाली बैठक में शामिल हो सकते हैं।

सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों के संभावित नाम वायरल होने के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। गुजराती और सिंधी समाज के लोगों ने ओम माथुर को चिट्ठी लिखकर कह दिया कि हमारे समाज के लोगों को टिकट दिया जाए। धरसींवा से अनुज शर्मा और साजा से ईश्वर साहू जैसे लोगों के नाम सामने आने के बाद स्थानीय नेताओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया है। विरोध में अनुज शर्मा का पुतला भी जलाया गया। इसके बाद विरोध करने वाले लोग प्रदेश स्तर के नेताओं से मुलाकात करने पहुंच गए और उनका घेराव कर दिया। यह स्थिति भी संगठन में पसंद नहीं की जा रही हैं।

पिछली बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी शामिल थे

1 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक नई दिल्ली में हुई थी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल थे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, डॉ रमन सिंह और नारायण चंदेल जैसे नेता शरीक हुए थे।

केंद्रीय नेतृत्व के सामने हो चुका है प्रेजेंटेशन

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जब नाम तय किए जा रहे थे, तो केंद्रीय नेताओं को प्रत्याशियों की तस्वीर दिखाई गई, उनका पूरा बायोडाटा दिखाया गया, उनकी छवि के बारे में जानकारी दी गई। समाज में उनका कितना असर है, इसके बारे में भी बताया गया। क्यों वे जीतने वाले कैंडिडेट साबित हो सकते हैं, इसके हर पहलू को राष्ट्रीय नेताओं को समझाया गया।

रणबीर कपूर ने ईडी से मांगी 1 हफ्ते की मोहलत

रायपुर के अफसरों को भेजा ईमेल, एक्टर से सट्टा ऐप प्रमोशन को लेकर होनी थी पूछताछ

रायपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन सट्टा ऐप केस में एक्टर रणबीर कपूर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने गुरुवार को हाजिर नहीं हुए। एक्टर को ऑनलाइन सट्टा ऐप को प्रमोट करने पर समन भेजा गया था। ईडी ने शाम 5 बजे तक उनका इंतजार किया। उधर, रणबीर की ओर से ईडी को एक पत्र ईमेल किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि रणबीर ने ईमेल के जरिए एजेंसी से एक हफ्ते का समय मांगा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सौरभ चंद्रकार के बनाए ऑनलाइन सट्टा ऐप का प्रमोशन रणबीर कपूर ने किया था। इसके लिए उन्हें हवाला के जरिए कैश पेमेंट किया गया। इस मामले में एक्टर से ईडी जानना चाहती है कि वह इसका प्रमोशन कब से कर रहे हैं? इसके लिए किसने संपर्क किया और पेमेंट किस मोड में मिला।

हिरासत में लेकर पूछताछ कर सकती है ईडी

ऑनलाइन सट्टा बेटिंग ऐप केस में जांच कर रहे अफसरों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से एक्टर रणबीर कपूर को फिर से समन भेजा जाएगा। अगर दो बार समन जारी करने के बाद भी वो पूछताछ में शामिल नहीं होंगे तो ईडी की टीम रणबीर कपूर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया जा सकता है।

417 करोड की अवैध संपत्ति जब्त

ऑनलाइन सट्टा ऐप्लिकेशन से जुड़े लोगों के खिलाफ ईडी लगातार कार्रवाई कर रही है। 15 सितंबर को ईडी ने रायपुर,

भोपाल, मुंबई और कोलकाता में 39 स्थानों पर छापेमारी कर सटोरियों के ठिकानों से 417 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त की थी। इसमें बड़ी तादाद में सोने-चांदी के जेवर और कैश बरामद किया गया था।

सटोरिए की शादी में 200 करोड़ खर्च

फरवरी 2023 में सट्टा ऐप के संचालक सौरभ चंद्राकर ने दुबई में शादी की थी। इस शादी समारोह में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। परिवार को लाने और ले जाने के लिए निजी जेट किराए पर लिए गए। इसके अलावा शादी में परफॉर्म करने के लिए मशहूर सेलिब्रिटीज को बुलाया गया था। वेडिंग प्लानर, डांसर, डेकोरेटर मुंबई से हायर किए गए। हवाला चैनलों का इस्तेमाल कर इन्हें पैसे दिए गए थे। योगेश पोपट नाम के व्यक्ति की कंपनी आर-1 इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को हवाला के जरिए 112 करोड़ रुपए पहुंचाए गए और 42 करोड़ रुपए की होटल बुकिंग करवाई गई थी।

जैक में कर्मियों का आंदोलन जारी

नियमित और समायोजित करने की कर रहे मांग, संघ ने कहा – एमएसीपी का मिले लाभ

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल में कार्यरत दैनिक कर्मी पिछले चार दिनों से जैक परिसर में आंदोलनरत हैं। ये कर्मचारी अपनी कई मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन कर रहे ऐसे 240 दैनिक कर्मी हैं जो समायोजित करने और नियमित करने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में झारखंड एकेडमिक काउंसिल कर्मचारी संघ का कहना है कि यहां सृजित पर के विरूद्ध लोग काम कर रहे हैं। ये कर्मी वो सारे काम कर रहे हैं जो नियमित कर्मचारी करते हैं। ऐसे में झारखंड एकेडमिक काउंसिल को उन्हें समायोजित करते हुए नियमित करे। संघ की ओर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जैक सीनियर आईटी ऑफिसर पद पर नियुक्ति का विज्ञापन निकाला है। इसकी नियुक्ति जैक अपने स्तर पर साक्षात्कार के माध्यम से करेगी। इस पद के लिए 7600 का ग्रेड पे निर्धारित है। संघ का कहना है कि यह वेतनमान एक अधिकारी के लिए चिन्हित है। ऐसे में इस स्तर के पद पर नियुक्ति जेपीएससी के माध्यम से होनी चाहिए। संघ की माने तो जब अधिकारी स्तर के नियमित पद पर इस तरह से नियुक्ति हो सकती है तो हम दैनिक कर्मियों को समायोजित और नियमित क्यों नहीं किया जा सकता है।

हाईकोर्ट के वकील ने डॉक्टर को डंडे से पीटा

स्कूटी हटाने को लेकर हुआ विवाद दोनों पक्ष के लोग पहुंचे थाने

बिलासपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम के एक डॉक्टर के साथ हाईकोर्ट के वकील रजनीश सिंह बघेल ने मारपीट की है। स्कूटी हटाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और देखते ही देखते वकील ने डॉक्टर पर डंडे से हमला कर दिया। पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है।

दरअसल मोबाइल मेडिकल यूनिट की टीम गुरुवार दोपहर मंगला बस्ती पहुंची, जहां जॉय रेसिडेंसी के सामने क्लीनिक लगाकर मरीजों का इलाज कर रही थी। डॉक्टर अंशुल भौमिक ने अपनी स्कूटी को सड़क किनारे साइड में खड़ा कर दिया। इसी बीच वकील ने अपनी कार निकालने के लिए स्कूटी हटाने को कहा। स्कूटी

हटाने से पहले ही वकील कार से उतरे और गाली-गलौज करने लगे। विवाद बढ़ने पर डंडा लेकर दौड़ पड़े और डॉक्टर को पीटना शुरू कर दिया। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें रोकने की भी कोशिश की। अब इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। मारपीट की घटना के बाद डॉक्टर, मोबाइल यूनिट की टीम और नगर निगम की टीम सिविल लाइन थाने पहुंची। जहां मामले में वकील के खिलाफ शिकायत की है। घटना की सूचना विभाग के अधिकारियों को भी दी गई है।

झारखंड कैबिनेट में 32 प्रस्तावों पर लगी मुहर

पंचायतों पर मेहरबान हेमंत सरकार, 24 ग्राम पंचायत को 10 लाख रुपए का पुरस्कार

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। हेमंत कैबिनेट की आज बैठक हुई। इस बैठक में कुल 32 प्रस्तावों पर मुहर लगी। आज की बैठक में सरकार त्रिस्तरीय ग्राम पंचायतों पर मेहरबान हुई। मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के तहत ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत करने के प्रस्ताव पर सहमति दी गयी। यह पुरस्कार विभिन्न स्तर पर चार लाख से लेकर 20 लाख रुपए तक है।

प्रस्ताव पर लगी मुहर के अनुसार 24 ग्राम पंचायत को 10 लाख रुपए और पांच प्रखंड पंचायत को 15 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। वहीं दो जिला परिषद को 20 लाख रुपए की राशि देने पर सहमति दी गई है। पंचायतों को स्वास्थ एवं स्वच्छ प्रोत्साहन पुरस्कार भी मिलेगा। इसके तहत 24 पंचायतों को 10 लाख, प्रखंड पंचायत को 15 लाख और जिला परिषद को 20 लाख रुपए मिलेंगे। उत्कृष्ट ग्राम सभा पुरस्कार योजना के तहत 48 ग्राम सभा को चार-चार लाख रुपए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिए जाएंगे।

लोहरदगा हिंसा प्रभावितों को मिलेगा मुआवजा

मंत्रिपरिषद ने लोहरदगा में हुए हिंसा से प्रभावित लोगों को मुआवजा देने का निर्णय लिया है। जिला में 23 जनवरी 2020 को हिंसा हुई थी। सरकार ने 91 परिवारों के चल अचल संपत्ति के नुकसान के बदले 51 लाख रुपए अधिक मुआवजा भुगतान देने की स्वीकृति दी। इसके साथ ही सरकार ने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण का खाका तैयार किया है। इसे झारखंड राज्य प्रशिक्षण नीति 2023 कहा है। आज की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। वहीं कैदियों को राज्य के ओपन जेल में शिफ्ट करने के जो नियम हैं, उन्हें सरल बनाया गया है। इसे स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही पुलिस महानिदेशक

सेक्रेटरी वंदना दादेल

कार्यालय की सूची के अनुसार उन्हें ओपन जेल में शिफ्ट करने को स्वीकृति दी गई।

राज्य में कई थानों का होगा निर्माण

आज की कैबिनेट की बैठक में सरकार ने कई जगहों पर थाना बनाने का निर्णय लिया है। ये थाने रांची के विधानसभा, साहिबगंज में गंगा नदी थाना, बोकारो में चीराचास थाना, चाईबासा में कोरिया थाना होगा। वहीं रांची में चामा और जलगा ओपी खोले जाएंगे। रांची में राहे को उत्क्रमित कर थाना बनाया गया।

तारा शाहदेव प्रताड़ना मामले में सजा का एलान

रंजीत कोहली को आजीवन कारावास, कौशल रानी को 10 साल और मुश्ताक अहमद को 15 साल सश्रम कारावास

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल शूटर रह चुकी तारा शाहदेव प्रताड़ना मामले में सजा का ऐलान कर दिया गया है। सीबीआई कोर्ट ने रंजीत कोहली को आजीवन कारावास की सजा दी है। इसके साथ ही 50 हजार जुर्माना भी लगाया है। रंजीत कोहली की मां कौशल रानी को 10 साल की सजा देते हुए पचास हजार का जुर्माना लगाया है। हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुस्ताक अहमद को भी सजा दी है। इसे 15 साल सश्रम कारावास के साथ 50 हजार जुर्माना लगाया है।

रांची सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने रंजीत कोहली को आईपीसी की धारा 120बी, 376,323,298,506 और 496 के तहत दोषी माना है। वहीं कौशल्या रानी को आईपीसी की धारा 120बी,298,506 और 323के तहत दोषी माना है। वहीं हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुस्ताक अहमद को आईपीसी की धारा 120बी और 298 में दोषी पाया है। अदालत ने इससे पहले 30 सितंबर को अपना फैसला सुनाया है। फैसला सुनाते हुए अदालत ने मुख्य आरोपी रणजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल हसन, उसकी मां कौशल रानी, हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुस्ताक अहमद को दोषी करार दिया। सीबीआई की विशेष अदालत ने तीनों को साजिशन जबरन धर्म परिवर्तन करने, धोखे में रखकर शादी करने, मारपीट, कुत्ता से कटवाने और गाली-गलौज करने का दोषी पाया है। इस मामले में ओवरी लोक अभियोजक प्रियांशु सिंह लोक, अभियोजक रवि कुमार ने 26 गवाहों का बयान दर्ज कराया था। इसके आधार पर अभियुक्तों को दोषी पाया गया।

साल 2015 में सीबीआई ने लिया था मामला

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने 2015 में इस केस को टेक ओवर किया था। इस मामले की सुनवाई लगभग आठ साल चली है। जिसमें तीनों आरोपियों के खिलाफ तीन जुलाई 2018 को आरोप गठित किया गया था।

सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया से रोक हटी

हाईकोर्ट ने दिया निर्देश, कहा – प्रार्थियों के लिए रखें 100 सीट

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 26 हजार सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया पर लगी रोक को हाईकोर्ट ने हटा दिया है। अब आवेदन की प्रक्रिया फिर शुरू होगी। नियुक्ति प्रक्रिया में बीआरपी-सीआरपी को 50 फीसदी आरक्षण नहीं दिए जाने को लेकर दायर याचिका पर आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने संसोधित आदेश पारित किया। जेएसएससी को निर्देश देते हुए कहा कि पार्थियों के लिए एक सौ सीट रखें। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि यह नियुक्ति प्रक्रिया अदालत के अंतिम निर्णय से प्रभावित होगी।

रामास्वामी बोले- व्हाइट हाउस में सीईओ रखने का समय आया

यूक्रेनी राष्ट्रपति हमें फंडिंग के लिए धमकाता है, मैं प्रेसीडेंट बनने की रेस में आगे

वॉशिंगटन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी से भारतीय मूल के कैंडिडेट विवेक रामास्वामी ने कहा है कि अब वक्त आ गया कि व्हाइट हाउस में एक सीईओ रखा जाए। उन्होंने कहा- मैंने मल्टी बिलियन डॉलर की कंपनियां बनाई हैं। मुझे लगता है कि अब व्हाइट हाउस में भी एक सीईओ होना चाहिए।

फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में रामास्वामी ने कहा कि मैं रिपब्लिकन पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की राह पर हूं। 6 महीने पहले, इस देश के ज्यादातर लोग जानते तक नहीं थे कि मैं कौन हूं। वहीं, अब मैं नेशनल एवरेज पोलिंग में तीसरे नंबर पर हूं। 'यूक्रेन ने 11 पार्टियों को बैन किया' रामास्वामी ने कहा है कि अगर वो चुनाव जीते तो जंग लड़ने के लिए यूक्रेन को दिए जाने वाले फंड में कटौती करेंगे।

यूक्रेन पर पहले दिए बयानों का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि अगर पुतिन तानाशाह हैं तो यूक्रेन भी भला नहीं है।

रामास्वामी ने कहा यूक्रेन में 11 विपक्ष की पार्टियों पर बैन लगा है, जिसका राष्ट्रपति पिछले हफ्ते ही अपने ही देश में एक नाजी की तारीफ कर रहा था। रामास्वामी ने दावा किया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति ने वॉशिंगटन को धमकी देते हुए कहा, जब तक उसे फंड नहीं मिलेगा, तब तक वह यूक्रेन में जनरल इलेक्शन नहीं कराएगा।

ये चुनाव मेरे और ट्रम्प के लिए नहीं अमेरिका के लिए

अरबपति रामास्वामी ने कहा, मेरा नॉमिनेशन मेरे या ट्रम्प के बारे में नहीं है। यह नॉमिनेशन अमेरिका के लिए है। सोशल मीडिया पर पूछे एक सवाल के जवाब में रामास्वामी ने कहा, कैंडिडेट निक्की हेली टिकटॉक बैन करने की मांग करती हैं पर वो अपने प्रचार में इस मंच का इस्तेमाल करती हैं। निक्की हेली खुद की बेटी टिकटॉक यूज करती है।

रामास्वामी बोले हमें इस देश में बदलाव लाने के लिए इलेक्शन जीतना होगा। मैं भारी जीत हासिल कर देश के युवाओं तक पहुंचना चाहता हूं ताकि, हम 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया यूज पर बैन लगाने जैसी पॉलिसी ला सकें।

बच्चों की देखभाल के लिए 83 लाख सैलरी देंगे रामास्वामी

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी अपने दो बच्चों की देखभाल के लिए नैनी की तलाश कर रहे हैं। भारतीय मूल के बिलेनियर ने इसके लिए एक रिक्रूटमेंट वेबसाइट पर ऐड दिया है।

ऐड में बताया गया है कि सिलेक्टेड कैंडिडेट को 1 लाख डॉलर यानी करीब 83 लाख रुपए सैलरी दी जाएगी। अमेरिकी मीडिया बिजनेस इनसाइडर के अनुसार, ये जॉब एस्टेटजॉब्स.कॉम पर लिस्ट की गई है।

हफ्ते में एक दिन मिलेगी छुट्टी

जॉब के डिसक्रिप्शन में इसे हाई प्रोफाइल फैमिली ज्वॉइन करने का अच्छा मौका बताया गया है। फैमिली एडवेंचर्स में शामिल होते हुए बच्चों की ग्रोथ और डेवलपमेंट में योगदान देना होगा। नैनी को विकली रोटेशनल शेड्यूल के हिसाब से काम करना होगा और हफ्ते में 1 दिन छुट्टी मिलेगी।

पेरिस ओलंपिक से पहले खटमलों से परेशान हुआ फ्रांस

नेशनल एक्शन प्लान बनाने की उठी मांग

पेरिस, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस इन दिनों खटमलों के आतंक से जूझ रहा है। फ्रांस में हर जगह खटमलों की संख्या बढ़ रही है। खासकर फ्रांस के पेरिस और मार्सेले शहर इस समस्या से ज्यादा जूझ रहे हैं। इससे लोगों में एक तरह की घबराहट है। बता दें कि फ्रांस में करीब 10 महीने पहले खटमलों की बढ़ती संख्या को लेकर चिंता शुरू हुई थी। अब जब अगले साल पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन होना है तो इसे लेकर फ्रांस की सरकार चिंतित है।

फ्रांस में इस साल गर्मी के मौसम में फ्रांस के होटल्स और अन्य पर्यटक स्थलों पर खटमल पाए गए थे। धीरे धीरे इन खटमलों ने फ्रांस के शहरों में हर जगह फैलना शुरू कर दिया है। अब सिनेमा हॉल, ट्रेनें-बसों और घरों में खटमल दाखिल हो गए हैं।

खटमल-मच्छरों का खात्मा करने वाली कंपनियों ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं और कहा है कि वह काबू नहीं कर पा रहे हैं। ओलंपिक के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक पेरिस आएंगे तो उसे देखते हुए फ्रांस की सरकार चिंतित है। इससे फ्रांस में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही हैं। पेरिस के डिप्टी मेयर इमैनुएल ग्रेगोरी ने प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न को पत्र लिखकर इस समस्या के खिलाफ नेशनल एक्शन प्लान बनाने की मांग कर रहे हैं।

परिवहन कंपनियों ने की बैठक

बता दें कि खटमलों में प्रजनन दर बहुत ज्यादा होती है और यही वजह है कि यह तेजी से फ्रांस में फैलते जा रहे हैं।

इस हफ्ते ही फ्रांस की सार्वजनिक परिवहन की कंपनियों ने देश के परिवहन मंत्री के साथ बैठक कर खटमलों की समस्या से छुटकारा पाने पर चर्चा की।

काफी मशक्कत के बाद बची भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र की जान

छह बार दिल ने काम करना कर दिया था बंद

लंदन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंदन में पढ़ रहे एक भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र से जुड़ा अजीबोगरीब मामला सामने आया है। छात्र की छह बार दिल की धड़कने रुकने के बावजूद उसे बचा लिया गया। टेक्सास के बायलर विश्वविद्यालय के छात्र अतुल राव के फेफड़ों में खून का थक्का जम गया था। जिसके कारण हृदय से रक्त का प्रवाह थम गया। खून का संचार रुकने से छात्र को दिल का दौरा पड़ा। लंदन स्थित इंपीरियल कॉलेज हेल्थकेयर एनएचएस ट्रस्ट हैमरस्मिथ हॉस्पिटल के हार्ट अटैक सेंटर में ले जाया गया। वहां पुष्टि हुई कि छात्र के फेफड़ों में रक्त के थक्के जमे हुए थे। हैमरस्मिथ अस्पताल के कर्मचारियों ने अतुल को जिंदा रखने के लिए रात भर कोशिश की। उपचार के दौरान खून का थक्का खत्म करने वाली दवा दी गई। अन्य जीवन रक्षक मशीनों की मदद से उनकी जान बचाई गई। एम्बुलेंस सेवा का पैरामेडिक निक सिललेट ने कहा कि जब मैंने अतुल की स्थिति देखी तो मुझे लगा कि यह नहीं बच पाएगा। लेकिन इस भयानक घटना के बाद फिर से उसके माता-पिता के साथ बातचीत करता देख मुझे खुशी हुई। वहीं हैमरस्मिथ अस्पताल में क्रिटिकल केयर सलाहकार डॉ. लौइट ठाकुरिया ने कहा यह वास्तव में एक टीम प्रयास था। यह सौभाग्य की बात है कि आपसी सहयोग के कारण उसकी जान बचाई जा सकी। घटना के बाद छात्र की मां ने कहा कि मेरे बेटे को मुझे वापस देने के लिए मैं डॉक्टरों का आभार व्यक्त करती हूं।

चक्रवात की चेतावनी के बावजूद हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

बीजिंग, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने बुधवार और गुरुवार को ताइवान को घेरने के लिए अपने एक सैन्य एयरक्राफ्ट के साथ तीन शिप्स को साथ भेजा। चौंकाने वाली बात यह है कि ड्रैगन ने यह हरकत ऐसे समय में की है, जब ताइवान जलडमरूमध्य में भीषण चक्रवात आने की चेतावनी जारी की गई है। इसके बावजूद चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वायुसेना और नौसेना ने अपने एयरक्राफ्ट और शिप्स को ताइवान की सीमा के काफी करीब भेज दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, चीन के विमान और जहाजों के मार्ग का खुलासा नहीं हो सका, क्योंकि यह सभी ताइवान और चीन के बीच जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार नहीं कर पाए थे। ऐसे में ताइवान की रक्षा प्रणालियां भी अलर्ट नहीं हुई थीं। मंत्रालय ने कहा कि वह चीन की हरकतों पर नजर रखने के लिए जरूरी उपकरणों को तैयार रख रहा है।

पूर्व अमेरिकी स्पीकर को ऑफिस खाली करने का नोटिस

पेलोसी का जबाव- कानूनी काम पर फोकस करें

वॉशिंगटन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के शीर्ष पदों में एक संसद की स्पीकर का होता है। अमेरिकी हाउस की पूर्व स्पीकर नैंसी पेलोसी की जगह अब प्रो-टेम स्पीकर पैट्रिक मैक हेनरी पदभार संभाल रहे हैं। हेनरी ने पदभार संभालने के चंद घंटों के भीतर ही नैंसी को कैपिटोल हिल का दफ्तर खाली करने का निर्देश दे दिया।

पहली बार मतदान, पद से हटाए गए स्पीकर

द हिल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में पहली बार स्पीकर को हटाने के लिए वोटिंग कराई गई। कैलिफोर्निया से निर्वाचित रिपब्लिकन केविन मैक्कार्थी को ऐतिहासिक मतदान के बाद हटाया गया। उनकी जगह मैक हेनरी ने ली। मतदान की प्रक्रिया के बाद पद से हटाए जाने से पहले मैक्कार्थी ने स्पीकर के रूप में 269 दिनों तक काम किया।

किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल

उनका कार्यकाल 7 जनवरी, 2023 को शुरू हुआ और अमेरिका के स्थानीय समय के मुताबिक मंगलवार को भी मैक्कार्थी पद पर बने रहे। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के इतिहास में किसी भी स्पीकर का दूसरा सबसे छोटा कार्यकाल मैक्कार्थी के हिस्से में आया है।

रिपब्लिकन को नाराज करने का खामियाजा

फ्लोरिडा से निर्वाचित रिपब्लिकन मैट गेट्ज़ के नेतृत्व में मैक्कार्थी को हटाने की मुहिम शुरू हुई थी। राष्ट्रपति बाइडेन के प्रशासन को अपदस्थ करने के मकसद से एकजुट हुए रिपब्लिकन उस समय निराश हुए जब डेमोक्रेट सांसद मैक्कार्थी के समर्थन में आ गए।

शटडाउन टालने में सफल रहे मैक्कार्थी को कुछ दिनों बाद हटाने का फैसला लिया गया। बाइडेन प्रशासन की कथित मदद करने वाले मैक्कार्थी को कट्टरपंथी रिपब्लिकन को नाराज करने का खामियाजा भुगतना पड़ा है।

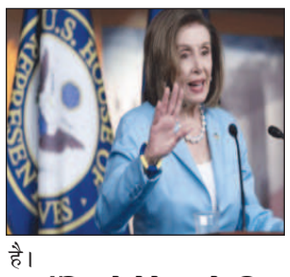

ऑफिस रेनोवेशन के लिए खाली करनी होगी जगह

अब स्पीकर की पोस्ट से जुड़ी इस खींचतान के बारे में पता लगा है कि मैक हेनरी के कार्यालय से आदेश जारी किया गया है जिसमें पेलोसी को बुधवार तक अपना कैपिटोल ऑफिस छोड़ने के लिए कहा। कारण में लिखा गया कि ऑफिस को स्पीकर कार्यालय के उपयोग के लिए पुनर्निर्मित किया जा रहा है। बता दें कि अमेरिका के शीर्ष सांसदों के लिए कैपिटोल बिल्डिंग के अंदर कुछ छिपे हुए कार्यालय होते हैं।

पेलोसी ने बताया- दफ्तर तत्काल खाली करना संभव नहीं

पेलोसी के पास जो रेगुलर दफ्तर है उसे लॉन्गवर्थ हाउस ऑफिस बिल्डिंग कहा जाता है। अपने नियमित कार्यालय के अलावा पेलोसी के पास हाइडअवे ऑफिस भी है। मैकहेनरी की घोषणा के बाद, पेलोसी ने मंगलवार देर रात एक बयान में कहा कि वह अपना सामान तुरंत निकाल सकें, ऐसा संभव नहीं था, क्योंकि वह ऑफिस खाली कर दूसरी जगह दाने के लिए वाशिंगटन, डीसी में नहीं थीं।

ऑफिस नंबर एच-132 खाली करना होगा

मंगलवार शाम 6 बजे के ठीक बाद, मैकहेनरी के कार्यालय से पेलोसी के कार्यालय को एक ईमेल भेजा गया था। अमेरिकी प्रसारक सीएनएन ने उस बयान की पुष्टि भी की। इसमें लिखा था, स्पीकर कार्यालय के उपयोग के लिए एच-132 को फिर से आवंटित करने जा रहा हूं। कृपया इस ऑफिस को खाली कर दें।

अमेरिकी संसद की परंपरा से विचलन

मंगलवार देर रात पेलोसी ने हेनरी के प्रस्ताव की निंदा की। उन्होंने कहा, रिपब्लिकन नेतृत्व को कई महत्वपूर्ण फैसले कर अहम मुद्दों का समाधान करना चाहिए। हम सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नए प्रो-टेम स्पीकर की गई पहली कार्रवाइयों में से एक मुझे कैपिटोल में अपना कार्यालय तुरंत खाली करने का आदेश देना है।

उन्होंने कहा कि इस तरह का निष्कासन अमेरिकी संसद की परंपरा से तीव्र विचलन है। उन्होंने आगे कहा, स्पीकर के रूप में, मैंने पूर्व स्पीकर हेस्टर्ट को जब तक वह चाहें तब तक पद पर बने रहने का मौका दिया।

पेलोसी ने मैकहेनरी और हाउस में मौजूद रिपब्लिकन से ऐसी हरकतों के बदले कानून से जुड़े काम-काज पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

सुनक बोले- लोग अपनी मर्जी से सेक्स नहीं चुन सकते

कहा- ब्रिटेन में रंगभेद नहीं, मुझे पहला ब्रिटिश-एशियाई पीएम होने पर गर्व

लंदन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को अपने इलेक्शन कैंपेन की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा- एक पुरुष हमेशा पुरुष है और महिला एक महिला है। ये कॉमन सेंस की बात है। लोगों को इस भ्रम में नहीं डालना चाहिए कि वे अपनी मर्जी से अपना सेक्स चुन सकते हैं।

सुनक ने कहा- हम इस देश को बदलने जा रहे हैं और इसका मतलब है, जीवन का अर्थ जीवन है। यह कोई विवाद वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए। ज्यादातर लोग इससे सहमत हैं। माता-पिता के लिए यह जानना भी विवादों से घिरा नहीं होना चाहिए कि उनके बच्चे रिश्तों के बारे में स्कूल में क्या सीख रहे हैं। सुनक के इस बयान ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। कुछ लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, लेकिन कई लोग ट्रांसजेंडर समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी से नाराज थे। कुछ लोगों

ने यह कहकर उनका मजाक उड़ाया कि उनकी बातें जनरल नॉलेज से बहुत दूर हैं।

सुनक बोले- ब्रिटेन में भेदभाव नहीं

अपने भाषण में सुनक ने कहा- ब्रिटेन किसी जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करता है। किसी के स्किन का रंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मेरी स्टोरी एक ब्रिटिश स्टोरी है। ये एक ऐसे परिवार की कहानी है, जो बहुत कम पैसों के साथ यहां आया था और 3 साल में पीएम के घर तक पहुंच गया।

कंजर्वेटिव पार्टी से आए सुनक ने अपनी स्पीच में पार्टी को महान बताया। उन्होंने कहा- मुझे पहला ब्रिटिश-एशियाई प्रधानमंत्री होने पर गर्व है। लेकिन, मुझे इससे भी ज्यादा गर्व इस बात पर है कि ये ब्रिटेन में कोई बड़ी बात नहीं है। बस याद रखें कि वो कंजर्वेटिव पार्टी थी जिसने ऐसा किया, न कि विपक्षी लेबर पार्टी ने।

कंजर्वेटिव पार्टी साहसी और क्रांतिकारी रहेगी

सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी को परिवर्तन की ताकत के रूप में पेश करते हुए अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने वादा किया कि कंजरवेटिव्स साहसी और क्रांतिकारी होंगे और सरकार के पिछले 30 सालों के ढांचे को तोड़ देंगे। सुनक 13 वर्षों से सत्ता में है। इसके बावजूद, मतदाताओं के बीच उनके लिए असंतोष बढ़ता रहा।

सुनक ने स्पीच के दौरान पर्यावरण और ट्रांस राइट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा- हम देश को वह देंगे, जिसकी उसे सबसे ज्यादा जरूरत है और जो हमेशा से नकारा गया है। यह बदलाव का समय है और हम वो करेंगे। इसमें पर्यावरण और ट्रांस अधिकारों जैसे संस्कृति को बढ़ावा देना भी शामिल है।

ब्रिटेन में 2025 में आम चुनाव होने हैं। फिलहाल ओपिनियन पोल के मुताबिक, सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी पीछे चल रही है। इस पोले के मुताबिक, विपक्षी लेबर पार्टी कंजर्वेटिव से 20% पॉइंट्स के साथ आगे है। वहीं प्रधानमंत्री सुनक लोकप्रियता के मामले में लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर से 12 अंकों से पीछे हैं।

हिजाब विरोध पर पिटाई, लड़की कोमा में गई

हाई सिक्योरिटी में इलाज चल रहा, पेरेंट्स के फोन जब्त ताकि मामला दबा रहे

तेहरान, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान में एक बार फिर महिलाओं के हिजाब पहनने पर सख्ती शुरू हो गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉरैलिटी पुलिस ने हिजाब नहीं पहनने पर एक 16 साल की लड़की की पिटाई की। इसके बाद टीनेजर कोमा में चली गई।

अस्पताल में भर्ती अर्मिता गेरावंड नाम की इस टीनेजर की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हादसे से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो ईरान के शोहदा मेट्रो स्टेशन का है। इसमें कुछ लड़कियां अर्मिता को बेहोशी की हालत में ट्रेन से बाहर निकालती हुई दिख रही हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप हेनगाव का कहना है कि अर्मिता का ये हाल मॉरैलिटी पुलिस ने किया है।

दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि ब्लड प्रेशर कम होने की वजह से लड़की ट्रेन में गिर गई और उसके सिर में गहरी चोट आ

गई। ये घटना कब हुई फिलहाल इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

ह्यूमन राइट्स ग्रुप हेनगाव का कहना है कि पुलिस की पिटाई के बाद इस मामले को दबाने के लिए हाई सिक्योरिटी में टीनेजर का इलाज करवाया जा रहा है। उसके परिवारवालों के फोन जब्त कर लिए गए हैं। वहीं, इस पूरे मामले को कवर करने पहुंची लोकल मीडिया की पत्रकार को हिरासत में ले लिया गया है।

लोहे के पोल से टकराने की वजह से चोट आई

एमस्टर्डम के रेडियो जमनेह ने सूत्रों का नाम नहीं बताते हुए जानकारी दी कि ट्रेन में घुसते समय टीनेजर ने हिजाब नहीं पहना था, इस वजह से मॉरैलिटी पुलिस ने उसे धक्का दिया। इसके बाद वो ट्रेन में लगे लोहे के पोल से टकरा गई। उसके सिर पर गहरी चोट आई।

पिछले साल पुलिस की पिटाई के बाद महसा की जान गई थी

ईरान पुलिस ने 13 सितंबर 2022 को महसा अमिनी नाम की युवती को हिजाब नहीं पहनने के लिए गिरफ्तार किया था। तीन दिन बाद, यानी 16 सितंबर 2022 को उसकी मौत हो गई थी। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिनी गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही कोमा में चली गई थी। उसे अस्पताल ले जाया गया।

मेडिकल रिपोर्ट्स में कहा गया कि अमिनी की मौत सिर पर चोट लगने से हुई। पुलिस ने दावा किया कि अमिनी की मौत हार्टअटैक की वजह से हुई। पुलिस की थ्योरी को महसा के परिवार ने भी खारिज कर दिया। इसके बाद युवा सड़कों पर उतर आए और हिंसा शुरू हो गई।

पाकिस्तानी मीडिया पर कंट्रोल चाहता है चीन

बीजिंग, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन पाकिस्तान की मीडिया पर कंट्रोल करना चाहता है। इसके लिए चीन ने इंटरनेशनल ऑपरेशन्स का जाल बिछाया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की गई है। चीन दुनियाभर में कई ऑपरेशन्स के जरिए पाकिस्तान समेत चीन के अन्य सहयोगी देशों में मीडिया नरेटिव को अपने पक्ष में करना चाहता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने रिपोर्ट में बताया कि चीन हर साल कई अरबों डॉलर दुनियाभर में शेयर हो रही जानकारी में हेरफेर करने पर खर्च करता है। चीन देश और कम्युनिस्ट पार्टी को लेकर सकारात्मक छवि बनाने के लिए झूठी और गलत जानकारी फैलाता है। साथ ही वो कई मुद्दों पर ऐसी अहम जानकारियों को दबा देता जो चीन के पक्ष में नहीं होती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन उन जानकारियों को भी दबाने की कोशिश करता है, जिसमें ताइवान, ह्यूमन राइट्स, साउथ चाइना सी जैसे मुद्दों पर चीन के नरेटिव के खिलाफ जाकर बात की गई हो। चीन अपने ऑपरेशन्स के जरिए ऐसी जानकारियां फैलाने की कोशिश कर रहा है, जिससे विदेशी सरकारें, पत्रकार और आम लोग भी चीन के रुख का समर्थन करें और उसकी आलोचना करने से बचें। चीन ने पाकिस्तान के साथ सहयोग और गहरा करने की बात कही है। बीजिंग के मुताबिक, इसके जरिए दोनों देशों को दुष्प्रचार से निपटने में मदद मिलेगी।

जॉन फॉसे को साहित्य का नोबेल

वॉशिंगटन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले साल यानी 2022 के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार फ्रेंच लेखिका एनी अर्नो को दिया गया था। एनी का जन्म एक सितंबर 1940 को हुआ था। वे एक फ्रांसीसी लेखक और साहित्य की प्रोफेसर हैं। उनका साहित्यिक कार्य ज्यादातर आत्मकथात्मक, समाजशास्त्र पर आधारित होता है।

नोबेल समिति ने कहा था कि अर्नो (82) को यह सम्मान साहस और लाक्षणिक तीक्ष्णता के साथ व्यक्तिगत स्मृति के अंतस, व्यवस्थाओं और सामूहिक बाधाओं को उजागर करने वाली उनकी लेखनी के लिए दिया गया।

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में इन्हें मिला सम्मान

इससे पहले बीते दिन रसायन विज्ञान के क्षेत्र में 2023 के

नोबेल पुरस्कार का एलान किया गया। इस साल यह सम्मान संयुक्त रूप से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मौंगी जी. बावेंडी, कोलंबिया विश्वविद्यालय से लुईस ई. ब्रूस और नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी में काम करने वाले एलेक्सी आई. एकिमोव को दिया गया। पुरस्कार 'क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए के लिए दिया गया।

कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल

इससे पहले बीते सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन क्षेत्र के लिए इस सम्मान के विजेताओं के नाम का एलान किया गया था। इस साल कैटालिन कारिको और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस यानी सीओवीआईडी-19 के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली।

भौतिकी का नोबेल संयुक्त रूप से इन्हें मिला

इसके बाद मंगलवार को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार का एलान किया गया। इस श्रेणी के लिए 2023 का नोबेल प्राइज संयुक्त रूप से पियरे ऑगस्टिनी, फेरेंस क्राउसज और एनी एल'हुलियर को दिया गया। इलेक्ट्रॉन्स पर अध्ययन के लिए यह सम्मान दिया गया। अवॉर्ड उन प्रायोगिक तरीकों के लिए दिया गया, जिसमें पदार्थ में इलेक्ट्रॉन की गतिशीलता के अध्ययन के लिए प्रकाश के एटोसेकंड पल्स उत्पन्न किए गए।

बाइडेन के कुत्ते को व्हाइट हाउस से निकाला

वॉशिंगटन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के डॉग 'कमांडर' को व्हाइट हाउस से निकाल दिया गया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक उसने सीक्रेट सर्विस की फीमेल अफसर को काट लिया था। ये 11वीं बार था जब बाइडेन के डॉग ने व्हाइट हाउस या सीक्रेट सर्विस के स्टाफ पर अटैक किया। बाइडेन की पत्नी जिल की प्रवक्ता एलिजाबेथ एलेक्जेंडर ने बुधवार को कमांडर के अमेरिकी राष्ट्रपति भवन से निकाले जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कमांडर अब व्हाइट हाउस में नहीं है। राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी पत्नी व्हाइट हाउस के स्टाफ की सेफ्टी चाहते हैं। इसलिए ये फैसला किया गया है। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि कमांडर को कहां भेजा गया है। आखिरी बार 2 साल के जर्मन शेफर्ड - कमांडर को पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस की बालकनी में देखा गया था। ये पहली बार नहीं है जब व्हाइट हाउस से बाइडेन के डॉग को सीक्रेट सर्विस के स्टाफ पर हमला करने के लिए निकाला गया है। इससे पहले भी उनके मेजर नाम के जर्मन शेफर्ड को निकाल दिया गया था। उसे डेलावेयर में बाइडेन के निजी घर भेज दिया गया था। वहीं, कमांडर को बाइडेन के भाई जेम्स ने उन्हें दिसंबर 2021 में गिफ्ट किया था। बाइडेन के पास विलो नाम की एक बिल्ली भी है। अक्टूबर 2022 से जनवरी तक आए अटैक के मामलों के बाद बाइडेन को इस मामले में निजी तौर पर दखल देना पड़ा था।

भाजपा विरोधियों पर ईडी की 95 प्रतिशत कार्रवाई- पायलट

कहा- जनता सब देख रही हैं, 2024 में सही निर्णय लेगी

टोंक, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीडबुल्यूसी सदस्य, पूर्व डिप्टी सीएम टोंक विधायक सचिन पायलट दो दिवसीय के दौरे के दौरान गुरुवार को कई कार्यक्रमों में शामिल हुए और लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया और कोर्ट में लिफ्ट का लोकार्पण किया।

मीडिया से बातचीत में पायलट ने कहा कि ईडी, सीबीआई की पांच -साल में की गई कार्रवाई 95 प्रतिशत केंद्र सरकार, भाजपा के विरोधियों पर हुई है। जिस तरह से इन जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई

हो रही है, उससे शक हो हो रहा है कि इनकी मंशा क्या है , सत्ता से जुड़े लोगों पर की कार्रवाई नहीं होती है। कोई छापे नहीं पड़ते है। ये सब जनता देख रही है। अब जनता ही 2024 में सही निर्णय लेगी।

उद्योगपतियों के लोन माफ हो रहे हैं

पायलट ने कहा कि गरीब-अमीर की खाई बढ़ती जा रही है। उद्योगपतियों के लोन माफ हो रहे है। इस पर कोई चर्चा के लिए तैयार नहीं है। बेरोजगारी कैसे कम हो, इसका कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है।

अधिकारियों की बैठक ली

पायलट ने गुरुवार सुबह सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया। फिर सर्किट हाउस में ही अधिकारियों की बैठक ली और दिशा निर्देश दिए ।उ

पायलट के दौरा कार्यक्रम में सभापति अली अहमद, कांग्रेस नेता सउद सईदी, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष शैलेद्र शर्मा, एडवोकेट महावीर तोगड़ा, निवाई के पूर्व विधायक कमल लोदी, विकास लोदी, महावीर साहू आदि मौजूद थे। पायलट ने आधा दर्जन गाँवों के दौरे किए ।

एक करोड़ परिवारों को एक्सट्रा फूड पैकेट देगी सरकार

अन्नपूर्णा फूडकिट योजना के लिए 360 करोड़ मंजूर

जयपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में चल रही अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में प्रदेश के 1.06 करोड़ परिवारों को चुनाव से पहले एक एक्सट्रा फूट पैकेट का किट मिलेगा। सीएम अशोक गहलोत ने इसके लिए 360 करोड़ रुपए के फ।ड की मंजूरी दी है। दीपावली और दूसरे त्यौहारों के मौके पर एक्सट्रा फूड पैकेट देने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में अपने जोधपुर दौरे के दौरान एक्सट्रा फूड पैकेट देने की घोषणा की थी। इसके तहत प्रदेश के 1.06 करोड़ परिवारों को 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच

दिए जाने वाले नियमित फूड पैकेट के अलावा एक और फूड किट मिलेगा। अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना इसी साल के बजट से शुरू की गई है।

नारायणी माताजी धाम के विकास के लिए 2.69 करोड़ रूपए मंजूर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अलवर जिले की टहला तहसील के नारायणी माताजी धाम में विकास के लिए पर्यटन विकास कोष से 2.69 करोड़ रूपए मंजूर किए हैं। इस साल बजट में पर्यटन विकास कोष के फंड को 1000 करोड़ रूपए से बढ़ाकर 1500 करोड़ रूपए किए जाने की घोषणा की गई थी। अब तक 1500 करोड़ रूपए में से 771.31 करोड़ रूपए की लागत के कामों की मंजूरी दी जा चुकी है।

पंचायती राज विभाग में मंत्रालयिक कैडर के 333 नए पद क्रिएट

कर्मचारियों ने सीएम गहलोत का आभार जताया

जयपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान पंचायती राज विभाग में मंत्रालयिक कैडर के 333 नए पद क्रिएट हुए हैं। सीएम अशोक गहलोत से कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। साथ ही कैडर पुनर्गठन और कर्मचारी हित में लिए गए फैसले पर आभार जताया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंचायती राज विभाग में मंत्रालयिक संवर्ग के 333 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारी के 25 पद, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के 50 पद, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 75 पद तथा वरिष्ठ सहायक के 183 पदों का सृजन होगा। गहलोत के इस निर्णय से विभाग के कर्मचारियों के पदोन्नति के अवसर बढ़ेंगे और

पंचायती राज संस्थाओं में कार्यों का निष्पादन और अधिक प्रभावी व सुगमता से हो सकेगा।

मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने अशोक गहलोत से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मंत्रालयिक कर्मचारियों के कैडर पुनर्गठन के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही उन्होंने कर्मचारी हित में लिए गए अन्य निर्णयों जैसे-ओपीएस बहाली, आरजीएचएस आदि के लिए गहलोत को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष राज सिंह चौधरी सहित विभिन्न पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश को मिले 100 नए फर्स्ट रिस्पॉन्स व्हीकल

प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त करने के लिए पुलिस के आधुनिकीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास से 100 फर्स्ट रिस्पॉन्स व्हीकल (एफआरवी) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस बेड़े में शामिल किए जाएंगे।

इन सभी वाहनों को आधुनिक मोबाइल डेटा टर्मिनल (एमडीटी), कैमरा, एनवीआर, वायरलेस सेट जीपीएस पब्लिक एड्रेस सिस्टम, फर्स्ट एड बाक्स, स्ट्रेचर, हेलमेट और अन्य आपातकालीन उपकरणों से युक्त किया गया है। वाहन कमांड कन्ट्रोल सेन्टरर्स में स्थित ईआरएस डायल 112 से जुड़े रहेंगे और इनकी वास्तविक लोकेशन को ट्रैक किया जा सकेगा। कमांड कन्ट्रोल सेन्टर को डायल 112 पर प्राप्त सभी कॉल पर आमजन को आपातकालीन स्थिति में नजदीकी एफआरवी को भेजकर त्वरित गति से सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी और अपराधों की बेहतर रोकथाम हो सकेगी। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य और अभियांत्रिकी मंत्री महेश जोशी, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, महानिदेशक (एससीआरबी) रवि प्रकाश मेहरड़ा, पुलिस महानिरीक्षक (एससीआरबी) शरत कविराज उपस्थित रहे।

विधायक के लापता ड्राइवर का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट; बढ़ सकती हैं मिर्धा की मुश्किलें

नागौर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लापता ड्राइवर के पिता का आरोप है कि राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने निष्पक्ष जांच नहीं की। मुख्य संदिग्ध विधायक विजयपाल मिर्धा से पूछताछ तक नहीं की गई।

राजस्थान में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रिछपाल मिर्धा के बेटे एवं नागौर की डेगाना सीट से विधायक विजयपाल मिर्धा के ड्राइवर ताराचंद के लापता होने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद मिर्धा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ड्राइवर के पिता देवाराम ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया है कि राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने निष्पक्ष जांच नहीं की है। यहां तक कि मामले के मुख्य संदिग्ध विधायक विजयपाल मिर्धा से पूछताछ तक नहीं की।

विधायक के ड्राइवर के रहस्यमय तरीके से गायब होने का मामला नागौर और राजस्थान की राजनीति में सुर्खियों में रहा था। कुछ स्थानीय सामाजिक संगठनों एवं बीजेपी के नेताओं ने इस मामले में विजयपाल मिर्धा की भूमिका की जांच के लिए बड़ा आंदोलन भी किया था।

अब जबकि गायब हुए ड्राइवर ताराचंद के पिता ने न्याय के लिए देश की सर्वोच्च अदालत में गुहार लगाई है, तब मिर्धा परिवार की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मिर्धा चुनाव की घोषणा से पहले बीजेपी में जाने की कोशिश भी कर रहे हैं, लेकिन इस विवाद के बाद बीजेपी नेतृत्व रिछपाल मिर्धा को पार्टी में लाकर कोई जोखिम मोल नहीं लेना चाहता है।

कांग्रेस सीनियर ऑब्जर्वर की दावेदारों से वन-टू-वन

मिस्त्री बोले- सरकार रिपीट होगी, गहलोत-पायलट विवाद अंदरूनी मामला, सुलझा लेंगे

दौसा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टियों ने अब अपने वरिष्ठ नेताओं को फील्ड में भेजकर फीडबैक जुटाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसके तहत प्रदेश में कांग्रेस द्वारा लगाए गए सीनियर ऑब्जर्वर मधुसूदन मिस्त्री दौसा सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने दौसा लोकसभा क्षेत्र की सभी आठ विधानसभा के टिकट दावेदारों से वन-टू-वन किया।

मीडिया से बात करते हुए मधुसूदन मिस्त्री ने सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच मनमुटावों के सवाल पर कहा- यह हमारा इंटरनल मामला है और मिल बैठकर सब एक हो जाते हैं।

कांग्रेस का जातीय जनगणना को सपोर्ट

उन्होंने जातीय जनगणना को लेकर बयान देते हुए कहा कि यह

जायज है, इससे उन पिछड़ों को अपना हक मिलेगा जो पीढ़ियों से इंतजार कर रहे थे। क्योंकि सभी पिछड़ी जातियों में गरीब लोग हैं, गरीबी की वजह से यह लोग काफी पिछड़ गए हैं, उनकी पूर्व की पीढ़ियां तो पढ़ाई नहीं कर सकी, अब यह पीढ़ी पढ़ने लगी है, नौकरियों में उनकी हिस्सेदारी ही नहीं है।

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मिस्त्री ने कहा मोदी सरकार में तो कहीं नौकरियां है ही नहीं, ऐसे में यह तबका आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। कांग्रेस इस जातीय जनगणना का सपोर्ट करती है ताकि उन गरीब तबके के लोगों को उनका शेयर मिल सके ।

राजस्थान में सरकार रिपीट होगी

मिस्त्री ने कहा दावेदारों से मुलाकात की है, उनमें काफी उत्साह भी है, लेकिन आपसी सामंजस्य से टिकट तय करेंगे और राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। उन्होंने कहा राजस्थान सरकार ने बेहतर योजनाएं दी हैं, जो देश मे मिसाल हैं जिसकी बदौलत फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी।

दावेदारों ने की मिस्त्री से मुलाकात

इससे पहले मधुसूदन मिस्त्री से लालसोट से कांग्रेस विधायक और मंत्री परसादी लाल मीणा, सिकराय से विधायक और मंत्री ममता भूपेश, दौसा से विधायक और मंत्री मुरारीलाल मीणा, बांदीकुई से विधायक जीआर खटाना, चाकसू से विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, जिला प्रमुख हीरालाल सैनी, पूर्व जिला प्रमुख अजीत सिंह, विनोद शर्मा, पीसीसी सचिव छोटूराम सांथा व संदीप शर्मा सहित करीब दो दर्जन दावेदारों ने मिस्त्री से मुलाकात कर अपनी बात रखी।

पानी की टंकी पर चढ़े 11 अभ्यर्थी: रीट भर्ती में एमबीसी के 372 पदों पर नियुक्ति की मांग, बोले- सरकार मामले को टाल रही है

बयाना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। रीट भर्ती- 2018 में शेष रहे 372 पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर एमबीसी वर्ग के 11 अभ्यर्थी बयाना के कुंडा टेक स्थित जलदाय विभाग की पानी की टंकी पर चढ़ गए हैं। आज सुबह 7 बजे से पानी की टंकी पर चढ़े स्टूडेंट्स में से दो महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं।

वही अभ्यर्थियों के पानी की टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर एडिशनल एसपी ओमप्रकाश किलानिया, एसडीएम अमीलाल यादव, तहसीलदार अमित शर्मा, डिप्टी एसपी अनीता मीणा, प्रशिक्षु आरपीएस मनीषा मीणा, एसएचओ सुनील कुमार जाब्ते के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। एसडीआरएफ ने टंकी के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से जाल लगा

दिया है।

एक महीने पहले भी पानी की टंकी पर चढ़े थे

बता दें कि इससे पहले 9 अभ्यर्थी 27 सितंबर को भी पानी की टंकी पर चढ़े थे। इसके बाद 28 सितंबर को जयपुर सचिवालय में शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के साथ पहले दौर की वार्ता हुई थी। अगले दौर की वार्ता एमबीसी आरक्षण के लिए बनी हाई पावर कमेटी से 3 अक्टूबर की तय की गई थी। लेकिन 3 अक्टूबर को सरकार की ओर से वार्ता के लिए कोई पहल नहीं की गई। वही पुलिस की ओर से जलदाय विभाग की रिपोर्ट पर टंकी पर चढ़े अभ्यर्थियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

टंकी पर चढ़े अभ्यर्थियों ने बताया कि रीट भर्ती 2018 में एमबीसी वर्ग के लिए 372 पद रिजर्व रखे गए थे।

साल 2020 में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति और राज्य सरकार के बीच समझौता हुआ था। उसमें शेष 4% आरक्षण के हिसाब से 372 पदों पर एमबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर सहमति बनी थी और 7 दिन में नियुक्ति देने का वादा किया गया था।

3 अक्टूबर को हाई पावर कमेटी से दूसरे दौर की वार्ता होनी थी। लेकिन सरकार मामले को लटकाना चाहती है और दूसरे दौर की वार्ता के लिए बुलावा नहीं भेजा। सरकार दो-चार दिन में लगने वाली चुनाव आचार संहिता का बहाना ढूंढने में लगी है।

तहसीलदार अमित शर्मा ने बताया कि रीट अभ्यर्थियों की मांग को जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्य सरकार को भेजा गया है। रीट अभ्यर्थियों का बार-बार टंकी पर चढ़कर इस तरह विरोध प्रदर्शन करना उचित नहीं है।

एक तरफा प्यार में टीचर का गला काटा!

पिता बोले- युवक बेटी का प्रेमी नहीं था, हम तो शादी की तैयारी कर रहे थे, लाश उठानी पड़ी

जयपुर. 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में तीन दिन पहले युवती की हत्या कर युवक की सुसाइड की कोशिश के मामले में किडनैपिंग और हत्या का केस दर्ज हुआ है। युवती के पिता का आरोप है कि युवक उनकी बेटी का प्रेमी नहीं था। बस जान पहचान थी। पहचान का गलत फायदा उठाकर युवक ने एक तरफा प्यार में बेटी को गला काटकर मार डाला। हम तो बेटी की शादी की तैयारी कर रहे थे, लेकिन खून से लथपथ लाश उठानी पड़ी। हरमाड़ा पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। वहीं, युवक का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। इलाज होने के बाद पुलिस युवक को गिरफ्तार करेगी।

दरअसल, 2 अक्टूबर को हरमाड़ा इलाके में लोहा मंडी के पास एक खाली जगह पर किशन (26) और ज्योति (23) के खून से सने मिले थे। ज्योति और किशन को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने ज्योति को मृत घोषित कर दिया। किशन की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

दो महीने पहले ही पढ़ाने लगी थी बेटी

पुलिस ने बताया- इस मामले में हरमाड़ा के रहने वाले सत्यनारायण सैनी ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया- बेटी ज्योति की दो महीने पहले ही घर के पास एक स्कूल में पढ़ाने लगी थी। परिवार खुश था कि बेटी की जॉब लगी है। इस दौरान घर में अक्सर आने वाले किशन से बेटी की भी बातचीत होती थी। परिवार को पता नहीं था कि किशन के मन में क्या चल रहा है।

स्कूल में पढ़ाने गई थी बेटी, पता चला युवक किडनैप कर ले गया

सत्यनारायण ने पुलिस को बताया- तीन दिन पहले बेटी स्कूल गई थी। दोपहर 2 बजे तक उसे वापस लौटना था। बेटी नहीं लौटी तो परिवार ने उसके बारे में पड़ताल की। पता चला कि वह स्कूल से 2 बजे तक निकल गई थी। परिवार को पता चला कि किशन उसे घर छोड़ने के बहाने अपनी कार में किडनैप कर ले गया। उसे घर छोड़ने की जगह सुनसान इलाके में ले गया। पहले बेटी का गला काट दिया। फिर खुद जान देने की कोशिश की।

केमिकल टैंकर को जला कर भागे लुटेरे

अजमेर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर के जवाजा के पास 7 दिन पहले केमिकल से भरे टैंकर में आग लगी नहीं बल्कि लगाई गई थी। ड्राइवर से मारपीट कर कुछ लोग केमिकल से भरे टैंकर को लूट कर ले गए थे। कंपनी के सुपरवाइजर को जब ड्राइवर ने पूरा घटनाक्रम बताया तो मांगलियावास थाने में मामला दर्ज कराया गया। बीजासर ते-चौहटन जिला बाडमेर निवासी प्रेमदान पुत्र तुलछाराम चारण ने रिपोर्ट देकर बताया कि वह अग्रवाल रोड लाइन्स प्रा. लि. में सुपरवाइजर है। कंपनी के टैंकर की पॉवर ऑफ अटर्नी उसके नाम है। इस गाड़ी में 25 सितम्बर 2023 को जेसन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड हजीरा का स्टेरीन मोनोमर नाम का केमिकल भरा था, जिसका ड्राइवर कापराउ चोहटन बाडमेर निवासी धर्माराम पुत्र मदाराम था। जो 26,070 लीटर माल लेकर रुड़की के लिए रवाना हुआ।

श्मशान में युवक ने खुद पर पेट्रोल डाल लगाई आग

लव मैरिज के बाद तलाक से डिप्रेशन में था

नवलगढ़, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लव मैरिज के बाद तलाक होने से डिप्रेशन में आए एक युवक ने सुसाइड कर लिया। वह घर के पास ही बने श्मशान पहुंचा और पेट्रोल डाल कर खुद को आग लगा दी। युवक के कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है- मेरी लाश को कोई हाथ नहीं लगाए, इसलिए जलकर मरूंगा।

घटना झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ में मंगलवार की है। अधजले शव की पहचान नवलगढ़ के मोहल्ला मोचियान निवासी गौरव पुत्र महेन्द्र गहलोत (23) के रूप में हुई है। पहचान होने के बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया था। इसके बाद शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था।

डीएसपी कृष्णराज जांगिड़ और

कार्यवाहक थानाधिकारी गिरधारीलाल ने बताया- नवलगढ़ के पुलिस थाने के पास मंगलवार सुबह 9:30 बजे युवक की अधजली लाश मिली थी। इसके बाद पुलिस ने आस-पास के 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

इस पर श्मशान के पास फायर स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। इसमें एक युवक सोमवार रात 10:30 बजे श्मशान की तरफ जाते हुए दिखाई दे रहा था। पुलिस ने इस फुटेज को अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर सर्कुलेट किया। मंगलवार सुबह जब यह सीसीटीवी फुटेज गौरव के परिजनों तक पहुंचा तो वे भी थाने पहुंचे। परिजनों ने गौरव के लापता होने की जानकारी दी। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर युवक की पहचान की। अंगुली में पहनी अंगूठी के आधार पर उन्होंने बताया कि यह उनका बेटा ही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस बात का भी अंदेशा जता रही है कि गौरव अपने साथ पेट्रोल का ड्रम भी ले गया था, क्योंकि फुटेज में उसके हाथ में ड्रम भी नजर आ रहा है।

परिजनों ने बताया कि युवक ने दो साल पहले सितंबर 2021 में लव मैरिज की थी। लेकिन, शादी के 5-7 दिन बाद तलाक हो गया और गौरव डिप्रेशन में चला गया। इसके बाद से वह घर पर ही रहने लगा और कमरे में अकेला रहता था।

टप्पेबाजों की गैंग, एटीएम बदलकर निकालते रुपए

मदद करने के बहाने पासवर्ड पूछते

सीकर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सहित सीकर में टप्पेबाजों की गैंग सक्रिय है। गैंग के सदस्य अलग-अलग एटीएम के पास घूमते है। एटीएम से रुपए निकालने आने वाले लोगों पर इनकी नजर होती है। किसी को एटीएम कार्ड से रुपए निकालने में परेशानी आती है तो मदद करने का झांसा देकर कार्ड लेकर पिन पूछते है। उसके बाद लाखों रुपए निकालकर अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर लेते है। ये टप्पेबाज करीब 20 से 30 की उम्र के युवा है। पढ़े-लिखे और प्रोफेशनल दिखने के कारण लोग इन पर शक नहीं कर पाते। सीकर की बात करें तो तीन महीने में ही कई वारदात सामने आ चुकी है। सीकर एसपी परिस देशमुख ने बताया कि टप्पेबाज अक्सर शहरों-गांवों में बैंकों के आस-पास एक्टिव रहते हैं।

बंडी ने सीएम केसीआर को दी चुनौती

चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने को कहा

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर की सार्वजनिक जीवन से लंबे समय तक अनुपस्थिति पर संदेह व्यक्त करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद बंडी संजय कुमार ने आज राज्य मंत्री केटीआर से उनके पिता को लोगों के सामने लाने की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें केसीआर की अनुपस्थिति पर संदेह है। उन्होंने पूछा कि क्या सीएम केसीआर में अपने बेटे केटीआर को अगले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की हिम्मत है?

उन्होंने कहा कि जिस क्षण उन्होंने केटीआर को सीएम उम्मीदवार घोषित किया, बीआरएस पार्टी विभाजित हो जाएगी और कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी को वोट नहीं देगा। वह आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण, पूर्व विधायक येंदाला लक्ष्मीनारायण और कोंडेती श्रीधर, एससी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एस कुमार, राज्य सचिव डॉ. एस. प्रकाश रेड्डी और उमारानी, एनवी सुभाष, जे. संगप्पा और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्रीधर रेड्डी प्रवक्ताओं के साथ मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। बंडी संजय ने कहा कि वह हल्दी बोर्ड, सम्मक्का सरलाम्मा जनजातीय विश्वविद्यालय और तेलंगाना के लोगों के लिए प्रस्तावित कृष्णा ट्रिब्यूनल की स्थापना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी का स्वागत कर रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी और केंद्रीय कैबिनेट को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कृष्णा जल बंटवारे और विवादों का समाधान होने जा रहा है और कहा कि दक्षिण तेलंगाना, जो रेगिस्तान में बदल गया है, के उपजाऊ बनने की संभावना है।

रचिन-कॉन्वे की रिकॉर्ड साझेदारी से जीता न्यूजीलैंड

इंग्लैंड को हराकर विश्व कप में किया विजयी आगाज

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने विश्व कप के पहले मैच में ही सनसनीखेज जीत हासिल की है। उसने खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही इंग्लैंड की टीम को बुरी तरह हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुरुवार को वनडे विश्व कप के 13वें सस्करण का आगाज हुआ। उद्घाटन मैच में न्यूजीलैंड ने नौ विकेट से जीत हासिल की। इसके साथ ही उसने विश्व कप 2019 के फाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। तब इंग्लैंड की टीम मैच और सुपर ओवर टाई होने के बाद बाउंड्री काउंट नियम से चैंपियन बनी थी।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में नौ विकेट पर 282 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 36.2 ओवर में एक विकेट पर 283 रन बनाकर मैच को जीत लिया। न्यूजीलैंड के ओपनर बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए उतरे रचिन रवींद्र ने कमाल कर दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 273 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की।

कॉन्वे और रचिन के सामने बेबस हुए इंग्लैंड के गेंदबाज :

कॉन्वे ने 121 गेंद पर नाबाद 152 रन बनाए। रचिन ने 96 गेंद पर 123 रन बनाए। कॉन्वे ने अपनी पारी में 19 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, रचिन ने 11 चौके और पांच छक्के जड़े। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने इंग्लैंड के गेंदबाज बेबस नजर आए। इंग्लैंड के लिए सिर्फ सैम करन ने एक विकेट लिया। रचिन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एक दिन में दो बार टूटा गुप्टिल का रिकॉर्ड

इस मैच में डेवोन कॉन्वे ने पहले अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 83 गेंद पर सैकड़ा जड़ दिया। वह न्यूजीलैंड के लिए विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। हालांकि, उनका यह रिकॉर्ड कुछ ही मिनटों में टूट गया। रचिन रवींद्र ने 82 गेंद पर शतक जड़कर कॉन्वे को तुरंत ही पीछे छोड़ दिया। दोनों बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल से आगे निकल गए। गुप्टिल ने 88 गेंद पर शतक लगाया था।

रूट को छोड़कर इंग्लैंड के सभी बल्लेबाज फेल :

इंग्लैंड की टीम ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में नौ विकेट पर 282 रन बनाए। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 50 रन के आंकड़े को नहीं छू सका। कप्तान जोस बटलर ने 43 रन बनाए। जॉनी बेयरस्टो ने 33, हैरी ब्रूक ने 25 और लियाम लिविंगस्टोन ने 20 रन का योगदान दिया। आदिल रशीद ने नाबाद 15, डेविड मलान और सैम करन ने 14-14, मार्क वुड ने नाबाद 13, मोइन अली और क्रिस वोक्स ने 11-11 रन बनाए। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाजों को मैच में खुलकर नहीं खेलने दिया। तेज और स्पिन के मिश्रण ने इंग्लिश टीम को काफी परेशान किया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए।

अग्र महिला मंच तेलंगाना के सहयोग से भेंट की गई आवश्यक सामग्री

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच एवं रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी चौड़ी, रामकोट स्थित गवर्नमेंट हाई स्कूल नया बाजार विद्यालय में काम आने वाली महत्वपूर्ण वस्तु माइक सेट भेंट किया गया। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि मंच द्वारा समय समय पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है, जिसका सभी छात्र छात्राएं लाभ उठाते हैं। राम गोपाल गुप्ता, जगदीश गुप्ता के नेतृत्व व लगन से यह कार्य सफल रहा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती सत्यवती, डॉ. दुर्गेशनंदिनी एवं अध्यापक को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मंत्राणी अंजू गोयल ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। रामगोपाल गुप्ता ने विद्यार्थियों को लगन मेहनत से जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस सेवा कार्य में विशेष सहयोग, रामगोपाल मंजेश्वरी गुप्ता, शारदा ओमप्रकाश गुप्ता, जगदीश, पुष्पा गुप्ता, सीमा, निरंजन पंसारी, सरला, दिनेश अग्रवाल का रहा। डॉ.दुर्गेश नंदिनी ने अग्र महिला मंच के सभी पदाधिकारियों एवं रामगोपाल गुप्ता के कार्यों की सराहना की।

एक ही आदिवासी परिवार के चार लोगों को पुलिस कांस्टेबल की नौकरी मिली

संगारेड्डी, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्लभ उपलब्धि में, एक आदिवासी परिवार के चार युवाओं ने कांस्टेबल की नौकरी पाने के लिए पुलिस भर्ती बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण की। राज्य सरकार ने बुधवार को कांस्टेबल भर्ती परिणाम घोषित कर दिया। चारों सिरगापुर मंडल के जमला थांडा के रहने वाले हैं। सुदूर थांडा के एक जोड़े, मेगावथ नेहरू नायक और मारोनी बाई के दो बेटे थे, मेगावथ रमेश, मेगावथ संतोष, एक बेटी रेणुका। रमेश की पत्नी मालोथ रोजा के साथ, चारों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। जहां रेणुका को सिविल कांस्टेबल की नौकरी मिली, वहीं उनके छोटे भाई संतोष को टीएसएसपी कांस्टेबल का पद मिला। रेणुका के बड़े भाई रमेश को कांस्टेबल (एआर) की नौकरी मिली, जबकि उनकी पत्नी रोजा को टीएसएसपी कांस्टेबल पद मिला।

बुधवार शाम को नतीजे घोषित होने के बाद से परिवार जश्न में डूबा हुआ था। सरपंच दिव्या भारती ने चारों युवाओं को सम्मानित किया और माता-पिता को बधाई दी। माता-पिता ने कहा कि चारों परीक्षा की तैयारी के लिए छह महीने से अधिक समय तक हैदराबाद में रहे थे।

खैरताबाद जोनल कमिश्नर से लाइटें लगाने की मांग

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जोनल कमिश्नर वेंकटेश धोत्रे से शिष्टाचार मुलाकात कर गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने कई जनसमस्याओं के बारे में चर्चा की। खासकर जामबाग में लाइटें लगाने की मांग की। इसी तरह कुछ इलाकों में 30 एलईडी लाइटें लगाने का अनुरोध किया गया है। जोनल कमिश्नर ने निचले स्तर के अधिकारियों को संबंधित कार्यों के लिए तुरंत अनुमान देने का आदेश दिया और कहा कि वह उन्हें मंजूरी देंगे। उन्होंने गोशामहल के लोगों की ओर से जोनल कमिश्नर को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपील की कि भले ही वह लोगों के बीच में हैं, फिर भी कोई समस्या हो तो वह उनके ध्यान में लायें। इस कार्यक्रम में जामबाग डिवीजन अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद भाई, विजय मुदीराज, नरेश गौड़, भास्कर, शफी, अहमद, नरसिंह, रामू, बाजन, पवन, जय, बाबू और अन्य शामिल हुए।

फ्री फ़्यूज़न सीज़न-2 कल से, लाभ लेने की अपील

हैदराबाद, 5 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। फ्री फ़्यूज़न सीज़न 1 की प्रचंड सफलता के बाद फ्री फ़्यूज़न सीज़न 2 कार्यक्रम 7 व 8 अक्तूबर को आयोजित हो रहा है। यह कार्यक्रम इनटू दि वाइल्ड थीम के साथ खासकर बच्चों के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भाग लेनेवाले सभी बच्चे अपनी अपनी रोमाचंकारी व साहसिक करतब या कलाओं से अपने अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख के अनुसार फ्री सीजन 1 की प्रचंड सफलता के चलते अनेकानेक विक्रेतागण और असंख्य दर्शकों ने फ्री फ़्यूज़न सीज़न 2 कार्यक्रम को जल्द शुरू करने के लिए अनुरोध किया है। इसके चलते हमारे असंख्य विक्रेताओं और दर्शकों का ध्यान रखते हुए हमने 'इनटू द वाइल्ड' सहित साहसिक विश्व यात्रा से जुडी रोमांचक फ़्यूज़न सीज़न 2 कार्यक्रम की भी घोषणा की है। इसके चलते तत्संबंधित उपरोक्त सभी जन उत्साह व रोमांच से जुडे एक गहन अनुभव हेतु फ्री फ़्यूज़न सीज़न 2 कार्यक्रम के लिए 7 और 8 अक्तूबर को हमसे जुड़ें। जिसमें हर मोड पर रोमांच ही रोमांच ही रोमांच रहेगा तथा आप सभी इस उत्साहवर्धक विविधतापूर्ण श्रृंखला से मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार हो जाइए। इस रोमांचक कार्यक्रम की गतिविधियाँ एवं मनमोहक प्रदर्शन जोकि शामिल सभी जनमानस को प्रातः की वेला से ही मंत्रमुग्ध कर देगा। इस कार्यक्रम में मंत्रमुग्ध कर देनेवाले कार्यक्रमों में रोमांचक मशहूर स्केलटन डान्स क्रू शामिल हैं। इस डान्स क्रू ने इंडिया गाट टैलेन्ट में अपनी अनोखी प्रतिभा का परिचय दिया है जोकि उपस्थित सभी प्रेक्षकों को दिनभर मोहित व मंत्रमुग्ध कर देंगे। इसके अतिरिक्त हमारे मंत्रमुग्ध कर देने वाले तत्संबंधित प्रदर्शन सहित भरपूर मनोरंजन के लिए सेट एनिमेट्रॉनिक्स शो, शाइनिंग लेजर मैन शो, और एक स्फूर्तिदायक ज़ुम्बा वर्कशॉप जो आप सभी को सतत गतिशील रोमांचित कर देगा और थिरकाए रखेगा।

अग्र अखंड ज्योति यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5147वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में एक सप्ताह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत अग्र अखंड ज्योति यात्रा का भव्य स्वागत उर्दुगल्ली शाखा, अध्यक्ष शेष कुमार गोयल, उपाध्यक्ष आंचल गुप्ता, मंत्री पंकज मित्तल, सयुक्त मंत्री विकास केडिया, कोषाध्यक्ष धिरज गुप्ता, के.एस.नवीन कुमार अग्रवाल, के.एस. आशीष दोचानिया रिकाजगंज शाखा अध्यक्ष बजरंगलाल अग्रवाल, अशोक बंसल, राजेश बगाड़िया, जितेंद्र मित्तल, सुनील कुमार, अग्रवाल, सुनील कुमार सिंघल, दीपक अग्रवाल,रविंद्र अग्रवाल,कपूर चंद गुप्ता,भू देवी शाखा अध्यक्ष शेखर, उषा अग्रवाल,शोभा अग्रवाल, इंद्रा अग्रवाल,मंजू गुप्ता, अनंदा अग्रवाल,संगीता अग्रवाल, चारमीनार शाखा, नवीन अग्रवाल, तरुण तुलसियान, कमल गर्ग, रिंकू अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, सुमीत अग्रवाल, रानी सती झूला महिला शाखा, अध्यक्ष रिंकू गर्ग, अर्चना संघी, नेहा अग्रवाल, हेमा अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, सुशीला केडिया, ममता अग्रवाल, नारनौली समाज के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, डॉ. सरिता अग्रवाल, रवीन्द्र अग्रवाल व राजेश अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष रिंकू गर्ग, विष्णु दोचानिया, विजय कुमार जैन, राजेश अग्रवाल, राजेंद्र पोद्दार, धर्मेंद्र व शाखा कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा वैदिक वाचनालय प्रांगण में की गई। अवसर पर सज्जन अग्रवाल बायॅवाला दिनेश सर्राफ, राकेश पचेरिया शर्मिला अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मीना अग्रवाल नमीता अग्रवाल, उमा अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल गौशालावाला कमल किशोर अग्रवाल व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

वर्षा की एक-एक बूँद का संचय करना चाहिए : अपर कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने अधिकारियों को जिले में वर्षा जल की एक-एक बूंद को संग्रहित करने के लिए आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने मंडल परिषद विकास अधिकारियों के साथ आसिफाबाद जिला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल और कागजनगर शहर में पेट्रोल पंप स्कूलों में नाश्ता योजना के प्रबंधन के साथ-साथ कागजनगर मंडल के कोसिनी ग्राम पंचायत में वर्षा जल भंडारण प्रणाली और न्यूट्री गार्डन का निरीक्षण किया। जिले के केरामेरी मंडल की झरी ग्राम पंचायत। इस मौके पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि वर्षा जल की एक-एक बूंद को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठायें।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री नाश्ता योजना कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिए अधिकारियों को विशेष कदम उठाने चाहिए। इन कार्यक्रमों में संबंधित विभागों के अधिकारियों व अन्य लोगों ने भाग लिया।

जय अम्बे युवा समिति द्वारा मां भगवती का जागरण 21 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जय अम्बे युवा समिति एर्रागड्डा के तत्वावधान में मां भगवती का 19वां विशाल जागरण का आयोजन आगामी 21 अक्टूबर को एन के एन आर गार्डन वाई जंक्शन कुक्कटपल्ली में करने का निर्णय लिया गया। इस संदर्भ में सभा का आयोजन एरागड्डा स्थित सुनील कावडिया के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर मुकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, भरत जानी, गौरव अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, हेमचंद गुप्ता, राजेश केडिया, राज काबरा, सुरेश सांखला, महेंद्र तातेड़, संजय अग्रवाल, सुनील कावड़िया आदि उपस्थित थे।

राजस्थान व हरियाणा समाज का सशक्त संगठन 'आप और हम' के अध्यक्ष बनने पर धर्मीचंद कुमावत का स्वागत करते हुए कृष्णा कुमावत, समाज बडंगपेट के संरक्षक रुपाराम लिंबा, भूतपूर्व अध्यक्ष जवानराम बोडावड, ओमप्रकाश चांदोरा, कोषाध्यक्ष ओटाराम बोडावड, सोहनलाल लारना, गौतमचंद बोडावड, रमेश पिलोदिया, सरवन माननीय व कुमावत मित्र मंडल बडंगपेट के अध्यक्ष दीपक जकिया व अन्य।

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज हैदराबाद केंद्रीय समिति द्वारा निकाली गई अखंड अग्र ज्योत रथ यात्रा का स्वागत समाज की हिमायत नगर शाखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थापक डीपी अग्रवाल, मंत्री रमा बाजोरिया, मंजु अग्रवाल, नवीन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अपनी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक प्राप्त करने वाले मनोज कन्ना को सम्मानित करते हुए बिजरंग सेना तेलंगाना टीम के एनआर लक्ष्मण राव, रजनी श्रीरामोजू, श्रीनिवास गुप्ता, सूर्या शुक्ला, एम. मनोज व अन्य।

करुणाशंकर उपाध्याय को आचार्य रामचंद्र शुक्ल शिरोमणि साहित्य सम्मान

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात आलोचक प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय निर्मला स्मृति साहित्यिक समिति चरखी-दादरी, हरियाणा द्वारा आचार्य रामचंद्र शुक्ल शिरोमणि साहित्य सम्मान से अलंकृत किए गए। यह सम्मान डॉ.उ पाध्याय को उत्कृष्ट आलोचनात्मक लेखन के लिए दिया गया। इस अवसर पर समिति के संयोजक डॉ.अशोक कुमार मंगलेश ने कहा कि यह संस्था का सौभाग्य है कि 21वीं शती के आचार्य रामचंद्र शुक्ल कहे जाने वाले करुणाशंकर उपाध्याय को यह सम्मान दिया जा रहा है। इससे संस्था स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. पूरनचंद टंडन, प्रो. नरेश मिश्र, डॉ.अशोक कुमार मंगलेश और डॉ.दीपक पाण्डेय के हाथों यह सम्मान दिया गया। ध्यातव्य है कि मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर और आलोचक डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय इस समय हिंदी के सबसे चर्चित आलोचक हैं।

विकास कार्यों में तेजी लायी जाये और शीघ्रता से पूर्ण किया जाये : दीपक

कुमरम भीम आसिफाबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने कहा कि जिले में कराये गये विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए अधिकारी कदम उठायें। गुरुवार को जिला केंद्र स्थित कलक्ट्रेट भवन सभाकक्ष में मंडल परिषद विकास अधिकारियों, मंडल पंचायत अधिकारियों, इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों एवं महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए जिले के अपर समाहर्ता ने अधिकारियों को जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण और स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण में तेजी लाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में स्वीकृत आंगनबाडी केन्द्रों के भवनों को शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं तथा सरकारी स्थानों को चिन्हित कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के लिए कदम उठाए जाएं। इस संदर्भ में संबंधित मंडलों द्वारा किये जा रहे आंगनबाडी भवन निर्माण कार्य की समीक्षा संबंधित अधिकारियों के साथ की गयी।इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

रामायण मेला समिति द्वारा पत्रिका का विमोचन

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल द्वारा 15 से 24 अक्टूबर तक नुमाईश मैदन में होने वाले 51वां रामायण मेला द्वारा निकाली गयी पत्रिका का विमोचन किया गया। 51वां रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविन्द नारायण राठी ने प्रेस विज्ञप्ति में सभी हिन्दू भाईयों से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निवेदन किया। इस अवसर पर मेला के कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल डागा, संयोजक मनोज जैसवाल एवं शैलेश अग्रवाल उपस्थित थे।

वर्ल्ड कप के 5 पॉसिबल डिसाइडिंग फैक्टर्स

11 से 40 ओवर तक का खेल होगा डिफरेंशिएटर, रिस्ट स्पिनर्स रहेंगे गेम चेंजर

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट का सबसे बड़ा फेस्टिवल वनडे वर्ल्ड कप आज से शुरू होने जा रहा है। 46 दिन तक चलने वाले इस मेगा इवेंट में 19 नवंबर तक कुल 48 मैच होंगे। अपने अस्तित्व पर कई सवाल झेल चुके वनडे फॉर्मेट का भविष्य भी इसी वर्ल्ड कप पर निर्भर माना जा रहा है।

ज्यादातर टीमों का फोकस अब फ्रेंचाइजी और टी-20 क्रिकेट पर होने लगा है। 50-50 ओवर की क्रिकेट पर भी इसका असर पड़ रहा है। खेल के बदलते हुए अंदाज और भारत की कंडीशन के हिसाब से 5 फैक्टर्स ऐसे हैं जो टूर्नामेंट का नतीजा निर्धारित कर सकते हैं।

फैक्टर-1: रिस्ट स्पिनर्स

वनडे क्रिकेट में 2011 से 2 नई गेंदों के इस्तेमाल का नियम आया। तब से ही इस फॉर्मेट में हरभजन सिंह, डेनियल विटोरी और रवि अश्विन जैसे ट्रैडिशनल फिंगर स्पिनर्स का प्रभाव कम हुआ और रिस्ट स्पिनर्स का असर बढ़ने लगा। रिस्ट स्पिनर गेंद को कलाई की मदद से टर्न कराते हैं। युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव और एडम जम्पा जैसे गेंदबाज रिस्ट स्पिनर्स कहलाते हैं। आईसीसी की वनडे रैंकिंग के टॉप-10 में 3 रिस्ट स्पिनर्स शामिल हैं। यहां तक कि पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 स्पिन गेंदबाजों में 4 रिस्ट स्पिनर्स ही हैं। खास बात ये भी कि इनसे शुरुआती ओवर, मिडिल ओवर्स या डेथ ओवर्स कहीं भी गेंदबाजी कराई जा सकती है।

रिस्ट स्पिनर्स अहम इसलिए भी हो जाते हैं क्योंकि ये पार्टनरशिप तोड़ते हैं, सेट बैटर को आउट करते हैं, निचले क्रम के बैटर्स उनकी टर्न नहीं पढ़ पाते और कई बार बड़े-बड़े बैटर्स भी रिस्ट स्पिन के जाल में फंस जाते हैं। इसीलिए इस कला के गेंदबाज और भी ज्यादा अहम होते हैं। इस वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के आदिल रशीद, अफगानिस्तान के राशिद खान, भारत के कुलदीप यादव, ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा और पाकिस्तान के शादाब खान जैसे रिस्ट स्पिनर्स अपनी टीमों के लिए ट्रम्प कार्ड साबित होंगे। खासकर चेन्नई, दिल्ली और लखनऊ जैसी स्पिन पिचों पर तो ये गेंदबाज कुछ ज्यादा ही असरदार रहेंगे।

नीचे लगे क्रिएटिव में देखें इस वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे टॉप-5 रिस्ट स्पिनर्स की वनडे क्रिकेट में परफॉर्मेंस...

फैक्टर-2: स्लोअर बॉल

2 नई गेंद और फील्ड रिस्ट्रिक्शन के नए नियम तेज गेंदबाजों के लिए कुछ ज्यादा ही सख्त थे। इन नियमों ने वनडे क्रिकेट में बैटर्स को हावी और गेंदबाजों को कमजोर बनाया। रिवर्स स्विंग पूरी तरह से खत्म हो गई और बॉलर्स के पास विकेट लेने के बहुत कम ऑप्शन बचे। लेकिन टी-20 में बहुत ज्यादा इस्तेमाल होने वाली स्लोअर बॉल ने मॉडर्न डे क्रिकेट में तेज गेंदबाजों की इज्जत और साख दोनों को बचा रखा है।

तेज गेंदबाज स्लोअर बॉल को वैरिएशन के रूप में यूज करते हैं। इसमें गेंदबाज का हाथ तो नॉर्मल स्पीड से घूमता है, लेकिन गेंद की स्पीड कम हो जाती है। बैटर वैरिएशन को पकड़ नहीं पाते, वह अपने शॉट को मिस टाइम कर कई बार विकेट गंवा बैठते हैं। नकल बॉल, बैक ऑफ हैंड और ऑफ कटर भी स्लोअर बॉल के कुछ वैरिएशन हैं। डेथ ओवर्स में बैटर्स का फोकस तेजी से रन बनाने पर रहता है। ऐसे में स्लोअर बॉल सबसे ज्यादा कारगर होती है और गेंदबाज को ज्यादा से ज्यादा विकेट दिलाती है। वनडे क्रिकेट में 41 से 50 ओवर का फेज डेथ ओवर्स कहलाता है।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान, भारत के जसप्रीत बुमराह, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट, पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे गेंदबाज स्लोअर बॉल की कला का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। इस वर्ल्ड कप में ये गेंदबाज ही डेथ ओवर्स में अपनी टीम की स्ट्रेंथ साबित होंगे।

नीचे लगे क्रिएटिव से समझें पिछले 4 साल में किन तेज गेंदबाजों ने डेथ ओवर्स में सबसे ज्यादा विकेट निकाले हैं...

फैक्टर-3: रनिंग बिटवीन द विकेट्स

टी-20 क्रिकेट के दौर में लम्बे-लम्बे छक्के मारना दर्शकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करता है, लेकिन वर्ल्ड कप में मिनिमम 70 मीटर की बाउंड्री नियम के आगे दर्शकों का ये आकर्षण कम ही देखने को मिलेगा। ऐसे में वनडे क्रिकेट का ब्रह्मास्त्र 'रनिंग बिटवीन द विकेट्स' ही बैटर्स के सबसे ज्यादा काम आएगा।

लंबी बाउंड्री होने से फील्डर दूर-दूर खड़े रहेंगे। ऐसे में बैटर्स को अपने ज्यादा से रन दौड़कर ही बनाने होंगे। खास तौर पर सिंगल को डबल और डबल को ट्रिपल में कन्वर्ट करना ही होगा। इससे बॉलिंग टीम पर प्रेशर बढ़ेगा, गेंदबाज भी दबाव नहीं बना पाएगा और अपनी लाइन-लेंथ से भटक जाएगा। बैटिंग टीम इसी का फायदा उठाकर बड़े शॉट्स भी लगा सकेगी।

11 से 40 ओवर का फेज वनडे में वैसे तो सबसे बोरिंग फेज कहलाता है, लेकिन इसी फेज में स्ट्राइक रोटेट करते रहना बेहद अहम रहता है। क्योंकि एक बैटर इसी फेज में रन दौड़कर सेट होता है और सेट होने के बाद वही बैटर अपनी टीम को बड़े स्कोर तक ले जाता है। भारत के विराट कोहली इस वक्त रनिंग बिटवीन द विकेट्स के मामले में बेस्ट हैं। उन्होंने पिछले 4 साल में अपने 56% रन दौड़कर बनाए हैं। सेट होने के बाद वह बाउंड्री से भी खूब रन बनाते हैं। बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम, पाकिस्तान के बाबर आजम और इमाम-उल-हक जैसे बैटर्स भी वनडे में अपने ज्यादातर रन दौड़कर ही बनाते हैं। नीचे लगे क्रिएटिव में जानिए पिछले 4 साल में दौड़कर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बैटर्स कौन रहे...

टी-20 फॉर्मेट में जिस तरह पावरप्ले और डेथ ओवर्स बहुत जरूरी होते हैं। उसी तरह वनडे में 11 से 40 ओवर का मिडिल ओवर्स फेज बहुत जरूरी होता है। इस फेज की अहमियत को बॉलिंग और बैटिंग के 2 अलग पार्ट्स में बांटकर समझते हैं...

फैक्टर-4: मिडिल ओवर्स में बॉलिंग

11 से 40 ओवर के फेज में टीम की परफॉर्मेंस का असर पूरे मैच में खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज पर नजर आता है। बॉलिंग करने वाली टीम 180 गेंदों के इस फेज में कम से कम रन देकर खुद को मजबूत पोजिशन में रख सकती है। इस फेज में बैटर्स स्ट्राइक रोटेट कर सेट होते हैं, ऐसे में बॉलिंग टीम के लिए जरूरी है कि वो लगातार विकेट निकाले और विपक्षी टीम पर दबाव बनाए। इस फेज में फिंगर स्पिनर्स का रोल बॉलिंग टीम के लिए अहम रहता है। क्योंकि वे ही इस दौरान सबसे ज्यादा गेंदबाजी करते हैं। उन पर ही रन रोकने की जिम्मेदारी रहती है। बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने पिछले 4 साल में मिडिल ओवर्स के दौरान सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। भारत से कुलदीप यादव, शार्दूल ठाकुर और रवींद्र जडेजा टॉप परफॉर्मर रहे हैं।

जनवरी 2019 के बाद से इस फेज में भारत ने सबसे शानदार बॉलिंग की है। टीम ने इस दौरान 86 वनडे में 405 विकेट लिए। भारतीय गेंदबाजों का औसत 31 का रहा, यानी हमारे बॉलर्स ने हर 5वें ओवर में एक विकेट निकाला। इस मामले में साउथ अफ्रीका दूसरे नंबर पर रहा, उनकी टीम ने हर 34वीं गेंद पर एक विकेट निकाला।

फैक्टर-5: मिडिल ओवर्स बैटिंग

11 से 40 ओवर का फेज बैटिंग टीम के लिए भी बहुत अहम रहता है। इसी फेज में मिडिल ऑर्डर बैटर सेट होकर टीम का स्कोर जीतने लायक पहुंचाते हैं।

लगातार स्ट्राइक रोटेट करने वाले बैटर्स में इस फेज में बहुत सफल होते हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम ने 2019 के बाद से मिडिल ओवर्स में सबसे ज्यादा 2338 रन बनाए हैं। उनके बाद विराट कोहली के नाम 2202 रन हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस, बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन भी इस फेज के टॉप-5 रन स्कोरर हैं।

इंग्लैंड की टीम इस फेज में सबसे तेज 96.81 के स्ट्राइक रेट से रन बनाती है। उनके बाद टीम इंडिया 90.42 के स्ट्राइक रेट से स्कोर करती है। भारत इस दौरान सबसे कम विकेट भी गंवाता है और औसत के मामले में टीम साउथ अफ्रीका के बाद दूसरे नंबर पर है।

मिडिल ओवर्स ही सफलता की गारंटी

इस वर्ल्ड कप में मिडिल ओवर्स के 'सबसे बोरिंग फेज' पर राज करने वाली टीम का दबदबा ही पूरे टूर्नामेंट में देखने को मिलेगा। फिलहाल भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमें इस फेज में बेहतरीन परफॉर्म कर रही हैं। चारों टीमें सेमीफाइनल की दावेदार भी हैं। ऐसे में देखना अहम होगा कि ये टीमें क्रिकेट के सबसे बड़े फेस्टिवल में कैसा परफॉर्म करती हैं।

वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की ट्रेनिंग किट सामने आई, ऑरेंज रंग की जर्सी में दिखे खिलाड़ी

अहमदाबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम की वर्ल्ड कप के लिए ट्रेनिंग किट सामने आ गई है। विराट कोहली सहित भारतीय खिलाड़ी वर्ल्ड कप के लिए टीम की ट्रेनिंग किट में नजर आए। कंधे पर तीन स्ट्रिप्स वाली ऑरेंज रंग की किट में भारतीय टीम अभ्यास करेगी। टीम अपने पहले मुकाबले के लिए चैन्नई पहुंच चुकी है।

गुजरात के अहमदाबाद में आज से क्रिकेट वर्ल्ड कप की शुरु हो चुका है। पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा है। मैच से जुड़े सभी लाइव अपडेट्स के लिए यहां क्लिक करें। वहीं दूसरी ओर भारत के लिजेंडरी बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर वर्ल्ड कप के पहले मैच में ट्रॉफी लेकर नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे।

मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाने वाले मैच वर्ल्ड कप के मैचों को लेकर दर्शकों के लिए कुछ गाइडलाइंस की भी घोषणा की गई हैं।

दर्शकों को स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज ले जाने की अनुमति होगी, लेकिन झंडे का डंडा नहीं ले जा सकते हैं। वहीं पानी की बोतलें और स्नैक्स भी नहीं ले जा सकते है। इसके लिए स्टेडियम में दर्शको के लिए अंदर ही फ्री पानी की बोतलों का इंतजाम किया है।

स्टेडियम के अंदर और बाहर थ्री लेयर की सुरक्षा की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है। यहां होने वाले पांचों मैचों में स्टेडियम के अंदर और बाहर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। मैच से पहले क्राइम ब्रांच 3 ड्रोन से स्टेडियम और आसपास के इलाके में गश्त करेगी।

क्राइम ब्रांच के डीसीबी मांडलिक ने बताया कि अहमदाबाद में होने वाले मैचों को लेकर आतंकी हमले की धमकी दी गई है। इसे गंभीरता से लेते हुए स्टेडियम के अंदर और बाहर थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मैचों के लिए लगभग 3500 पुलिसकर्मी होंगे।

सेक्टर-1 के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त चिराग कोर्डिया ने बताया कि स्टेडियम के अंदर और बाहर की सुरक्षा के अलावा यातायात व्यवस्था के लिए 2982 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। शहर के जिन 2 होटलों में खिलाड़ी ठहरे हुए हैं, वहां भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यहां पुलिस की लगातार पेट्रोलिंग भी होगी।

अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जीएस मलिक ने कहा, आज अहमदाबाद में खेले जाने वाले मैच के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। मैच के लिए 3 अतिरिक्त आयुक्त, 18 एसीपी, 13 डीसीबी और 3,000 से अधिक कांस्टेबल और 500 होम गार्ड का पुलिस बल भी होगा। इसके साथ ही कुछ ट्रैफिक डायवर्जन भी किया गया है, जिसकी जानकारी सोशल मीडिया और वेबसाइट पर दी गई है। इसके अलावा खाने-पीने का सामान या पानी की बोतलें ले जाना भी मना है। साथ ही सोशल मीडिया के जमाने में धमकी देने वाले या कॉल करने वाले किसी भी व्यक्ति से डरने की जरूरत नहीं है, चेकिंग भी लगातार जारी रहेगी।

भारतीय एथलीट्स के साथ बेईमानी पर उतरा चीन?

पहले ज्योति और अब नीरज-जेना के साथ धोखेबाजी की कोशिश

हांगझोऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय एथलीट्स ने नाराजगी जाहिर की है। खुद नीरज स्वर्ण जीतने के बाद नाराज दिखे और उन्होंने इस पर खुलकर बातचीत की। वहीं, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज ने भी इस मुद्दे को उठाया है।

जिस तकनीक पर चीन को गुरूर था, हांगझोऊ एशियाई खेलों में उसी का मजाक उड़ रहा है। अब तक भारतीय एथलीट्स के साथ इन खेलों में तीन बार ऐसा हुआ है, जब तकनीकी खराबी या वहां मौजूद अधिकारियों की गड़बड़ी की वजह से फजीहत झेलनी पड़ी है। धाविका ज्योति याराजी से लेकर भाला फेंक के स्टार नीरज चोपड़ा और किशोर जेना तक के साथ चीनी अधिकारियों ने बेईमानी की कोशिश की, लेकिन भारतीय एथलीट्स के जुनून के आगे उनकी एक न चली।

तीनों ने पदक जीते और चीनी अधिकारी और तकनीक को मुंहतोड़ जवाब दिया। याराजी के साथ तो चीन ने चालबाजी की कोशिश की थी। चीनी एथलीट की गलती पर याराजी को परेशान किया गया था, लेकिन याराजी के विरोध के बाद चीनी अधिकारियों ने जांच की तो पता चला कि याराजी सही थीं। उनका कांस्य बदलकर रजत किया गया। वहीं, नीरज को छह प्रयास की जगह सात बार थ्रो करवाया गया, क्योंकि चीनी अधिकारियों के मुताबिक कोई तकनीकी समस्या आ गई थी।

इस पर भारतीय एथलीट्स ने नाराजगी जाहिर की है। खुद नीरज स्वर्ण जीतने के बाद नाराज दिखे और उन्होंने इस पर खुलकर बातचीत की। वहीं, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज, जो नीरज के मैच के दौरान मैदान में ही मौजूद थीं, नाराज दिखीं और उन्होंने इस मुद्दे को उठाया है।

नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण जीतने के बाद कहा- मुझे नहीं पता कि उन्होंने मेरी पहली थ्रो की दूरी क्यों नहीं नापी। मेरे बाद हुई थ्रो की दूरी आई, लेकिन मेरी नहीं। मेरे साथ ऐसा किसी कंपटीशन में कभी नहीं हुआ। मुझे बताया गया कि यह अच्छी थ्रो थी, शायद 87-88 मीटर पर गई थी। अगर पहली थ्रो अच्छी लगती है तो एथलीट से दबाव हट जाता है। ज्योति के साथ भी गड़बड़ हुआ, जेना की दूसरी थ्रो फाउल दी गई। बाद में फैसला बदला गया। हालांकि मैं किशोर जेना के लिए बेहद खुश हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं, अंजू बॉबी ने कहा- चीनी ऑफिशियल्स जानबूझकर भारतीय एथलीटों को निशाना बना रहे हैं। वे धोखेबाजी कर हमारे एथलीटों को परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने नीरज से पहली थ्रो नहीं नापे जाने का विरोध करने को कहा। चीन में जीतना काफी कठिन है, लेकिन हमारे एथलीट, थ्रोअर, जंपर श्रेष्ठ हैं, इस लिए उन्हें परेशान किया जा रहा है।

100 मीटर बाधा दौड़ में ज्योति याराजी को फॉल्स स्टार्ट के लिए बाहर किया गया। उनके और एएफआई के विराध के बाद न सिर्फ वह खेलीं बल्कि उनका पदक कांस्य से रजत में बदला। बाद में चीन एथलेटिक्स संघ ने इसके लिए माफी मांगी। उस चीनी खिलाड़ी ने भी याराजी से माफी मांगी।

वर्ल्ड कप से पहले आईसीसी रैंकिंग में बदलाव

सिराज और गिल को हुआ नुकसान, बाबर आजम का फायदा

दुबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में 5 अक्टूबर से वनडे वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है, उससे पूर्व एक दिन पहले आईसीसी द्वारा ताजा रैंकिंग जारी की गई हैं। क्रिकेट के महाकुंभ के शुरू होने से एक दिन पहले ही रैंकिंग में बड़ा बदलाव हुआ है। भारत के स्टार युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और एशिया कप के फाइनल में कहर मचाने वाले मोहम्मद सिराज को इसमें नुकसान उठाना पड़ा है। जबकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का जलवा देखने को मिला है। इतना ही नहीं भारत के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव टॉप 10 से ही बाहर हो गए हैं।

अगर गेंदबाजों की बात करें तो मोहम्मद सिराज अभी भी नंबर 1 स्थान पर बने हुए हैं लेकिन उनकी जगह पर अब खतरा बढ़ गया है। दरअसल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में खेलकर 68 रन लुटाने वाले सिराज को 11 रेटिंग पॉइंट्स का नुकसान हुआ है। वहीं अब ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड उनके बराबर आ गए हैं। यानी सिराज और हेजलवुड दोनों ही आईसीसी रैंकिंग में 669 पॉइंट्स के साथ संयुक्त रूप से टॉप पोजीशन पर हैं। इसके अलावा कुलदीप यादव को अपना 10वां स्थान गंवाना पड़ा है और वह टॉप 10 से बाहर हो गए। कुलदीप 11वें स्थान पर 616 पॉइंट्स के साथ हैं जबकि अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी अब 10वीं पोजीशन पर आ गए हैं।

भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल हालांकि अभी भी अपनी आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर ही हैं, लेकिन उनके पॉइंट्स कम हो गए हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 857 अंकों के साथ टॉप पर बने हुए हैं। गिल को अब ताजा रैंकिंग में 9 अंकों का घाटा हुआ है और अब उनके और बाबर के बीच की लीड बढ़ गई है। गिल के पिछली रैंकिंग में 848 अंक थे लेकिन अब वह 839 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं डेविड वॉर्नर को एक स्थान का फायदा हुआ है और वह छठे से पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

अगर टीम रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम टॉप पर बरकरार है। टीम इंडिया 116 रेटिंग पॉइंट लेकर टॉप पर है जबकि दूसरे नंबर पर है पाकिस्तान जिसके 115 अंक हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया (112) तीसरे, साउथ अफ्रीका (106) चौथे और इंग्लैंड (105) पांचवें स्थान पर है। गुरुवार से वर्ल्ड कप का आगाज होने जा रहा है। वर्ल्ड कप से पहले रैंकिंग कुछ इस प्रकार हैं और अब देखना होगा कि आगामी क्रिकेट के महाकुंभ में यह रैंकिंग कितनी बदल जाती हैं।

शिखर धवन का आयशा मुखर्जी से तलाक

बेटे की कस्टडी पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के एक फैमिली कोर्ट ने क्रिकेटर शिखर धवन को आयशा मुखर्जी से तलाक की मंजूरी दे दी। कोर्ट ने माना कि आयशा ने शिखर के साथ मानसिक क्रूरता की। कोर्ट ने तलाक याचिका में धवन के आरोपों को इस आधार पर मंजूरी दी कि आयशा ने या तो इनका विरोध नहीं किया या फिर वे खुद का बचाव करने में विफल रहीं। धवन उम्र में आयशा से दस साल छोटे हैं। जज हरीश कुमार ने माना कि आयशा ने धवन को बेटे से एक साल तक दूर रखकर उन्हें मानसिक यातना झेलने को मजबूर किया। हालांकि, कोर्ट ने बेटे की स्थायी कस्टडी पर फैसला नहीं दिया। धवन, भारत और ऑस्ट्रेलिया में बेटे के साथ जरूरी वक्त बिता सकते हैं। उससे वीडियो कॉल पर बात कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा, याचिकाकर्ता फेमस इंटरनेशनल खिलाड़ी और देश के लिए गौरव हैं। अगर वो भारत सरकार से मदद मांगें तो ऑस्ट्रेलिया सरकार से बेटे की कस्टडी या मुलाकात के अधिकार पर मदद की कोशिश की जानी चाहिए। धवन की याचिका के मुताबिक, आयशा ने पहले उनके साथ भारत आकर रहने की बात कही थी। हालांकि, बाद में वो अपने पूर्व पति से कमिटमेंट के चलते अपनी बात से पीछे हट गईं।

पहली शादी से आयशा की दो बेटियां हैं। उन्होंने पूर्व पति से वादा किया था कि वे बेटियों को लेकर ऑस्ट्रेलिया में ही रहेंगी। कोर्ट ने इसे भी धवन का मानसिक उत्पीड़न माना। आयशा पर धवन के खिलाफ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सदस्यों और साथी खिलाड़ियों को अपमानजनक मैसेज भेजने का आरोप भी सही पाया।

आर्चरी में विमेंस और मेंस टीम ने दिलाया सोना

स्क्वॉश में मिक्स्ड टीम नंबर-1, सौरव को चांदी

हांगझोऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। होंगझोउ में चल रहे एशियन गेम्स का 12वां दिन है। ओजस प्रवीण, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश समाधान की तिकड़ी ने आर्चरी के मेंस कंपाउंड इवेंट में भारत को दिन का तीसरा गोल्ड दिलाया। वहीं, भारत को स्क्वॉश के मेंस सिंगल्स इवेंट में सिल्वर मिला। सौरव को फाइनल मुकाबले में मलेशिया के एनजी इयान यो ने 3-1 से हराया। इससे पहले स्क्वॉश में भारत की दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड टीम में गोल्ड जीता। वहीं, आर्चरी के कंपाउंड राउंड में ज्योति सुरेखा, अदिति गोपीचंद स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने भी सोना दिलाया। दूसरी ओर एच एस प्रणय ने बैडमिंटन में मलेशिया के ली जी जिया को हराकर मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में में प्रवेश कर लिया है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया है। एशियन गेम्स में बैडमिंटन में सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल दिया जाता है। वहीं 19वें एशियन गेम्स में भारत के 85 मेडल हो गए हैं। जिसमें 21 गोल्ड शामिल है। भारत पहले ही अपने ऑल टाइम बेस्ट परफॉर्मेंस को पीछे छोड़ चुका है। 2018 एशियन गेम्स में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 70 मेडल जीते थे, जिसमें 16 गोल्ड शामिल थे। आर्चरी : विमेंस कंपाउंड टीम ने फाइनल में चीनी ताइपे को हराया आर्चरी के कंपाउंड राउंड में ज्योति सुरेखा,अदिति गोपीचंद स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने भारत को गोल्ड दिलाया है। फाइनल में चाइनीज ताइपे की टीम को 230-219 से हराया। इससे पहले भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में इंडोनेशियाई टीम को 233-229 से और क्वार्टर फाइनल में हॉन्ग कॉन्ग को 231-220 से हराया।

स्क्वॉश: दीपिका पल्लीकल-हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड डब्ल्स में गोल्ड जीता दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड डब्ल्स में मलेशिया की मोहम्मद शाफिक और आइफा अजमान की जोड़ी को 2-0 से हराया। स्क्वॉश फाइनल में दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड डब्ल्स में मलेशियाई जोड़ी को हराया। स्क्वॉश फाइनल में दीपिका पल्लीकल और हरिंदर पाल सिंह ने मिक्स्ड डब्ल्स में मलेशियाई जोड़ी को हराया। सौरव गोल्ड मेडल मैच में हारे, सिल्वर से संतोष स्क्वैश मेंस सिंगल्स मैच में सौरव घोषाल को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। उन्हें मलेशिया के इयान यो एनजी से 1-3 से हराया। सौरव ने पहला गेम 9-11 से जीता था। इसके बादल उन्हें लगातार तीन गेम में 11-9, 11-5 और 11-7 से हार मिली।

आर्चरी: ओजस, अभिषेक और प्रथमेश ने सोना दिलाया ओजस प्रवीण, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश समाधान की तिकड़ी ने मेस कंपाउंड के रोमांचक फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया टीम को 230-235 से हराया।

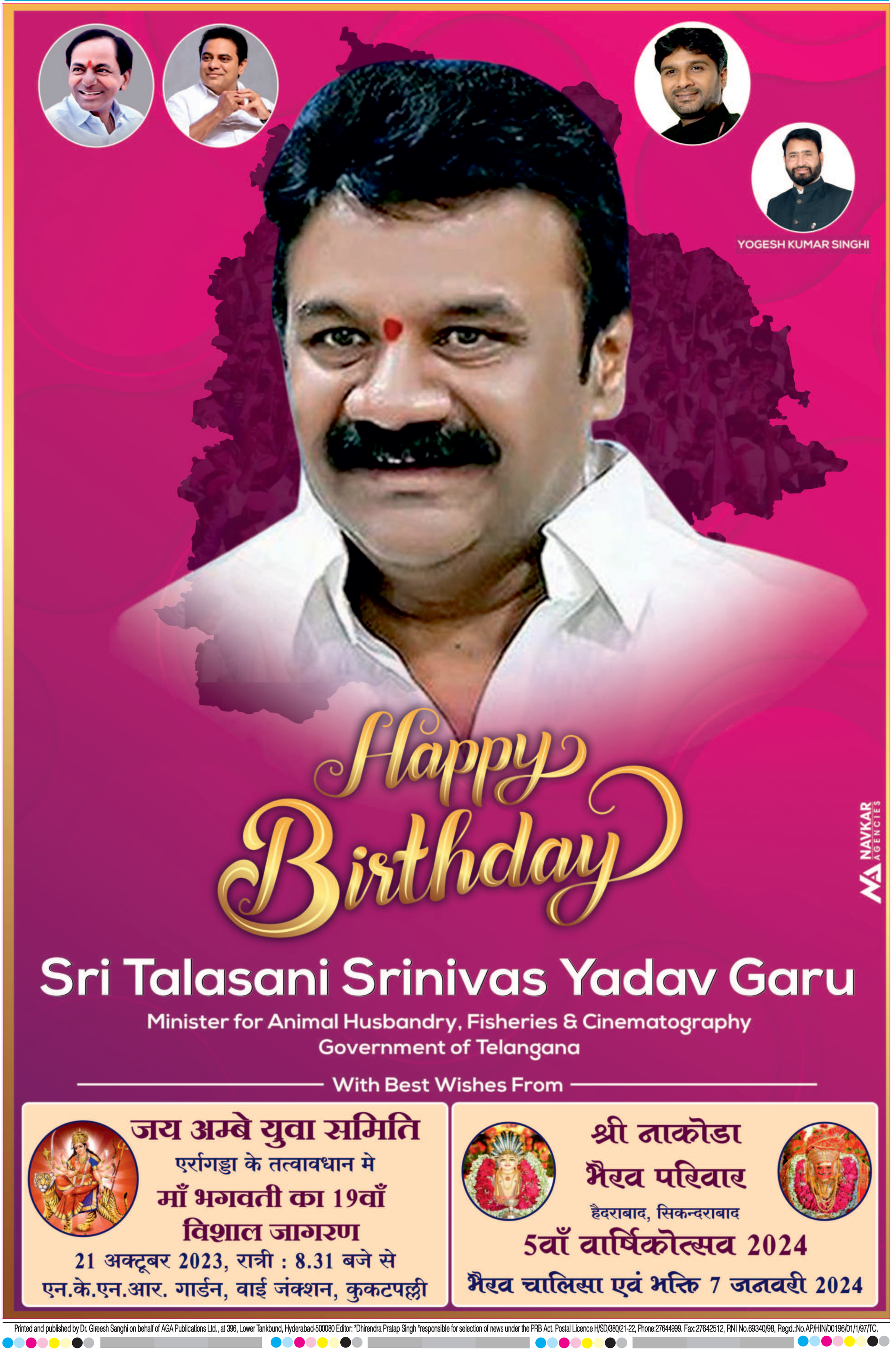

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.